शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, गुरुवार 06 नवंबर 2025 ● मार्गशिर्ष कृष्ण प्रतिपदा, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 206 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लुगूबुरु घांटाबाड़ी धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल, कहा

धर्म से हमें सामाजिक व्यवस्था को बेहतर बनाने की ताकत मिलती है

खास बातें

- सीएम व विधायक कल्पना सोरेन ने पारंपरिक विधि- विधान से की पूजा अर्चना, राज्यवासियों की सुख-समृद्धि खुशहाली और शांति की कामना की.
- हमारी संस्कृति और परंपरा के प्रति अटूट आस्था और श्रद्धा का परिचायक है यह महोत्सव
- महोत्सव आगे और भी भव्य और समृद्ध हो, लुगू बाबा से यही कामना है
- सामाजिक व्यवस्था को व्यवस्थित एवं बेहतर बनाने में हम अपने पूर्वजों के योगदान को कभी भूल नहीं सकते
- अबुआ समाज, संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज को संरक्षित,समृद्ध व आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध
- पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सभी को आगे आने की जरूरत है

रजत नाथ। बोकारो

यह सिर्फ एक महोत्सव नहीं है बल्कि अपनी परंपरा और संस्कृति के प्रति हमारी अटूट आस्था श्रद्धा और भक्ति का परिचायक है. हमें अपनी परंपरा एवं संस्कृति को संरक्षित रखते हुए इसे और मजबूती प्रदान करना है, ताकि आने वाली पीढ़ी इससे अवगत रहे और अपनी इन परंपराओं को और आगे ले जाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को बोकारो के गोमिया प्रखंड स्थित ललपनिया में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय लुगूबुरु, घांटाबाड़ी, धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव-2025 के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि हम अपनी परंपरा और संस्कृति को जितनी अच्छी तरह समझेंगे, उतना ही बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं.

तमाम श्रद्धालुओं का आभार प्रकट करता हूं : मुख्यमंत्री ने कहा कि लुगू बुरु विशेष रूप से संताल समाज के लिए एक ऐसा पवित्र स्थल है, जहां हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले लुगूबुरु, घांटाबाड़ी धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव में झारखंड के अलावा देश के अन्य प्रदेशों तथा विदेशों से भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं. वे यहां लुगू बाबा का दर्शन और पारंपरिक विधि- विधान से पूजा- अर्चना कर खुशहाली की कामना करते हैं. इस वर्ष भी तीन दिनों के इस राजकीय महोत्सव में यहां आये सभी श्रद्धालुओं के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं. यह महोत्सव आगे और भी भव्यता को प्राप्त करे और समृद्ध हो, लुगू बाबा के दरबार में हम यही आराधना करते हैं. उन्होंने कहा कि लुगूबुरु संताल समुदाय का एक ऐसा गढ़ है, जहां हमारे पूर्वजों ने एक ऐसी व्यवस्था बनाई है, जिसका पालन हम हमेशा से करते आ रहे हैं. संताल समाज को बेहतर एवं व्यवस्थित बनाने में हम अपने पूर्वजों के योगदान को कभी भूल नहीं सकते हैं.

दिशोम गुरु के बताये राह पर आगे बढ़ाना है : मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन शुरू से ही लुगूबुरु, घांटाबाड़ी के प्रति उनकी असीम आस्था थी. वे हमेशा लुगू बाबा के दरबार में आते थे. लुगूबुरु के प्रति उनकी जो सोच थी. उनका जो मार्गदर्शन मिला था, उसे हम सभी मिलकर आगे बढ़ाएं, ताकि यह धरोहर हमारे भावी पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा का काम हमेशा करता रहे.

पर्यावरण को बचाने की आज सबसे ज्यादा जरूरत है : मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज हमेशा से ही प्रकृति को सुरक्षित और संरक्षित करता आ रहा है. लेकिन, आज विकास की होड़ में जल- जंगल और जमीन खत्म होते जा रहे हैं. यह प्रकृति के लिए बहुत बड़ा खतरा है । अगर पर्यावरण संरक्षण की खातिर आगे नहीं बढ़ेंगे तो इसके खतरनाक परिणाम भुगतान को तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह भगवान बिरसा मुंडा और सिदो- कान्हू जैसे हमारे पूर्वजों ने जल -जंगल और जमीन की खातिर हमेशा संघर्ष करते रहे, उसे आगे बढ़ाने की जरूरत है.

लुगूबुरु में दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की स्थापित होगी प्रतिमा : दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की प्रतिमा लुगूबुरु में स्थापित की जाएगी. इस बाबत मुख्यमंत्री ने टेराकोटा शैली में निर्मित स्मृति शेष शिबू सोरेन जी की प्रतिमूर्ति लुगुबुरू घांटाबाड़ी धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव आयोजन समिति को सौंपी. इससे पूर्व सोरेन अपनी धर्मपत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन संग लुगुबुरू घांटाबाड़ी धोरोम गाढ़ पुनाय थान में पारंपरिक विधि -विधान के साथ लुगू बाबा की पूजा -अर्चना कर राज्य की सुख- समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की. इसके साथ उन्होंने यहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर मंत्री चमरा लिंडा, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक उमाकांत रजक, जिप अध्यक्ष सुनीता देवी, आयोजन समिति के अध्यक्ष बबुली सोरेन, सचिव लोबिन मुर्मू एवं अन्य सदस्यगण तथा हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे.

व्यवस्था हो रही है बेहतर, श्रद्धालुओं को मिलेगी सुविधाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि लुगूबुरु, घांटाबाड़ी हमारे लिए असीम आस्था का केंद्र है. हर वर्ष यहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं और लुगू बाबा के दर्शन करते हैं. ऐसे में देश-विदेश से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यादा से ज्यादा सुविधा और सहूलियत देने के लिए यहां की व्यवस्था को बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है. यह तीर्थ स्थल विश्व के मानचित्र पर एक अलग पहचान बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है.

ब्रीफ न्यूज

अब ईडी को मिली इंटरनेशनल तारीफ

नयी दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ भारत की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सराहना मिली है. एफएटीएफ ने अपनी नई रिपोर्ट में ईडी के काम को वैश्विक स्तर पर एक प्रभावशाली मॉडल बताया है. भारत में मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी तंत्र को विश्वसनीय बताते हुए कहा गया कि यह संपत्ति जब्ती के क्षेत्र में दुनिया के लिए उदाहरण है. साथ ही रिपोर्ट में कई उदाहरण भी दिए गए हैं.

संजय राउत बीमार अस्पताल में भर्ती

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) गुट के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत को मुंबई के मुलुंड स्थित फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि वे पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना कर रहे थे और अब उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है. राउत एक गंभीर चिकित्सकीय स्थिति के उपचार से गुजर रहे हैं, जिसके चलते डॉक्टरों की विशेष टीम उनकी देखरेख कर रही है.

महिला प्रत्याशी पर रोड़ेबाजी, लगी चोट

गयाजी। बाराचट्टी सीट से एनडीए प्रत्याशी ज्योति मांझी पर सुलेबट्टा में हमला किया गया. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ज्योति देवी रोती हुई दिख रही हैं. हमले के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया. उन्होंने बताया कि वे भलूआ में लोगों से मिल रहीं थीं. जब वह चांदो रोड के पास पहुंची, तो कुछ लोग मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए उन पर पत्थर फेंका, जो उनके सीने में लगा. इससे उन्हें गंभीर चोट लग गई है.

अभिनेता विजय बने टीवीके सीएम प्रत्याशी

चेन्नई। तमिल फिल्म अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी के प्रमुख थलपति विजय को पार्टी ने 2026 के तमिलनाडु चुनावों के लिए मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है. साथ ही, उन्हें गठबंधन को लेकर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार भी दिया गया है. बुधवार को टीवीके की महासभा की बैठक में यह फैसला लिया गया. बैठक में विजय अपने ट्रेडमार्क सफेद शर्ट और हल्की दाढ़ी वाले लुक में पहुंचे.

अनुराग गुप्ता का इस्तीफा नये डीजीपी की तलाश शुरू

• अनुराग गुप्ता

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के बहुचर्चित डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. विश्वस्त सूत्रों ने इसकी पुष्टि कर दी है. हालांकि आधिकारिक रूप से उनके इस्तीफे को अभी मंजूर नहीं किया गया है. आधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के शीर्ष स्तर पर नये डीजीपी की तलाश भी शुरू कर दी गयी है. क्योंकि अनुराग गुप्ता का इस्तीफा स्वीकार किये जाने के साथ ही राज्य सरकार को नये डीजीपी की नियुक्ति अनिवार्य हो जाएगी.

सूत्रों के अनुसार अनुराग गुप्ता ने मंगलवार की देरशाम मुख्यमंत्री आवास जाकर अपना इस्तीफा सौंप दिया. उसके बाद सरकार के शीर्ष स्तर पर सरगर्मी काफी बढ़ गयी. अनुराग गुप्ता के इस्तीफे के पीछे राज्य में सक्रिय गैंगेस्टरों के आपसी प्रतिशोध से जुड़े ऑडियो-वीडियो के सामने आने के बाद यह स्थिति उत्पन्न हुई. इस ऑडियो-वीडियो में पुलिस प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों की बातचीत है. उसी वीडियो के बाद अनुराग गुप्ता के इस्तीफे की नौबत बतायी गयी है.

जानकारी के अनुसार अनुराग गुप्ता द्वारा इस्तीफा देने के बाद बुधवार को उन्हें सीएमओ बुलाया गया था. लेकिन सुबह उनकी मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं हुई बतायी गयी.

फिलहाल मुख्यमंत्री लुगु बुरु में आयोजित घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़ में आयोजित राजकीय महोत्सव में हैं. मुख्यमंत्री के रांची पहुंचने के बाद डीजीपी के मामले में अंतिम फैसला लिए जाने की संभावना है. यहां मालूम हो कि पिछले दो महीने से ही अनुराग गुप्ता को लेकर सरकार के शीर्ष स्तर पर चर्चा शुरू हो गयी थी. जब से उनका एसीबी और सीआईडी का प्रभार सरकार ने ले लिया था, उसी समय से उनका सरकार के साथ संबंध बेहतर नहीं बताया जाने लगा था.

प्रशांत सिंह हो सकते हैं झारखंड के नए डीजीपी

अनुराग गुप्ता के डीजीपी पद से इस्तीफे के बाद बुधवार को सरकार के शीर्ष स्तर पर नये डीजीपी को लेकर दिन भर मंथन जारी रहा. देर शाम प्रशांत सिंह के नाम सरकार के शीर्ष स्तर पर सहमति बन जाने की सूचना है. हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है. सूत्रों के अनुसार अब किसी भी समय नये डीजीपी की नियुक्ति और अनुराग गुप्ता के इस्तीफे को स्वीकृत किया जा सकता है. मालूम हो कि मंगलवार देर शाम अनुराग गुप्ता ने डीजीपी पद से इस्तीफा दे दिया था. उसके बाद नये डीजीपी की नियुक्ति को लेकर सरकार में मंथन जारी था. डीजी रैंक में फिलहाल तीन अधिकारी हैं. अनिल पाल्टा, प्रशांत सिंह और एमएस भाटिया. प्रशांत सिंह सरकार की पसंद बताए गए हैं.

प्रशांत सिंह 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं. वर्तमान में वह पुलिस मुख्यालय में डीजी पद पर पदस्थापित हैं. इधर आधिकारिक सूत्रों के अनुसार डीजी रैंक के अधिकारी एमएस भाटिया और प्रशांत सिंह नये डीजीपी के रेस में सबसे आगे बताए जा रहे थे. दोनों ही वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारियों में से किसी एक को झारखंड पुलिस का नया मुखिया बनाए जाने की संभावना है. शीर्ष स्तर पर इन नामों को लेकर चर्चा जोरों पर था. माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री स्तर पर परामर्श के बाद जल्द ही नए डीजीपी की नियुक्ति को लेकर औपचारिक घोषणा की जाएगी.

लगातार विवाद में आ रहे थे अनुराग गुप्ता : डीजीपी बनने के बाद से ही अनुराग गुप्ता लगातार विवाद में आ रहे थे. उन्हें 2022 में डीजी रैंक में प्रोन्नति मिली थी. फिर उन्हें जुलाई 2024 में डीजीपी नियुक्त किया गया. चुनाव आयोग के आदेश पर 2024 में हुए विस चुनाव से पूर्व उन्हें डीजीपी पद से हटा कर अजय कुमार सिंह को डीजीपी बनाया गया. लेकिन हेमंत के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद फिर से उन्हें डीजीपी बना दिया गया. लेकिन विवाद फिर खत्म नहीं हुआ. केंद्र सरकार ने उनकी डीजीपी पद पर नियुक्ति को गलत करार दिया. महालेखाकार ने उनका वेतन पूर्जा निर्गत करना बंद कर दिया. मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा, जहां अभी भी उनकी नियुक्ति का मामला विचाराधीन है. हालांकि महालेखाकार ने उनका वेतन पुर्जा इस शर्त के साथ फिर जारी कर दिया कि न्यायालय के आदेश से यह प्रभावित होगा. यहां मालूम हो कि तीन फरवरी 2024 को डीजीपी के पद पर नियमित नियुक्ति होने के बाद से उनका कार्यकाल दो फरवरी 2027 तक था. अगर अदालत का कोई निगेटिव फैसला नहीं आता.

वोट चोरी पर राहुल गांधी ने फोड़ा हाइड्रोजन बम, कहा

हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी बिहार में भी यही होनेवाला है

एजेंसियां। नयी दिल्ली

बिहार में वोटिंग से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को फिर वोट चोरी का आरोप लगाया. प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल ने कहा कि हरियाणा विस चुनाव में 25 लाख वोटों की चोरी हुई. उन्होंने एक महिला की तस्वीर दिखाकर दावा किया कि वह ब्राजील की मॉडल है और उसका नाम हरियाणा की वोटर लिस्ट में विभिन्न नामों से शामिल है.

उन्होंने पूछा कि आखिर ब्राजील की मॉडल का नाम हरियाणा की वोटर लिस्ट में कैसे है. आरोप है कि हरियाणा के 8 में से एक वोटर फेक है. उन्होंने बिहार के 5 वोटरों को भी मंच पर बुलाया. सभी ने कहा कि उनके नाम वोटर लिस्ट काटे गए हैं. राहुल ने कहा कि हरियाणा में 3.5 लाख वोटर्स का नाम लिस्ट से काट दिया गया. बिहार में भी यही दोहराया जा रहा है. राहुल के अनुसार, कुल 25 लाख से अधिक वोटों में गड़बड़ी सामने आई है. उन्होंने गिनाया- डुप्लीकेट वोटरः 5,21,619, गलत पताः 93,174 और बल्क वोटरः 19,26,351. आयोग को बताना चाहिए कि 223 बार एक ही बूथ पर किसी एक का ही नाम कैसे है? चुनाव आयोग के खिलाफ हमने पुख्ता सुबूत रख दिया है. राहुल गांधी ने कहा, मैं चाहता हूं कि भारत के युवा, जेन जेड इसे स्पष्ट रूप से समझें क्योंकि यह आपके भविष्य के बारे में है. मैं भारत में चुनाव आयोग, लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा हूं, इसलिए मैं इसे 100% सबूत के साथ कर रहा हूं. हमें यकीन है कि कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की योजना बनाई गई थी.

उधर वोट चोरी पर राहुल गांधी के आरोपों पर बीजेपी ने भी जवाब दिया. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम भी कई चुनाव हारे, लेकिन कभी रोना-धोना नहीं किया. हमेशा नतीजों का स्वागत किया. राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ विदेशी महिलाओं के नाम का जिक्र किया. ऐसे नकली फोटो पर राहुल और कांग्रेस बोलती रहती है. बिहार में चुनाव है, इसलिए वे ध्यान भटकाने के लिए मुद्दा लेकर आ रहे हैं. उन्होंने जो प्रजेंटेशन दिया, वह फर्जी है. राहुल का बम फटता क्यों नहीं है?

चुनाव आयोग ने कहा- पूरा दावा बेबुनियाद है

राहुल गांधी की तरफ से हरियाणा में कथित वोट हेरफेर के आरोपों को चुनाव आयोग के सूत्र ने बेबुनियाद करार दिया है. सूत्र के हवाले से कहा गया कि वोटर लिस्ट के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई थी. सवाल उठाया, अगर कई नामों के दोहराव से बचना था, तो संशोधन के दौरान कांग्रेस के बीएलए ने कोई आपत्ति क्यों नहीं उठाई? एक अधिकारी ने कहा, कांग्रेस के बीएलए ने संशोधन के दौरान कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की? वोटर लिस्ट के खिलाफ कोई अपील नहीं दायर की गईं और मौजूदा समय में हाईकोर्ट में सिर्फ 22 चुनाव याचिकाएं लंबित हैं. अगर कोई मतदाता पहले ही मतदान कर चुका हो या उसकी पहचान पर संदेह हो, तो आपत्ति दर्ज करना उनका दायित्व है.

भाजपा बोली-झूठे और अतार्किक दावे हैं

राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा ने इन्हें को निराधार बताया है. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए झूठे और अतार्किक दावे कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि बिहार में दो दिन बाद मतदान है लेकिन आज राहुल गांधी हरियाणा की कहानी सुना रहे थे. राहुल गांधी कह रहे हैं कि एग्जिट पोल में कांग्रेस जीत रही थी. साल 2004 के चुनाव में भी एग्जिट पोल पोल एनडीए को जिता रहे थे लेकिन मतगणना के नतीजों में एनडीए हार गई. हमने नतीजा स्वीकार किया.लोकतंत्र में जीत और हार, दोनों होती है. एग्जिट पोल जब कांग्रेस के पक्ष में होता है, तब वाहवाही करते हैं और जब विरोध में जाता है, तब मीडिया को गाली देते हैं.

बड़ी कार्रवाई : डीजीपी कार्यालय में प्रतिनियुक्त इंस्पेक्टर गणेश सिंह एसीबी की गिरफ्त में

धनबाद के कोयला कारोबारियों से पैसा मांगने का आरोप

शुभम संदेश। रांची/धनबाद

झारखंड पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत इंस्पेक्टर गणेश सिंह को बुधवार की शाम एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने उठा लिया. हालांकि समाचार लिखे जाने तक आधिकारिक रूप से इनकी गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई थी. लेकिन सूत्र बताते हैं कि वस्तुतः इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है. एसीबी अधिकारियों द्वारा गणेश सिंह से देर रात तक पूछताछ जारी थी. ब्यूरो ने उनके कार्यकाल और संभावित लेन-देन से जुड़ी जानकारियां खंगालनी शुरू कर दी हैं.

बता दें कि इससे पूर्व एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 18 अक्टूबर को इंस्पेक्टर गणेश सिंह के खिलाफ इंटेलिजेंस रिपोर्ट (आईआर) दर्ज की थी. इसके साथ ही गणेश सिंह के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई थी. एसीबी के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गणेश सिंह पर धनबाद के कोयला कारोबारी से पैसे मांगने का आरोप है. इंस्पेक्टर गणेश सिंह पहले एसीबी में पदस्थापित थे. अभी वह झारखंड जगुआर में पदस्थापित हैं और प्रतिनियुक्ति पर डीजीपी कार्यालय में एनजीओ प्रभारी के रूप में काम देख रहे हैं.

पिछले साल अनुराग गुप्ता डीजीपी बने थे. तब अनुराग गुप्ता ही एसीबी डीजी के प्रभार में थे. उन्होंने तीन दिसंबर 2024 को एक आदेश जारी किया था. आदेश के मुताबिक इंस्पेक्टर गणेश सिंह को एसीबी के एनजीओ प्रभारी के अलावा डीजीपी के एनजीओ के अतिरिक्त प्रभार दिया गया था. वह तब से दोनों जगह का काम करते रहे. लेकिन 18 सितंबर 2025 को सरकार ने डीजीपी अनुराग गुप्ता से एसीबी डीजी का प्रभार वापस ले लिया और 19 सितंबर को डीजीपी ने एक आदेश जारी कर गणेश सिंह का तबादला झारखंड जगुआर में कर दिया. लेकिन गणेश सिंह अभी तक विरमित नहीं किया गया था. तकनीकी पहलू यह है कि इंस्पेक्टर गणेश सिंह एसीबी में पदस्थापित हैं. डीजीपी की हैसियत से अनुराग गुप्ता उसकी प्रतिनियुक्ति तो कर सकते थे, लेकिन तबादला करने में पेंच है.

नियम है कि एसीबी से किसी को हटाने या किसी को एसीबी में पदस्थापित करने के लिए एसीबी प्रमुख की सहमति जरुरी है. चूंकि एसीबी के वर्तमान डीजी प्रिया दुबे ने योगदान नहीं दिया था, इस वजह से यह माना जा सकता है कि अनुराग गुप्ता ने डीजीपी और एसीबी डीजी के पद पर रहते हुए तबादले किये. पर, ऐसा करने के लिए स्टैबलिशमेंट बोर्ड की सहमति होनी चाहिए थी, जो इस मामले में नहीं है.

इंस्पेक्टर गणेश सिंह का तबादला झारखंड जगुआर (जेजे) में किये जाने में और भी एक पेंच है. यह पेंच है, उनकी उम्र की. जेजे का गठन नक्सलियों से लड़ने के लिए हुआ है. इस फोर्स में पदस्थापन के लिए जरूरी है कि पुलिसकर्मी शारीरिक रूप से फीट हो और उनकी उम्र ज्यादा मेहनत करने के लायक हो. इसलिए यह नियम है कि जेजे में पोस्टिंग के लिए किसी पुलिसकर्मी की उम्र 45 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए. गणेश सिंह की उम्र 45 साल से अधिक है. हालांकि जेजे में इंस्पेक्टर रैंक के वैसे अफसरों की पोस्टिंग पहले भी होती रही है, जिनकी उम्र 45 वर्ष से अधिक है.

बिहार में पहले चरण की 121 सीटों पर वोट आज

- तैयारियां पूरी : 47,376 बूथ, मैदान में 1314 उम्मीदवार

शुभम संदेश। पटना

बिहार में पहले चरण मतदान गुरुवार को है. 115 सीटों के 45341 बूथों पर सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोटिंग होगी. छह क्षेत्रों के 2135 बूथों पर सुबह सात बजे से पांच बजे तक ही वोटिंग होगी.

इधर, बुधवार को मतदान कर्मी बूथों पर पहुंच गए हैं. गुरुवार सुबह पांच बजे ही बूथ लेवल एजेंटों की मौजूदगी में मॉक पोल किया जाएगा. इसके दो घंटे बाद यानी सात बजे मतदान शुरू होगा. सभी बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान होगा. ये जिले हैं- मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सिवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, लखीसराय, मुंगेर, शेखपुरा, नालंदा, पटना, भोजपुर और बक्सर. प्रत्याशियों की कुल संख्या 1314 है. इनमें 1192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं. इस चरण में 102 सामान्य और 19 एससी के लिए आरक्षित सीटों पर मतदान होगा.

पहले चरण में 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 वोटर अपने वोट डालेंगे. एक करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, एक करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं और 758 थर्ड जेंडर वोटर शामिल हैं. इसके अलावा, 1, 00, 904 सर्विस वोटर भी इस चरण में वोट डालेंगे. बूथों पर दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए विशेष सुविधाएं दी गई हैं. 5, 31, 423 वरिष्ठ और सौ वर्ष से अधिक आयु वाले 6,736 वोटर शामिल हैं. भी लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेंगे.

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद झारखंड सरकार फिर से सक्रिय, सूचना आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया तेज हुई

मुख्य सूचना आयुक्त के एक और सूचना आयुक्तों के छह पदों के लिए नया विज्ञापन जारी, 26 तक करें आवेदन

शुभम संदेश। रांची

11 दिसंबर तक पूरी करनी होगी नियुक्ति प्रक्रिया, नहीं तो सुप्रीम कोर्ट ले सकता है सख्त रुख

सुप्रीम कोर्ट में 27 अक्तूबर को हुई सुनवाई के बाद झारखंड सरकार ने राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया दोबारा शुरू कर दी है. सरकार ने मुख्य सूचना आयुक्त के एक पद और सूचना आयुक्तों के छह पदों के लिए नया विज्ञापन जारी किया है. इच्छुक उम्मीदवार 26 नवंबर तक कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग, प्रोजेक्ट भवन, रांची में अपने आवेदन स्पीड पोस्ट या निबंधित

डाक से भेज सकते हैं.

जिन्होंने पहले आवेदन किया, उन्हें दोबारा करने की जरूरत नहीं : विज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि 29 जून 2024 के आदेश के तहत पहले जारी विज्ञापन के आधार पर जिन लोगों ने आवेदन किया था, उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है. हालांकि, यदि किसी आवेदक की आयु अब निर्धारित सीमा से अधिक हो चुकी है, तो उनके आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा.

गौरतलब है कि 27 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट में आरटीआई कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज की याचिका पर केंद्रीय सूचना आयोग सहित राज्यों में रिक्त सूचना आयुक्तों के पदों को लेकर सुनवाई हुई थी. सुनवाई के दौरान झारखंड सरकार के अधिवक्ता ने अदालत को आश्वासन दिया कि राज्य में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया 45 दिनों के भीतर पूरी कर ली जाएगी. इस आधार पर सरकार को 11 दिसंबर से पहले पूरी प्रक्रिया समाप्त करनी होगी, अन्यथा सुप्रीम कोर्ट सख्त आदेश जारी कर सकता है.

सूत्रों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद ही सरकार ने नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाई है. झारखंड राज्य सूचना आयोग 8 मई 2020 से पूरी तरह रिक्त है, जब तत्कालीन प्रभारी मुख्य सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी का कार्यकाल समाप्त हुआ था.

नियुक्ति प्रक्रिया पहले विपक्ष के नेता न होने के कारण बाधित रही. बाद में जब अमर कुमार बाउरी विपक्ष के नेता बने, तो प्रक्रिया आगे बढ़ी लेकिन अंतिम परिणाम नहीं निकला. इसके बाद बाबूलाल मरांडी को विपक्ष का नेता बनाए जाने को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ, जिसे स्पीकर ने मान्यता नहीं दी थी. हालांकि, 2024 के विधानसभा चुनाव के बाद बाबूलाल मरांडी को आधिकारिक रूप से विपक्ष का नेता घोषित कर दिया गया. अब कोई राजनीतिक अड़चन नहीं है. लोगों की निगाहे इस बात पर टिकीं हैं कि झारखंड सरकार सुप्रीम कोर्ट की समयसीमा के भीतर सूचना आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर पाती है या नहीं.

एक नजर

राज्यपाल संतोष गंगवार ने प्रकाशोत्सव पर पीपी कांपाउंड गुरुनानक स्कूल में टेका मत्था

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुनानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर बुधवार को रांची स्थित गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल, पीपी कंपाउंड में मत्था टेका. उन्होंने कीर्तन कार्यक्रम में भाग लिया, गुरुवाणी सुनी, श्रद्धालुओं से भेंट की और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया.इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि गुरुनानक देव जी ने मानव समाज को सत्य, करुणा, सेवा, समानता और सद्भाव का संदेश दिया. उनके उपदेश लोगों को आपसी प्रेम और भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं. उन्होंने प्रदेशवासियों से कहा कि गुरुनानक देव जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाएं.

प्लांडु अनुसंधान केंद्र में त्रिपुरा के किसानों के लिए पांच दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

रांची। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिसर के अनुसंधान केंद्र, प्लांडु में त्रिपुरा के किसानों के लिए "कृषक समृद्धि हेतु बागवानी की उन्नत तकनीकें" विषय पर पांच दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम दूसरे दिन भी जारी रहा. यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तर-पूर्वी क्षेत्र कंपोनेंट के अंतर्गत 8 नवंबर तक चलेगा. त्रिपुरा से आए 25 किसान इस प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुनील चंद्र दुबे रहे. संस्थान के निदेशक डॉ. अनूप दास ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से अवगत कराकर उनकी क्षमता बढ़ाना है. अनुसंधान केंद्र, प्लांडु के प्रधान डॉ. अवनि कुमार सिंह ने कहा कि व्यावहारिक प्रशिक्षण अधिक प्रभावशाली होता है और यह प्रशिक्षण त्रिपुरा के किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी होगा. त्रिपुरा से आए कृषि पदाधिकारी अमलन नाथ ने इसे किसानों के लिए सुनहरा अवसर बताया. कुलपति डॉ. सुनील चंद्र दुबे ने किसानों को सही रोपण सामग्री के चयन और निर्माण के साथ-साथ उत्पादन, तुड़ाई के बाद भंडारण एवं प्रसंस्करण की विधियों में दक्षता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया. फल वैज्ञानिक डॉ. महेश कुमार धाकड़ ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. संतोष एस. माली ने केंद्र की उपलब्धियों पर प्रस्तुतीकरण दिया. कार्यक्रम में किसानों के लाभार्थ बांग्ला एवं अंग्रेजी भाषा में प्रशिक्षण मैनुअल का लोकार्पण किया गया. अतिथियों ने अनुसंधान केंद्र पर फल और सब्जियों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मीनू कुमारी ने और कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी अणिमा प्रभा ने किया.

झारखंड में 'मंईयां सम्मान योजना' से 50 लाख से अधिक महिलाओं को हर माह 2,500 रुपये का लाभ

रांची। झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना 18 से 50 साल की महिलाओं को आर्थिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से चल रही है. अगस्त 2024 में शुरू हुई इस योजना के तहत महिलाओं के खातों में हर माह 2,500 रुपये ट्रांसफर किए जा रहे हैं. योजना की शुरुआत में अगस्त 2024 में पहली किस्त 1,000 रुपये प्रति माह के हिसाब से जारी हुई थी, लेकिन विधानसभा चुनाव के दौरान वादे के अनुसार राशि को बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया गया. दिसंबर 2024 से बढ़ी हुई राशि लाभुकों के खातों में जारी हो रही है.6 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 56,61,791 लाभुकों के खातों में 1,415.44 करोड़ रुपये का ट्रांसफर किया. अक्टूबर 2025 में दीपावली से पहले 51,04,168 लाभुकों के खातों में राशि पहुंचाई गई. वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस योजना के लिए कुल 13,363.35 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया, जिसमें अब तक 9,900 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं.

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष ने गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व और कार्तिक पूर्णिमा की दी शुभकामनाएं

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व और कार्तिक पूर्णिमा की समस्त देशवीसियों और राज्यवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं. राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को लिखा कि सभी को श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई. उन्होंने समस्त देशवासियों और झारखंडवासियों को पावन पर्व देव दीपावली और कार्तिक पूर्णिमा की भी शुभकामनाए दीं.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी सेवा, सत्य, मानवता, समानता और करुणा की शिक्षा देने वाले श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर सभी को लख-लख बधाइयां दी हैं. साथ ही कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार कहा है. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि आप सभी का जीवन समृद्ध, स्वस्थ और खुशहाल हो, यही कामना करता हूं.

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु, श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी. उन्होंने देव दीपावली एवं कार्तिक पूर्णिमा की भी समस्त देशवासियों और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

सरयू ने लिखा स्वास्थ्य मंत्री को पत्र, बोले: दवाओं की खरीद निविदा के माध्यम से हो

रांची। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने जानना चाहा है कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग में ऐसा क्या चल रहा है कि विधानसभा के वरीय सदस्य होने के नाते भी उन्हें मांगी गई जानकारी नहीं दी जा रही है? आखिर ऐसा क्या है कि स्वास्थ्य विभाग उनसे जानकारी छुपाना चाह ररहा है? इससे तो झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग की कार्य-संस्कृति पर भी सवालिया निशान खड़ा हो रहा है. सरयू राय ने दवाओं की खरीद के में पारदर्शिता बरतने तथा सभी प्रकार की दवाओं की खरीद निविदा के माध्यम से करने की मांग की है. इस संबंध में सरयू राय ने स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री को एक पत्र लिखा है. इस पत्र में उन्होंने भारत सरकार के दवा निर्माता लोक उपक्रमों से ऊंची दरों पर दवा खरीद करने के संबंध में सविस्तार लिखा है. उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह किया कि दवाओं की खरीद के बारे में पारदर्शिता बरतने व सभी प्रकार की दवाओं की खरीद निविदा के माध्यम से करने का निर्देश विभाग को दें. साथ ही राय को प्रासंगिक जांच समिति का जांच प्रतिवेदन और इस संबंध में भारत सरकार के औषधि विभाग का मंतव्य उपलब्ध कराने का निर्देश दें.

घाटशिला उपचुनाव: झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन के प्रचार अभियान ने जोर पकड़ा

भाजपा की सरकार आदिवासी विरोधी रही है, हेमंत सरकार ने सबके हित में किया काम : डॉ रामेश्वर उरांव

कांग्रेस महासचिव आलोक कुमार दुबे ने कहा- जनता विकास और सम्मान के साथ गठबंधन के पक्ष में

शुभम संदेश। घाटशिला

झारखंड के घाटशिला उपचुनाव में झामुमो–कांग्रेस–राजद गठबंधन के प्रचार अभियान ने जोर पकड़ लिया है. लोहरदगा विधायक व पूर्व वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह स्टार प्रचारक आलोक कुमार दुबे और प्रदेश कांग्रेस महासचिव डॉ. राजेश गुप्ता ने मंगलवार को घाटशिला पहुंचकर गठबंधन प्रत्याशी सोमेश सोरेन के समर्थन में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया. फुलडुगरी स्थित झामुमो–कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करने के बाद तीनों नेताओं ने विभिन्न इलाकों में जनसंपर्क किया. इस दौरान झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य भी मौजूद रहे और मीडिया से बातचीत की.

पूर्व मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि 11 नवंबर को होने वाला यह चुनाव एकतरफा होगा, जनता भारी बहुमत से सोमेश सोरेन को जिताएगी. हेमंत सरकार के पांच साल के विकास कार्यों का प्रतिफल जनता अब वोट के रूप में देगी." उन्होंने कहा कि "रघुवर दास की सरकार ने सीएनटी/एसपीटी कानून में संशोधन लाकर आदिवासियों की जमीन छीनने की कोशिश की थी. भाजपा की सरकार आदिवासी विरोधी रही है, जबकि हेमंत सरकार ने हर वर्ग के हित में काम किया है."पूर्व वित्त मंत्री ने बताया कि मंईयां सम्मान योजना का भुगतान राज्य सरकार नियमित रूप से कर रही है. "वृद्धा पेंशन जैसी योजनाओं में केंद्र सरकार से राशि में देरी होती है, लेकिन राज्य सरकार की किसी भी योजना में विलंब नहीं होता," उन्होंने जोड़ा.

प्रदेश कांग्रेस महासचिव आलोक कुमार दुबे ने कहा कि घाटशिला की जनता विकास, सम्मान और स्थायित्व चाहती है, जो केवल गठबंधन सरकार ही दे सकती है. यह चुनाव जनादेश नहीं, जनता का विश्वास है." वहीं डॉ. राजेश गुप्ता ने कहा कि "गठबंधन सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ठोस कदम उठाए हैं, जनता अब छल की राजनीति से दूर विकास की राजनीति को अपना रही है."

सुरदा कोर सिंक ज़ोन–2, घाटशिला स्टेशन क्षेत्र और मुसाबनी इलाके में कांग्रेस नेताओं ने व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया. इस दौरान उन्होंने प्रभारी लोबिन सबर, पिंटू दास, धनंजय मार्डी, गोरंगो मार्डी, काल्टू चक्रवर्ती, कन्हैया शर्मा, उदय शर्मा और अन्य स्थानीय नेताओं से मुलाकात की.हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के मुख्य द्वार पर श्रमिकों से बात करते हुए डॉ. उरांव ने केंद्र सरकार की नीतियों पर नाराज़गी जतायी और कहा कि केंद्र की गलत नीतियों के कारण ऐतिहासिक फैक्ट्री बंद हो गई, जिससे हजारों परिवार प्रभावित हैं."

अभियान के समापन पर अनुमंडल अस्पताल (एनएच) के सामने शेख अशरफ भोलू, शमशाद खान और एम. आलम ने नेताओं का भव्य स्वागत किया.सभा में "गठबंधन जिंदाबाद" और "सोमेश सोरेन जिंदाबाद" के नारों से माहौल गूंज उठा. नेताओं ने जनता से अपील की कि वे गठबंधन प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाकर झारखंड में विकास और सामाजिक न्याय की राह को मजबूत करें.

जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामला

बाबूलाल मरांडी का आरोप- सरकार और सीआईडी युवाओं को डराने में लगी है

शुभम संदेश। रांची

राज्य की चर्चित जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में झारखंड हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. इसी बीच, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरकार और उसकी जांच एजेंसी सीआईडी पर गंभीर आरोप लगाए हैं.मरांडी ने कहा कि अदालत में मामला लंबित होने के बावजूद सरकार और सीआईडी छात्रों कुणाल प्रताप और प्रकाश पोद्दार को डराने-धमकाने में लगी हुई है. उनके मुताबिक, सीआईडी द्वारा इन छात्रों को नोटिस भेजना सरकार की नाकामी और भ्रष्टाचार को छिपाने का प्रयास है.उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि नेपाल में पेपर पढ़ने गए 28 छात्रों में से 10 सफल हुए, लेकिन सीआईडी ने उनमें से केवल एक छात्र को ही आरोपी बनाया. बाकी नौ सफल छात्रों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई, इस पर भी उन्होंने जवाब मांगा.

मरांडी ने अदालत में यह मुद्दा भी उठाया कि मनीष और दीपिका के बयान पर अधिकारी संतोष मस्ताना को जेल भेजा गया, जबकि ये दोनों छात्र स्वयं परीक्षा में सफल हैं और अब कोर्ट में इंटरवेनर बन चुके हैं.सीआईडी की जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मरांडी ने पूछा कि क्या सीसीटीवी फुटेज, कॉल डंप रिकॉर्ड और नेपाल के होटलों की फिजिकल जांच सही ढंग से की गई है.उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज़ दबाने की कोशिशें कभी सफल नहीं होंगी. झारखंड के युवा अब अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने को तैयार हैं. मरांडी ने सीआईडी अधिकारियों से निष्पक्ष जांच करने की अपील की, ताकि भविष्य में यदि हाईकोर्ट से सीबीआई जांच का आदेश आए, तो उनकी विश्वसनीयता पर कोई सवाल न उठे.

13 विधानसभा क्षेत्रों के 22 निर्दलीय उम्मीदवारों पर गाज

चुनाव खर्च का ब्योरा समय पर न देने पर नोटिस जारी

शुभम संदेश। रांची

पिछले विधानसभा चुनाव में चुनाव खर्च का विवरण समय पर न देने वाले 22 उम्मीदवारों पर अब कार्रवाई हो सकती है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, राज्य के 13 विधानसभा क्षेत्रों के ये उम्मीदवार निर्धारित समय में अपना खर्चा दाखिल नहीं कर पाए. चुनाव आयोग ने इसे गंभीरता से लिया है और सभी 22 उम्मीदवारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि निर्धारित अवधि में खर्च का विवरण न देना नियमों की उल्लंघन है. जिला निर्वाचन अधिकारियों से संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद आयोग को रिपोर्ट भेजी गई है.

चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, यदि उम्मीदवार का जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, तो उन पर छह साल तक चुनाव लड़ने की रोक लग सकती है. आयोग ने सभी आरोपित उम्मीदवारों को एक महीने का समय दिया है.ये 22 प्रत्याशी जिन 13 विधानसभा क्षेत्रों के हैं, उनमें राजमहल, महागामा, बड़कागांव, रामगढ़, मांडू, बगोदर, गांडेय, पाकुड़, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा और भवनाथपुर शामिल हैं. इन 22 उम्मीदवारों के नामों में अधीर कुमार मंडल, नईम शेख, अमित कुमार, मुकेश सोरेन, कृष्ण मोहन चौबे सहित अन्य हैं. सभी उम्मीदवार पिछले चुनाव में निर्दलीय के रूप में मैदान में थे. यदि वे चुनाव खर्च का विवरण न देने के साथ आयोग के नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं देते हैं, तो उन्हें नियमों के तहत गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं.

रांची पीएमएलए कोर्ट से आठ आरोपियों को समन

शुभम संदेश। रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर घोटाले मामले में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी रीता लाल सहित आठ के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है. जिसपर पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों के विरुद्ध समन जारी करने का आदेश दे दिया है. अब कोर्ट इस मामले में 27 नवंबर को सुनवाई करेगा. उक्त तिथि तक सभी आरोपियों को कोर्ट के समक्ष उपस्थित होना है.

ईडी ने चौथे आरोप पत्र में ठेकेदार राजेश कुमार को आरोपित किया है. इसके अलावा उसकी कंपनी मेसर्स राजेश कुमार कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और परमानंद सिंह बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड को आरोपित किया है. विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम के ठिकानों पर छापामारी के दौरान कुछ महंगी गाड़ियां जब्त की गयी थी. ठेकेदार ने वीरेंद्र राम को यह गाड़ियां दी थीं. जांच के दौरान ठेकेदार से गहन पूछताछ हुई थी. इसमें ठेकेदार ने यह स्वीकार किया था कि उसने वीरेंद्र राम को घूस के तौर पर 1.88 करोड़ रुपये दिये थे. इसके अलावा ट्योटा इनोवा और ट्योटा फार्चूनर भी दिया था. ठेकेदार राधा मोहन साहू ने वीरेंद्र राम को 39 लाख रुपये घूस और एक ट्योटा फार्चूनर दिया था. यह गाड़ी राधा मोहन ठेकेदार के बेटे अंकित साहू के नाम पर निबंधित (रजिस्टर) है.

ईडी ने वीरेंद्र राम के घूस का हिसाब किताब रखने वाले अतिकुल रहमान को भी आरोपित किया है. छापेमारी के दौरान अतिकुल के घर से 4.40 लाख रुपये नकद जब्त किया गया था. ईडी ने ठेकेदार राजीव कुमार सिंह को भी आरोपित किया है. राजीव कुमार के घर से छापेमारी के दौरान 2.13 करोड़ रुपये नकद जब्त किया था. पूछताछ के दौरान राजीव ने 15 करोड़ रुपये घूस वसूलने की बात स्वीकार की थी. ईडी ने तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी रीता लाल को अपने पति की नाजायज आमदनी से संपत्ति खरीदने के मामले में आरोपित किया है. उल्लेखनीय है ईडी ग्रामीण विकास विभाग के इंजीनियर सुरेश वर्मा को 10 हजार रुपये घूस लेने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी को ECIR के रूप मे दर्ज कर ग्रामीण विकास में टेंडर के दौरान घूस लेने और घूस के रकम की लॉन्ड्रिंग करने के मामले की जांच की. ईडी द्वारा की गयी जांच के दौरान कुल 37 करोड़ रुपये नकद जब्त किये गये थे. इसमें से 32.20 करोड़ रुपये संजीव लाल के करीबी माने जाने वाले जहांगीर आलम के ठिकानों से जब्त किये गये थे. ईडी ने इससे पहले दायर तीन आरोप पत्रों में कुल आठ लोगों को आरोपित किया था. इसमें तत्कालीन मंत्री अलमगीर आलम, आप्त सचिव संजीव लाल, जहांगीर आलम, चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम व पारिवारिक सदस्यों के अलावा हवाला कोरोबारी और दिल्ली के सीए सहित अन्य शामिल थे.

बैठक हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन की कार्यकारिणी समिति की बैठक में कामगारों की समस्याओं पर चर्चा

एचईसी में कार्यादेश की कोई कमी नहीं है, लगातार उत्पादन प्रक्रिया को बनाए रखना है : लीलाधर सिंह

शुभम संदेश। रांची

हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन (इंटक) की कार्यकारिणी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के महामंत्री सह इंटक के राष्ट्रीय संघटन सचिव लीलाधर सिंह ने कहा कि एचईसी में कार्यादेश की कमी नहीं, सिर्फ लगातार उत्पादन प्रक्रिया को बनाए रखना है. क्योंकि उत्पादन की बिक्री के बाद मिले रुपयों से ही नियमित वेतन भुगतान हो सकेगा. लीलाधर ने कहा कि बैंक से व्यक्तिगत ऋण लेने वाले कामगार के वेतन के साथ ईएमआई का बैंक को भुगतान साथ-साथ हो, ताकि कामगार को भी जीवनयापन के लिए कुछ रुपये मिल सके. लीलाधर ने कहा कि ठेका कामगारों के ठेका के टेंडर प्रक्रिया को जल्द प्रारंभ करना चाहिए, क्योंकि मात्र ठेका अवधि के दो माह शेष हैं.

सिंह ने कहा कि नए ठेका हुए चार माह से ज्यादा हो गए, लेकिन अफसोस एचएमबीपी के एसएफडब्लू, मुख्यालय के कुछ ठेका कामगार, एफएफपी में भी कुछ शॉप के कामगार को अभी भी वेतन भुगतान नहीं हुआ है. इसके लिए प्रबंधकीय दोष है, क्योंकि मुख्य नियोक्त एचईसी है. इसलिए नियोक्ता की हैसियत से एचईसी प्रबंधन जिम्मेदार है . सिंह ने कहा कि वीपीएफ का भुगतान वेतन के साथ कामगार को होना चाहिए. प्रबंधन सीपीएफ ऋण की प्रक्रिया चालू करे, ताकि आर्थिक संकट में कामगार इसका उपयोग कर सकें. 2018 बैच के तकनीक कामगार की प्रोन्नति प्रक्रिया को भी चालू किया जाए.

महामंत्री ने कहा कि सारेआर्थिक संकट के बावजूद कामगारों को नवंबर में वेतन भुगतान कि व्यवस्था करनी चाहिए. बैठक की अध्यक्षता यूनियन के उपाध्यक्ष गिरिश कुमार चौहान ने की. बैठक में राजेंद्र कांत महतो, भोला साव, दिलीप, राममोहन बैठा,जगन्नाथ राम, दिलीप कुमार सिंह, बादल, धनंजय श्रीवास्तव, अजय सिंह, अनूप राज, एसपी .सिंह, खुर्शीद, सलीम अंसारी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए.

चक्रवात की तबाही के बाद सरकार ने किसानों को हुए नुकसान का ब्योरा मांगा

रांची। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ने सभी जिलों के उपायुक्तों को इस संबंध में आदेश जारी किया है. निर्देश में कहा गया है कि जिले के अधिकारी गांव-गांव जाकर खेतों की स्थिति का वास्तविक आकलन करें. कितनी फसलें बर्बाद हुईं और किसानों को कितना आर्थिक नुकसान हुआ, इसका पूरा ब्योरा तैयार कर तुरंत गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग को भेजा जाए. इसकी एक प्रति कृषि विभाग को भी भेजने का भी निर्देश है. विभाग ने बताया कि मोंथा चक्रवात से हुई भारी बारिश के कारण किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है. इसलिए रिपोर्ट पूरी तरह तथ्यों पर आधारित और समय पर होनी चाहिए. इसके साथ ही कृषि निदेशक और जिला कृषि पदाधिकारियों को भी रिपोर्ट तैयार करने में जिला प्रशासन की मदद करने का निर्देश दिया गया है.

झामुमो को घाटशिला में वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं : संजय मेहता

शुभम संदेश। रांची

आजसू पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता संजय मेहता ने कहा कि झामुमो सरकार अपने कार्यकाल में जनता से किए गए वादों को निभाने में पूरी तरह विफल रही है. उन्होंने कहा कि सरकार ने झारखंड की जनता के साथ विश्वासघात किया है और अब घाटशिला उपचुनाव में वोट मांगने का नैतिक अधिकार खो दिया है. मेहता ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार नौकरी, नियोजन, विस्थापन, पुनर्वास, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर पूरी तरह असफल साबित हुई है. उन्होंने कहा कि जनता ने इस सरकार को भारी बहुमत से चुना था, लेकिन सरकार ने हर मोर्चे पर लोगों को निराश किया है.

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने नौकरी सृजन, स्थानीय नीति, और निजी क्षेत्र में आरक्षण जैसे वादों को पूरी तरह नजरअंदाज किया. शिक्षक नियुक्ति, पलायन रोकथाम, पेपर लीक की घटनाएं रोकने और संविदा कर्मियों के नियमितीकरण जैसे मुद्दों पर भी कोई ठोस पहल नहीं की गई. मेहता ने सवाल उठाया कि सरकार ने पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, सरना कोड को मान्यता देने और ओबीसी आरक्षण लागू करने जैसे जनहित से जुड़े विषयों पर अब तक चुप्पी क्यों साध रखी है. उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों पर सरकार की निष्क्रियता ने जनता के भरोसे को तोड़ा है, इसलिए झामुमो के पास अब जनता के बीच जाने का कोई नैतिक आधार नहीं बचा है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 06 नवंबर 2025 । मार्गशिर्ष कृष्ण प्रतिपदा, संवत 2082 । रांची एवं पटना से प्रकाशित । वर्ष : 3, अंक : 206 । मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

गुरुनानक जयंती पर प्रकाश उत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बोले

एक-दूसरे का हाथ थाम कर आगे बढ़ना सबसे बड़ी ताकत

- सीएम हेमंत सोरेन के साथ विधायक कल्पना भी रहीं मौजूद
- गुरुनानक देव जी के दिखाए रास्ते एवं आदर्शों पर चलकर ही सशक्त समाज के निर्माण की परिकल्पना होगी साकार, प्रकाश उत्सव में शामिल होकर हर्ष की अनुभूति होती है.
- प्रकाश उत्सव समाज को एक सूत्र में बंधे रहने का संदेश देता है.

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन बुधवार को पीपी कंपाउंड, रांची स्थित गुरुनानक स्कूल पहुंच कर गुरुनानक जयंती के अवसर पर आयोजित 556वें प्रकाश उत्सव में सम्मिलित हुए. इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेक समस्त झारखंड वासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की. मौके पर मुख्यमंत्री ने समस्त सिख समुदाय एवं राज्यवासियों को गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व एवं कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ दिन है. गुरुनानक जयंती का दिन समस्त सिख समाज के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है. मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं स्वयं हर वर्ष इस दिन थोड़ी देर के लिए यहां आता हूं.

गुरुनानक जयंती के अवसर पर आयोजित प्रकाश उत्सव में सम्मिलित होकर मुझे बहुत हर्ष की अनुभूति होती है. यह आयोजन समाज को एक सूत्र में बंधे रहने का संदेश देता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुनानक देव जी के विचारों एवं वचनों में सामाजिक एकता पर जोर दिया गया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुनानक देव जी सिर्फ सिख समाज के लिए ही नहीं बल्कि सकल समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं. गुरुनानक देव जी की दूरदर्शी सोच, उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते और उनके आदर्शों पर चलकर ही सशक्त समाज के निर्माण की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुनानक देव जी के विचार, कर्म और समर्पण से हमें यह सीख मिलती है कि हम सबों का सदैव एक-दूसरे का हाथ थाम कर एकसूत्र में बंधकर आगे बढ़ते रहना ही दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है. उन्होंने कहा कि आज के इस प्रकाश उत्सव कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से सिख समाज के लोग यहां पहुंच रहे हैं. गुरुनानक देव जी के प्रति सच्ची श्रद्धा लोगों को यहां खींचती है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के इस शुभअवसर पर मैं अपनी ओर से समस्त सिख समाज सहित प्रकाश उत्सव आयोजनकर्ताओं को अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं. मौके पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, रांची के प्रेसिडेंट रणजीत सिंह हैप्पी, गुरुद्वारा, मेन रोड, रांची के सचिव गगनदीप सिंह सेठी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे.

झारखंड में बढ़ने लगी ठंड, पारा पहुंचा 13 डिग्री

रांची । राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य जिलों में ठंड और कनकनी में वृद्धि हो रही है. राज्य के खूंटी जिले में न्यूनतम तापमान गिरकर 13.4 डिग्री पहुंच गया है. आने वाले दिनों में पारे में और गिरावट होने की आशंका है. यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी. विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में राजधानी रांची सहित कई जिलों में सुबह में कुहासा छाया रहेगा और इसके बाद मौसम साफ हो जाएगा. विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में कोई बदलाव नहीं आएगा जबकि इसके दो-तीन दिनों बाद तापमान में दो-तीन डिग्री की वृद्धि होगी. बाद में तापमान में फिर से दो-तीन डिग्री की कमी हो सकती है. बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा और मध्यम दर्जे की हवा चली. रांची में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री, जमशेदपुर में 31.1, डालटेनगंज में 31.6, बोकारो में 27.1 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया.

प्रेमिका के चक्कर में पति ने पत्नी को मार डाला

देवघर। रिखिया थाना क्षेत्र के लकड़ीगंज गांव में बुधवार को 22 वर्षीय जानकी देवी, पत्नी अजय कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि ससुरालवालों ने जानकी को जहर देकर मार डाला, जबकि उनके दामाद के किसी अन्य महिला के साथ संबंध होने की बात सामने आई है. जानकारी के अनुसार, घटना से एक दिन पहले जानकी को ससुराल में जहर दिया गया था, जिसके बाद उन्हें देवघर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. इलाज के दौरान बुधवार को उनकी मौत हो गई. मृतका की मां ने बताया कि दामाद ने पहले फोन कर सूचना दी कि जानकी ने जहर खा लिया है और बाद में उनका नंबर ब्लैकलिस्ट कर दिया. मौत की जानकारी मिलने के बाद मायके पक्ष ने अस्पताल पहुंचकर हंगामा किया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की. पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है और मामले की गहराई से जांच शुरू कर दी है.

पलामू : पुलिस और ग्रामीणों में हुई झड़प, 11 लोग हिरासत में

आधा दर्जन जवान घायल

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

रेवारातू में शुरू हुए स्टोन माइंस के उद्घाटन के दौरान हंगामा

पलामू के सतबरवा प्रखंड अंतर्गत लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के रेवारातू में बुधवार से शुरू हुए स्टोन माइंस के उदघाटन कार्यक्रम के दौरान जमकर हंगामा हुआ. बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पारंपरिक हथियारों से जवानों पर हमला कर दिया. घटना में आधा दर्जन पुलिसकर्मी जख्मी हो गए. दो पुलिस जवानों को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया है. अन्य का इलाज घटनास्थल पर किया गया. घटनास्थल से 11 ग्रामीणों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें आठ महिलाएं शामिल हैं. इस बीच पुलिस सुरक्षा में माइंस की गतिविधियों से जुडे कार्यों को शुरू करा दिया गया.

जानकारी के अनुसार बुधवार से माइंस क्षेत्र में खनन कार्य शुरू होना था. उदघाटन कार्यक्रम होना था. खनन कार्य को लेकर ग्रामीण लंबे समय से विरोध कर रहे थे. सुबह पहाड़ पर पहुंचने के क्रम में अचानक घात लगाए ग्रामीणों ने हमला कर दिया. सभी पारंपरिक हथियारों से लैस थे. इस क्रम में जैप-8 लेस्लीगंज के हवलदार महेन्द्र कुमार दुबे, अखिलेश कुमार, लेस्लीगंज थाना के एएसआई सचिदानंद शर्मा, सतरबवा के सुधीर सिंह सहित जख्मी हो गए. रोड़ेबाजी में भी उन्हें चोट आयी. हवलदार महेन्द्र कुमार दुबे और अखिलेश कुमार को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया है. मौके पर भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गयी है. माइंस क्षेत्र में पुलिस कैंप स्थापित किया गया है.मौके पर प्रशिक्षु आइएएस हिमांशु लाल, लेस्लीगंज के एसडीपीओ मनोज झा, प्रशिक्षु डीएसपी राजीव रंजन, राजेश यादव, लेस्लीगंज के थाना प्रभारी उतम कुमार राय मुख्य रूप से मौजूद थे. मजिस्ट्रेट के रूप में संजीत कुमार और राजन कुमार सिंह मौजूद थे. पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में उदघाटन कार्यक्रम हुआ. माइंस क्षेत्र में संपर्क मार्ग बनाया गया और अन्य कार्य हुए. खनन कार्य भी जल्द शुरू होने की संभावना है. इधर, ग्रामीणों के एक वर्ग ने माइंस से रोजगार और क्षेत्र में विकास होने की उम्मीद भी जतायी है. वहीं, विरोध कर रहे लोग आरोप लगा रहे हैं कि उनकी बात सुने बिना प्रशासन खनन कार्य आगे बढ़ा रहा है. मौके पर बताया गया कि रेवारातू क्षेत्र में श्री विनायक कंस्ट्रक्शन को वर्ष 2024 में माइंस लीज प्राप्त हुई थी. इस पर कुछ ग्रामीणों ने झारखंड उच्च न्यायालय में पीआईएल दायर की थी, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया. इसके बाद भी स्थानीय स्तर पर विरोध जारी है.

माइंस संचालक की ओर से कई दौर की बैठकों के बावजूद विवाद का हल नहीं निकल पाया है. इधर पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था में व्यवधान पैदा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. स्थिति फिलहाल नियंत्रण में बताई जा रही है.

पलामू में अवैध बालू लोड ट्रैक्टर के चक्के के नीचे गिरा मजदूर, मौत

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पलामू जिले के नावाजयपुर थाना क्षेत्र के चुरादोहर बाजार के समीप आम के पेड़ के नीचे मंगलवार रात अवैध बालू लोड ट्रैक्टर के अनियंत्रित होने से ऊपर बैठा एक मजदूर चक्के के नीचे गिरा गया, जिसमें दबकर उसकी मौत हो गई. घटना के बाद साक्ष्य छुपाने के लिए मजदूर के शव को पास के नाले में फेंक दिया गया. लोड बालू को दूसरी जगह अनलोड करा दिया गया. घटना की जानकारी मिलने पर रात में ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया और ट्रैक्टर को जब्त कर थाना ले गई. मामले को लेकर छानबीन शुरू कर दी है. मृतक मजदूर की पहचान इसी थाना क्षेत्र के कसवाखाड़ के अजय यादव (41) के रूप में हुई है. घटना के बाद से ट्रैक्टर का ड्राइवर अविनाश यादव और मालिक राजदेव यादव फरार हैं. मजदूर के परिजनों ने सरकार और गाड़ी मालिक से मुआवजा की मांग की है. जानकारी के अनुसार मंगलवार रात करीब नौ बजे मजदूर अजय यादव और चालक अविनाश यादव जिंजोई नदी से ट्रैक्टर से अवैध बालू का उठाव कर लौट रहे थे. चुरादोहर बाजार के समीप आम के पेड़ के नीचे रखी गई. लकड़ी पर चढ़कर ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया जिससे उस पर बैठा मजदूर अजय नीचे गिरते हुए पिछले चक्के के नीचे आ गया. इससे उसकी मौत हो गई. घटना के बाद साक्ष्य छुपाने के लिए मजदूर का शव पास के नाले में फेंक दिया गया. हालांकि घटना के तुरंत बाद इसकी जानकारी मजदूर के परिजन और ग्रामीणों को मिल गई. सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची और डेड बॉडी और ट्रैक्टर को कब्जे में लिया. पुलिस के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेज दिया गया है. ट्रैक्टर को जब्त किया गया है.

दामोदर नदी में नौ डूबे, एक शव मिला

शुभम संदेश। महुदा/बाघमारा

कार्तिक पूर्णिमा दामोदर नदी में नौ लोग डूब गए. एक शव बरामद किया गया है, अन्य की तलाश जारी है. ये कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए दामोदर नदी के घाट पर आए थे, जहां कम से कम 9 लोग तेज बहाव में डूब गए. पुलिस और गोताखोर बहे लोगों को खोजने में लगे हैं, लेकिन खबर लिखे जाने तक एक शव ही बरामद किया जा सका है.

जानकारी के अनुसार तेलमोच्चो पुल के नीचे स्थित भीमकनाली के पांच युवक दामोदर में स्नान करने आए थे. इस दौरान ये युवक तेज धार में बह गए. स्थानीय लोगों ने युवकों को बहता देख छलांग लगा दी. तथा तीन को बचाया. सुमित राय एवं सनी चौहान लापता हैं. दोनों की खोज जारी है. मौके पर पहुंचे महुदा थानेदार ने गोताखोरों की मांगी है, एनडीआरएफ की टीम भी बुलाई गई है. घटना के बाद भीमकनाली कॉलोनी में माहौल गमगीन है. परिजन डटे हुए हैं. और दोनों युवकों के सुरक्षित मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं. शाम को गोताखोरों ने एक का शव निकाला, ये शव विजय यादव का है, जिसकी पहचान उसके चाचा ने थाना मे आकर किया . मृतक भूली का था.

भूली के चार युवक भी लापता: इस बीच, भूली से तेलमोच्चो में दामोदर में स्नान करने आये चार युवक वापस अपने घर नहीं पहुंचे. चारो के परिजन उन्हें तलाश करते हुए दामोदर तट पहुंचे. लापता बच्चों के बारे में लोगों से पूछताछ की. लापता युवकों का नाम विजय यादव, अनीश यादव, रोहित,रोहन यादव है जो भूली पंचबटी नगर के हैं. उनलोगों की बाइक और फोन युवक प्रियांशु सिंह के पास रखा है, जो पहाड़ी मंदिर प्रांगण में बैठ कर इंतजार कर रहा था. प्रियांशु ने बताया कि हम पांच साथी दामोदर में स्नान करने आए थे. उन्होंने अपना कपड़ा मोबाइल व दोनों बाइक मुझे देखने बोले और स्नान करने चले गए. काफी देर तक इंतजार किया. शाम तक नहीं लौटा तो अपने घर फोन कर घटना की सूचना दी. घटना की सूचना पाकर चारों के स्वजन तेलमोच्चो पहुंच कर खोजबीन कर रहे हैं. घटना की सूचना महुदा पुलिस को दी गई. पुलिस ने पहुंच कर दोनों बाईक एवं मोबाइल को कब्जे में ले लिया और जांच पड़ताल कर रही है.

जीएसटी कम लेकिन राहत गायब! एफएमसीजी कंपनियों ने चालाकी से खेल बदल दिया

कंपनियों की नई चाल-वजन घटा दिया, दाम वही

शुभम संदेश डेस्क

जीएसटी घटने के बाद लोगों को सस्ते दामों की उम्मीद थी, लेकिन एफएमसीजी कंपनियों ने चालाकी से खेल बदल दिया है. सरसों तेल और रिफाइंड तेल पर जीएसटी तो कम हुआ, पर कंपनियों ने चुपके से पैक का वजन घटा दिया. पहले जहां एक लीटर की जगह 910 ग्राम तेल मिल रहा था, अब कई ब्रांड 750, 800, 805, 815 और 820 ग्राम के पैक बेच रहे हैं. यानी पैकिंग वही, कीमत लगभग वही, लेकिन तेल कम! लोगों को इसका अंदाज़ा भी नहीं लग पा रहा, क्योंकि कंपनियों ने एमआरपी इतनी ऊंची रखी है कि दाम में असली कटौती हुई या नहीं, समझना मुश्किल हो गया है. तेल तक ही बात सीमित नहीं है. जिन चीज़ों पर जीएसटी में कोई बदलाव नहीं हुआ, जैसे कपड़े धोने का साबुन और सर्फ उनके दाम भी चुपके से बढ़ा दिए गए हैं. एक ब्रांडेड साबुन अब 38 की जगह 39 रुपये में मिल रहा है. एक किलो सर्फ 74 से बढ़कर 76 रुपये और आधा किलो 38 से बढ़कर 39 रुपये का हो गया है. दूसरी कंपनी ने वॉश पाउडर का दाम 132 से बढ़ाकर 134 रुपये और आधे किलो का 66 से बढ़ाकर 67 रुपये कर दिया है. अब बिस्किट कंपनियां भी लोगों को उलझा रही हैं. एक कंपनी ने 4.50 का बिस्किट पैक बाजार में उतारा है. दुकानदार दो पीस 9 में देना चाहते हैं, जबकि कई ग्राहक एक ही पैक लेना चाहते हैं.

नतीजा, हर दिन दुकानों पर बकझक! दुकानदारों का कहना है, आखिर 4.5 रुपये का बिस्किट देकर 50 पैसा कहां से लौटाएं?

खुदरा व्यापारियों का कहना है कि कंपनियां धीरे-धीरे वजन घटाने और दाम बढ़ाने की रणनीति अपनाती हैं. जेसीपीडीए अध्यक्ष संजय अखौरी ने कहा कि सरकार को इस पर कड़ी नजर रखनी चाहिए. जिन चीजों पर जीएसटी में राहत मिली है, वहां वजन घटाना और जिन पर नहीं मिली, वहां दाम बढ़ाना, जनता के साथ धोखा है. तेल के पैक का वजन भी मानक होना चाहिए. कंपनियों की यह चालाकी लोगों की जेब पर चुपचाप असर डाल रही है. रसोई से लेकर वॉशिंग पाउडर तक सब कुछ धीरे-धीरे महंगा होता जा रहा है, और जनता को पता भी नहीं चल रहा कि "राहत" के नाम पर वो रोज थोड़ा-थोड़ा ठगी का शिकार बन रही है. कंपनियों की यह चाल वजन घटाना लेकिन दाम वही रखना आम लोगों के जीवन पर गहरा असर डाल रही है. पहले जितने पैसे में एक परिवार का एक हफ्ते का तेल या सर्फ चल जाता था, अब उतने में दो-तीन दिन ही चल पाता है. यानी बजट गड़बड़ा गया है. लोगों को लगता है कि चीजें महंगी नहीं हुईं, पर असल में उन्हें कम मात्रा में सामान मिल रहा है.

धीरे-धीरे हर महीने कुछ सौ रुपये का अतिरिक्त खर्च बढ़ जाता है, जिसका असर घर के बाकी खर्चों पर पड़ता है दूध, सब्ज़ी या बच्चों के स्कूल खर्च पर कटौती करनी पड़ रही है. सबसे बड़ी बात यह है कि जनता बिना जाने ठगी जा रही है. बोतल या पैकिंग पहले जैसी रहती है, इसलिए किसी को शक नहीं होता कि वजन कम है. लोग दाम देखकर खरीद लेते हैं, लेकिन असल में कंपनियां "राहत" के नाम पर दिखावा कर रही हैं. यह स्थिति सीधे तौर पर मिडिल क्लास और लोअर इनकम परिवारों को प्रभावित कर रही है, जिनका हर रुपया कीमती है. अगर यही जारी रहा, तो लोगों की खरीदने की-शक्ति घटेगी और रोजमर्रा की ज़िंदगी और महंगी होती जाएगी.

207 एएलएस एंबुलेंस खरीद को स्वीकृति

रांची । झारखंड सरकार ने राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रेफरल स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 207 एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस की खरीद को मंजूरी दे दी है. इस योजना पर कुल 1 अरब 3 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे. स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी किया है. अजय कुमार सिंह ने बताया कि है कि प्रत्येक एम्बुलेंस की अनुमानित लागत 50 लाख रुपये होगी. एम्बुलेंसों की खरीद झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट प्रोक्यूरमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा झारखंड प्रोक्योरमेंट ऑफ गुड्स एंड सर्विसेज मैनुअल 2024 के तहत न्यूनतम निविदा प्रणाली से की जाएगी. वर्तमान में राज्य में कुल 440 एम्बुलेंस 108 आपातकालीन सेवा के तहत संचालित हो रही हैं.

पीवीयूएनएल की यूनिट नंबर 1 ने की संचालन की घोषणा

शुभम संदेश। रामगढ़

पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने बुधवार को अपनी यूनिट नंबर 1 के लिए वाणिज्यिक संचालन तिथि की सफल घोषणा की है. यह उपलब्धि झारखंड राज्य की बिजली व्यवस्था को मजबूत करने और देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. यह यूनिट आधुनिक तकनीक से सुसज्जित है. इसमें अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल पैरामीटर से उच्च दक्षता, एयर कूल कंडेंसर से कम पानी की खपत और 100 प्रतिशत ड्राई ऐश तकनीक से राख का पूरा उपयोग सुनिश्चित किया गया है. यूनिट ने सभी जरूरी परीक्षण और स्थिरीकरण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की है. जिससे इसकी विश्वसनीयता और कार्यक्षमता सिद्ध हुई है. इस अवसर पर पीवीयूएनएल के सीईओ एके सहगल, सीजीएम प्रोजेक्ट अनुपम मुखर्जी, जीएम संचालन मनीष क्षेत्रपाल, जीएम तकनीकी सेवाएं संगीता दाश, जीएम अनुरक्षण ओपी. सोलंकी, जीएम प्रोजेक्ट विष्णु दत्ता दास और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे. इस सफलता के पीछे पीवीयूएनएल की टीम की मेहनत, लगन और समर्पण रहा है. पीवीयूएनएल का लक्ष्य है कि यूनिट को सुरक्षित और टिकाऊ तरीके से उच्च प्रदर्शन पर चलाया जाए ताकि राज्य और देश को स्थिर और भरोसेमंद बिजली मिलती रहे.

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली

शुभम संदेश। रांची

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाई गई. इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों, झालरों और दीपों से सजाया गया था. सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ दर्शन एवं पूजन के लिए उमड़ पड़ी. "राधे कृष्ण" के जयघोष और भक्ति संगीत की मधुर ध्वनियों से भक्ति का अद्भुत माहौल बना रहा. शाम को श्री राधा कृष्ण का अलौकिक शृंगार किया गया, जिसमें पुष्प, वस्त्र और आभूषणों से भगवान का मनोहारी स्वरूप सजाया गया. संध्या आरती से पूर्व 101 घी के दीपक प्रज्वलित किए गए, जिससे पूरा मंदिर परिसर दीपमालाओं की उज्ज्वल आभा से आलोकित हो उठा. मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद पांडे ने विधिवत पूजा-अर्चना, भोग अर्पण और आरती संपन्न कराई. भगवान को खीर, पूड़ी, लड्डू, पंचामृत और फल-मिष्ठान का भोग लगाया गया. तत्पश्चात भजन- कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें भक्तजन "हरे कृष्ण, राधे श्याम" जैसे भजनों पर झूम उठे. इसके बाद सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया.

ट्रस्ट द्वारा संचालित गौशाला में भी विशेष गौ सेवा का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने गौमाताओं को चारा खिलाकर पुण्य अर्जित किया. इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा का पर्व भक्ति, दान और सेवा का प्रतीक है. वहीं ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने कहा कि देव दीपावली भगवान की अनुकंपा का पर्व है, जो धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है.कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य, सेवादार और बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे. यह जानकारी श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी.

बिहार से रांची लाकर खपाई जा रही ब्राउन शुगर

महिला सहित गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार 28 लाख रुपए कीमत की ब्राउन शुगर जब्त

शुभम संदेश। रांची

रांची पुलिस ने एक बड़े ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है और करीब 28 लाख रुपए कीमत की ब्राउन शुगर जब्त की है. इस कार्रवाई से शहर में नशे के अवैध कारोबार पर बड़ी चोट लगी है. एसएसपी राकेश रंजन को सूचना मिली थी कि कुछ लोग बिहार के सासाराम से ब्राउन शुगर लेकर रांची आ रहे हैं और रातू रोड स्थित न्यू मार्केट चौक के पास अपने सहयोगियों को इसकी सप्लाई करेंगे.

सूचना के आधार पर के कोतवाली के डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया. टीम ने न्यू मार्केट चौक के टेंपो स्टैंड के पीछे गुप्त रूप से निगरानी शुरू की. मंगलवार की रात करीब 10:15 बजे, एक महिला टेंपो स्टैंड के पास खड़ी हुई. कुछ देर बाद उसके आसपास तीन-चार लोग दिखाई दिए. पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की, लेकिन देखकर वे लोग भागने लगे. पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य लोग फरार हो गए.

गिरफ्तार महिला की पहचान सेजल उर्फ साहिस्ता प्रवीण उर्फ सेजल गुप्ता के रूप में हुई. तलाशी में उसके पास से कुल 92.46 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई. पूछताछ में सेजल ने पुलिस को बताया कि वह यह ब्राउन शुगर सासाराम के बबन साह उर्फ मौसा जी और सूरज कुमार से लेकर आ रही थी. उसने यह भी खुलासा किया कि उसका पूरा परिवार इस अवैध कारोबार में शामिल है.

सेजल ने पुलिस को अपने किराए के घर, एदलहातू, बरियातू में छुपा रखी ब्राउन शुगर के बारे में भी जानकारी दी. पुलिस ने तुरंत उसके घर पर छापेमारी की और वहां से 10.24 ग्राम ब्राउन शुगर और 2.65 लाख रुपए नकद जब्त किए.पूछताछ में सेजल ने बताया कि उसका पिता, मो सरवर, घर में ब्राउन शुगर का कारोबार करता है. इसके बाद पुलिस ने मो. सरवर को भी गिरफ्तार किया. साथ ही सेजल ने अपनी बहन मुस्कान उर्फ सागुफ्ता प्रवीण और जीजा मो. राजू के बारे में जानकारी दी, जो रांची के रातू स्थित अलकमर कॉलोनी में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते थे.

पुलिस ने मुस्कान और मो. राजू के घर भी छापेमारी की. इस दौरान उनके पास से कुल 36.85 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई. इसके बाद मुस्कान और मो. राजू को भी गिरफ्तार कर लिया गया.गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि वे बिहार के सासाराम से ब्राउन शुगर लाकर रांची के हिंदपीढ़ी, सुखदेवनगर, कोतवाली और मोरहाबादी क्षेत्रों में ऊंचे दामों पर बेचते थे. पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई में कुल चार सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं और लगभग 28 लाख रुपये मूल्य की ब्राउन शुगर जब्त की गई है.

एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि यह कार्रवाई नशे के अवैध कारोबार को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे इस तरह के अवैध नशे के कारोबार की जानकारी पुलिस को दें, ताकि शहर को नशे मुक्त बनाया जा सके.

रांची पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रांची में 2 सगी बहनों के गैंग का भंडाफोड़ : पिता और पति भी शामिल

रांची। रांची पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सगी बहनों, उनके पिता और पति को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उनके पास से 140 ग्राम ब्राउन शुगर (करीब 28 लाख रुपये मूल्य) और 2.76 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं.पुलिस को सोमवार रात गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग बिहार के सासाराम से ब्राउन शुगर लेकर रांची आने वाले हैं और न्यू मार्केट चौक, रातू रोड के पास अपने सहयोगियों को इसकी सप्लाई करेंगे. सूचना के आधार पर नगर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी की अगुवाई में एक विशेष जांच टीम बनाई गई थी.

मेसरा में ब्राउन शुगर की बड़ी खेप बरामद, तीन गिरफ्तार

रांची। राजधानी में नशे के कारोबार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मेसरा ओपी क्षेत्र के काजू बगान स्थित पावर स्टेशन के पास सोमवार देर रात छापेमारी कर ब्राउन शुगर की अवैध खरीद-बिक्री के धंधे का खुलासा किया. इस दौरान तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. गुप्त सूचना के आधार पर मेसरा ओपी प्रभारी के नेतृत्व में बनी टीम ने रात करीब 10 बजे काजू बगान के पास एक टीन शेड वाले कमरे को घेर लिया. वहां मौजूद तीन लोगों को पकड़ा गया, जो ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे थे. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राकेश कुमार सिंह (42 वर्ष), पीतांबर महतो (27 वर्ष) और एतेशाम उर्फ सोनू (25 वर्ष) के रूप में हुई है. पुलिस ने मौके से कुल 12.13 ग्राम ब्राउन शुगर, 3,900 रुपये नगद, पांच मोबाइल फोन और एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया है. पुलिस के अनुसार, ये लोग लंबे समय से इलाके में ब्राउन शुगर की तस्करी में शामिल थे.मेसरा ओपी प्रभारी के आवेदन पर सदर (मेसरा) थाना कांड संख्या-535/2025 दर्ज किया गया है. आरोपियों के खिलाफ धारा 111(3) बीएनएस तथा 21(बी)/22/25/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद नशे के इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की भी तलाश की जा रही है.

एक नजर

देश-विदेश में प्रसिद्ध लाइफस्टाइल एग्जीबिशन 'जलसा' का आयोजन कल रांची के रेडिसन ब्लू में

रांची। देश-विदेश में प्रसिद्ध लाइफस्टाइल एग्जीबिशन 'जलसा' अब अपने चौथे संस्करण के साथ रांची में दस्तक देने जा रहा है. जलसा का आयोजन 7 नवंबर को होटल रेडिसन ब्लू में सुबह 10.30 बजे से देर शाम तक किया जाएगा, जहां फैशन, कला, और ग्लैमर का संगम देखने को मिलेगा. 'जलसा' ब्रांड की शुरुआत वर्ष 2007 में हुई थी, जिसकी प्रेरणा और संस्थापक टिम्सी आनंद हैं. वर्षों से यह एग्जीबिशन देश के विभिन्न शहरों में आयोजित होकर हजारों घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों को एक मंच पर जोड़ता आ रहा है. जलसा का मुख्य उद्देश्य उभरते हुए लाइफस्टाइल डिजाइनर्स और कलाकारों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है. यह फैशन और डिजाइन का उत्सव का भी प्रतीक बन चुका है.इस बार रांची में 'जलसा' को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है. इस एग्जीबिशन को रांची में प्रस्तुत करने का श्रेय जाता है टिम्सी आनंद और रांची की प्रसिद्ध समाजसेवी एवं स्टाइल आइकॉन रेशमा साहू को. दोनों महिलाओं का उद्देश्य स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर के डिजाइनर्स को एक ऐसा मंच देना है, जहां वे अपने टैलेंट और क्रिएटिविटी को बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचा सकें. रेशमा साहू, जो लंबे समय से रांची में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों से जुड़ी रही हैं, चाहती थीं कि रांची के लोग एक ही स्थान पर अपने लाइफस्टाइल, फैशन, वेडिंग आउटफिट्स, ज्वेलरी और डेकोर की सभी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें और ₹जलसा₹ इसी सोच का परिणाम है. इस एग्जीबिशन में भारत के कई प्रसिद्ध डिज़ाइनर और लाइफस्टाइल ब्रांड्स अपने प्रोडक्ट्स को प्रदर्शित करेंगे. फैशन से लेकर ज्वेलरी, होम डेकोर से लेकर हैंडक्राफ्टेड एक्सेसरीज़ तक, यहाँ हर वर्ग के लोगों के लिए कुछ खास देखने और खरीदने को मिलेगा.

आश्रम की माताओं के बीच कंबल व नाश्ते का वितरण कर मनाया कार्तिक पूर्णिमा महोत्सव

रांची। कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली के शुभ अवसर पर तिगरा नावा टोली गुरू रातू स्थित रामवती शिप्रा वृद्धा आश्रम की माताओं के बीच कमड़े निवासी समाजसेविका आरती बागची ने कंबल व नाश्ते का वितरण कर ईश्वर से उनके स्वास्थ्य लाभ एवं लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की. मौके पर विशिष्ठ अतिथि के तौर पर छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा मौजूद थे. पर आरती बागची ने कहा एक ओर ऐसे कार्यक्रम से मन को सुकून मिलता है, वहीं आश्रम की माताओं को पारिवारिक स्नेह भी मिलता है. शिव किशोर शर्मा ने कहा वृद्धों, जरूरतमंदों की सेवा करना भी एक धर्म है. कार्यक्रम को सफल बनाने में से आरती बागची, ऋषभ कुमार, युग कुमार, अनुष्का कुमारी सहित आश्रम के संरक्षक दशरथ महली, प्रबंधक पूनम कुमारी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

बिजली बोर्ड से अलग हुई चार कंपनियों के पेशनधारियों को नहीं मिली पेंशन, परेशानी बढ़ी

रांची। झारखंड में बिजली बोर्ड से अलग हुई चार कंपनियों, झारखंड ऊर्जा विकास निगम, झारखंड बिजली वितरण निगम, झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड और झारखंड उत्पादन निगम लिमिटेड के लगभग 4,500 पेंशनधारियों को अब तक पेंशन नहीं मिल पाई है. छठ और दीवाली गुजर जाने के बाद भी पेंशनधारी अपनी पेंशन की प्रतीक्षा में हैं. यह देरी ऊर्जा सचिव की पदस्थापना न होने के कारण हो रही है. पेंशन राशि जारी होने के लिए ऊर्जा सचिव का अनुमोदन आवश्यक है.एक अक्टूबर से ऊर्जा सचिव, झारखंड ऊर्जा विकास निगम के सीएमडी और झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के एमडी के पद रिक्त हैं. पहले ये पद वर्तमान मुख्य सचिव अविनाश कुमार के अधीन थे. अविनाश कुमार के मुख्य सचिव बनाए जाने के बाद से यह पद खाली है, जिससे विभाग की व्यवस्थाओं और निर्णय प्रक्रियाओं पर प्रत्यक्ष असर पड़ा है. ऐसे में विभाग और बिजली कंपनियों में केवल रूटीन काम ही हो पा रहे हैं. नीतिगत फैसलों में देरी के कारण बोर्ड मीटिंग नहीं हो पा रही है. एनटीपीसी, डीवीसी और अन्य बिजली उत्पादन कंपनियों को भी भुगतान नहीं मिल पा रहा है. साथ ही कई जिलों में बिजली आपूर्ति की शिकायतें बढ़ी हैं. उपभोक्ता सेवाओं से जुड़ी परियोजनाओं जैसे स्मार्ट मीटरिंग, ग्रामीण विद्युतीकरण और लाइन लॉस नियंत्रण की गति भी धीमी हो गई है.

झारखंड तेलघानी विकास बोर्ड के गठन की मांग को लेकर आज राजभवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन

रांची। झारखंड तैलिक साहू सभा ने प्रदेश में तेल घानी बोर्ड के गठन की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने की घोषणा की है. उन्होंने इस कदम को किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण बताया है. झारखंड तैलिक साहू सभा के रांची जिलाध्यक्ष कुमार रौशन साहू ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ राजस्थान और बिहार जैसे राज्यों में पहले से तेलघानी बोर्ड का गठन हो चुका है. इन राज्यों में खाद्य तेलों की पैदावार में वृद्धि और उससे जुड़े उद्योगों के विकास से किसानों और उद्यमियों को लाभ हुआ है. गुरुवार को अपनी मांगों को लेकर सभा ने राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन करने की घोषणा भी की. मीडिया से बातचीत करते हुए सभा के नेताओं ने कहा कि यह बोर्ड किसानों और उद्योगपतियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगा, जिससे तिलहनों की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार होगा. प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे अन्य राज्यों की तर्ज पर झारखंड में भी तेलघानी बोर्ड के गठन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करें. प्रदेश महासचिव मदन कुमार ने कहा इससे न केवल किसानों की समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि प्रदेश का तेली समाज और अन्य संबंधित वर्ग भी लाभान्वित होंगे. प्रदेश युवा अध्यक्ष दिलीप साहू ने तेलघानी बोर्ड का गठन झारखंड में कृषि और औद्योगिक विकास के लिए एक सकारात्मक कदम साबित हो सकता है.

11 नवंबर को राजभवन के समक्ष 'झारखंड उलगुलान संघ' और 'आदिवासी बचाओ मोर्चा' का महाधरना

शुभम संदेश। रांची

'झारखंड उलगुलान संघ' और 'आदिवासी बचाओ मोर्चा' की ओर से आगामी 11 नवंबर को राजभवन के समक्ष एक दिवसीय महाधरना आयोजित किया जाएगा. बुधवार को राजधानी रांची के करमटोली स्थित धुमकुड़िया भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इस कार्यक्रम की जानकारी दी गई. 'झारखंड उलगुलान संघ' के अध्यक्ष अलेयस्टर बोदरा तथा 'आदिवासी बचाओ मोर्चा' के पदाधिकारी लक्ष्मीनारायण मुंडा, प्रेमशाही मुंडा, जॉन जुरसेन गुड़िया और मसीह दास गुड़िया ने संयुक्त रूप से कहा कि यह महाधरना आदिवासियों के संवैधानिक प्रावधानों, विशेष कानूनी अधिकारों और न्यायिक निर्णयों की उपेक्षा के खिलाफ किया जाएगा. कार्यक्रम की अगुवाई झारखंड उलगुलान संघ करेगा, जिसमें विभिन्न आदिवासी संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य शामिल होंगे.

पदाधिकारियों ने कहा कि सीएनटी और एसपीटी एक्ट, विलकिंसन रूल्स, पेसा कानून और वनाधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अब तक राज्यपाल की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई, जो आदिवासी समुदाय के साथ अन्याय है. उन्होंने कहा कि जनजातीय सलाहकार परिषद (टीएसी) का एजेंडा संविधान के अनुसार राज्यपाल को तय करना चाहिए, परंतु वर्तमान में राज्य सरकार ही टीएसी का एजेंडा तय कर रही है, जिससे आदिवासी मुद्दों का समाधान बाधित हो रहा है.

संघ और मोर्चा के प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि पेसा कानून की नियमावली अब तक नहीं बनाई गई है, जबकि इस दिशा में राज्यपाल को हस्तक्षेप करना चाहिए था. उन्होंने भूमि बैंक नीति, भूमि पूल नीति और नगर निकायों के विस्तारीकरण की योजनाओं को आदिवासी भूमि और सामुदायिक अधिकारों पर हमले के रूप में बताया.

रनिया के थाना प्रभारी पर हमला करने के छह आरोपी गिरफ्तार

जेल भेजने से पूर्व खूंटी पुलिस ने आरोपियों को कान पकड़ कर सरेआम बाजार में घुमाया

शुभम संदेश। रांची/खूंटी

खूंटी पुलिस ने रनिया थानेदार पर हुए जानलेवा हमले और पुलिस जवान से हथियार छीनने के प्रयास के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों, जिनमें एक महिला भी शामिल है, को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को पूरे रनिया बाजार में घुमाया, जहां उन्हें देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी. जेल भेजे जाने से पूर्व स्थानीय पुलिस कार्यालय के सभागार में पुलिस ने आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया. पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कटफरा (लकड़ी का मोटा टुकड़ा), खून से सना पत्थर, शराब की बोतलों के टुकड़े, और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद कर जब्त किए हैं.

जेल भेजे गए आरोपी: गिरफ्तार आरोपियों में गुमला जिले के बसिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ममरला टेंगरा गांव निवासी सुखदेव झोरा उर्फ भोको (20), रनिया के जापुद झोराटोली निवासी सेनेतर भेंगरा उर्फ सोनू (24), बड़काटोली डिगरी निवासी जगतपाल सिंह उर्फ चौठा सिंह (45), मेलानियुस होरो (32), केराटोली डिगरी निवासी मार्शल कोंगाड़ी (66) और कनकलोया बरटोली निवासी महिला पूनम भेंगरा (42) शामिल हैं.

अंचलाधिकारी के आवेदन पर दर्ज हुई थी प्राथमिकी : अभियुक्तों के खिलाफ रनिया थाना में दो नवंबर को ही अंचलाधिकारी प्रशांत डांग के आवेदन पर कांड संख्या 33/25 दर्ज किया गया है. इस मामले में बीएनएस 2023 की धारा 191(2), 191(3), 190, 126(2), 127(2), 115(2), 109, 132 और 352 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. मामले की जांच की जिम्मेदारी सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार सिंह को सौंपी गई है. एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तोरपा के एसडीपीओ ख्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में तीन थानों के पुलिस पदाधिकारियों को मिलाकर एक टीम गठित की गई. टीम में डीएसपी रामप्रवेश कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, तोरपा थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेंब्रम, तपकरा थाना प्रभारी, सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार सिंह, टिनू कुमार, अमरजीत सिंकू, श्यामल कुम्भकार, सहायक अवर निरीक्षक डोमन टुडू तथा रनिया और तोरपा थानों के सशस्त्र बल जवान शामिल थे.

प्राइम गुरुकुल ने शुरू किया नीट और जेईई के लिए रेगुलर क्लासरूम प्रोग्राम

शुभम संदेश। रांची

प्राइप ग्रुप के अंतर्गत संचालित प्राइम गुरुकुल ने बुधवार को नीट और जेईई तैयारी के लिए रेगुलर क्लासरूप प्रोग्राम की शुरुआत की है. यह संस्थान लालपुर, रांची में है. संस्थान की निदेशक डॉ. नूतन मंडल ने बताया कि "प्राइम गुरुकुल, प्राइम ग्रुप का एक यूनिट है, जहां हमारा प्रयास रहेगा कि न्यूनतम खर्च में मिडिल क्लास और लोअर मिडिल क्लास परिवारों के बच्चों के डॉक्टर और इंजीनियर बनने के सपनों को पंख दिए जा सकें. प्राइम ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. एसएन मंडल ने कहा कि समूह पिछले 15 वर्षों से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है. अब प्राइम गुरुकुल के माध्यम से झारखंड एवं बिहार के विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय तैयारी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा. संस्थान में नामांकन अब शुरू हो चुके हैं, जहां जूनियर विंग मेंकक्षा 8, 9 और 10, फाउंडेशन बैच में कक्षा 11 और 12 और टार्गेट बैच में 12वीं पास छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जा रहा है.

स्कालरशिप टेस्ट 23 नवंबर को लालपुर सेंटर में : संस्थान द्वारा स्कालरशिप टेस्ट का आयोजन रविवार 23 नवंबर को प्राइम गुरुकुल, लालपुर, रांची सेंटर में किया जाएगा. छात्र प्राइम टैलेंट खोज 2026 स्कालरशिप टेस्ट के माध्यम से ट्यूशन फीस पर 90% तक की स्कॉलरशिप प्राप्त कर सकते हैं. इस वर्ष कुल तीन करोड़ रुपए की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी, जिसमें स्कूल टॉपर को स्मार्ट वॉच, डिस्ट्रिक्ट टॉपर को स्टडी टैबलेट, स्टेट टॉपरका साईकिल प्रदान की जाएगी.

रघुवर दास ने भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के पक्ष में किया रोड शो

रांची। घाटशिला उपचुनाव में बुधवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के समर्थन में भव्य रोड शो किया. रोड शो जादूगोड़ा स्थित सिदो-कान्हो चौक से नवरंग मार्केट बजार तक व माटीगोड़ा बजरंगबली मंदिर से अटल गेट पहुंचकर संपन्न हुई. वहीं, उन्होंने राज स्टेट मैदान, घाटशिला से रामकृष्ण मठ तक भी रोड शो निकाला. इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास एवं भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन मौजूद रहे. वहीं, रोड शो में जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही, विधायक अमित यादव भी मुख्यरूप से मौजूद रहे। रोड शो में आमजनों का भरपूर समर्थन और उत्साह देखने को मिला.

पाटन में आधी रात अवैध बालू लदा ट्रैक्टर पकड़ा

पाटन/पलामू । पाटन थाना क्षेत्र में रात्रि करीब 11.30 बजे जिला खनन विभाग की टीम ने सिरमा में छापेमारी कर अवैध बालू लदा एक ट्रैक्टर जब्त किया. खनन इंस्पेक्टर हरेंद्र कुमार और शुभम कुमार ने ट्रैक्टर को पाटन थाना के हवाले कर अग्रिम कार्रवाई के लिए उपायुक्त पलामू के न्यायालय में अपील की. डीएमओ संतोष कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर यह कार्रवाई की गई. बालू लदा ट्रैक्टर कारीहार निवासी विपुल पांडेय का है. अधिकारियों ने अवैध बालू खनन और परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने का भी आश्वासन दिया.

हुसैनाबाद नगर पंचायत में सोलर हाईमास्ट लाइट योजना पर उठा विवाद, ग्रामीणों की मांग

सोलर लाइट की स्थापना स्वीकृत स्थलों पर ही हो

शुभम संदेश । हुसैनाबाद (पलामू)

नगर पंचायत हुसैनाबाद में झारखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (जेरेडा) द्वारा कराए जा रहे सोलर हाईमास्ट लाइट अधिष्ठापन कार्य में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं. वार्ड संख्या 12 और 15 की निवर्तमान वार्ड पार्षदों, उमा देवी और यासमीन खातून ने नगर पंचायत प्रशासन से इस मामले की जांच की मांग की है. दोनों पार्षदों ने अलग-अलग पत्रों के माध्यम से आरोप लगाया कि सोलर हाईमास्ट लाइट लगाने के लिए पहले से वार्ड स्तर पर स्थलों का चयन आमसभा की सहमति से किया गया था. इसके बावजूद संवेदक (कॉन्ट्रैक्टर) ने स्वीकृत स्थलों को बदलकर अपनी मर्जी से अन्य स्थानों पर लाइट स्थापित कर दी. इस मनमानी से स्थानीय नागरिकों में नाराजगी व्याप्त है. वार्ड संख्या 12 की पूर्व पार्षद उमा देवी ने बताया कि उनके वार्ड में वीर कुंवर मंदिर चौराहा पर हाईमास्ट लाइट लगाने का प्रस्ताव था, जबकि वार्ड संख्या 15 की पूर्व पार्षद यासमीन खातून ने कहा कि उनके वार्ड में सक्सेस पब्लिक स्कूल चौराहा, मोहम्मदाबाद को चयनित किया गया था. लेकिन संवेदक ने बिना अनुमति लाइट को अन्य स्थानों पर स्थापित कर दिया.

दोनों जनप्रतिनिधियों का कहना है कि जब उन्होंने संवेदक से इस संबंध में सवाल किया, तो उसने असंवेदनशीलता दिखाते हुए कहा—"जहां चाहूं, वहीं लाइट लगाऊंगा." यह कथन न केवल स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अनदेखी है, बल्कि शासन-प्रशासन की स्वीकृत प्रक्रिया का खुला उल्लंघन भी है.

उमा देवी और यासमीन खातून ने इस मामले की प्रतिलिपि उपायुक्त पलामू और अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद को भेजी है तथा तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने कहा कि यदि दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो जनप्रतिनिधि और नागरिक संयुक्त रूप से आंदोलन करेंगे. स्थानीय नागरिकों ने भी इस प्रकरण को गंभीर बताते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए. उनका कहना है कि जब जनता के सुझाव और अनुमोदन के बिना संवेदक अपनी मर्जी से कार्य करेगा, तो योजनाओं का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा. लोगों ने जेरेडा और नगर प्रशासन से मांग की है कि सोलर हाईमास्ट लाइट की स्थापना केवल स्वीकृत स्थलों पर ही की जाए, ताकि इसका लाभ वास्तव में जरूरतमंद और सार्वजनिक स्थलों को मिल सके. साथ ही दोषी संवेदक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएँ. हुसैनाबाद नगर में यह मुद्दा अब जनचर्चा का विषय बन गया है और नागरिकों की निगाहें जिला प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं.

एक नजर

बालूमाथः उच्च विद्यालय की छात्राओं से छेड़छाड़ का प्रयास, सुरक्षा के लिए थाना में आवेदन

बालूमाथ (लातेहार) । बालूमाथ प्रखंड के प्रोजेक्ट इंदिरा गांधी मेमोरियल बालिका उच्च विद्यालय की छात्राओं के साथ छेड़छाड़ का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है. विद्यालय के प्रधानाचार्य चंदन कुमार ने बालूमाथ थाना में लिखित आवेदन देकर सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है. घटना सोमवार को तब हुई जब स्कूल की छुट्टी के बाद छात्राएं घर लौट रही थीं. इस दौरान स्कूल के बाहर एक काली कार रुकी और उसमें सवार लोग छात्राओं को रोककर उनसे मोबाइल नंबर मांगने लगे. छात्राओं के विरोध करने पर अपराधियों ने गाली-गलौज की और भाग निकले. घटना की जानकारी छात्राओं ने शिक्षकों को दी, जिसके बाद प्रधानाचार्य ने मामला थाना में दर्ज कराया. ज्ञात हो कि विद्यालय के करीब 200 मीटर की दूरी पर अंग्रेजी शराब की दुकान है, जहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है. स्थानीय लोगों ने उपायुक्त से इस दुकान को दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग की है. विद्यालय परिसर में बालिका आवासीय विद्यालय बारियातू भी संचालित है. बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो चुका है और मामले की जांच की जा रही है. आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है. जो भी अपराध में शामिल पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

टाइगर रिजर्व : बेतला वन में नर हाथी का शव बरामद

बरवाडीह (लातेहार) । पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) के बेतला वन क्षेत्र के बुचिदारी इलाके में बुधवार सुबह एक 21 वर्षीय नर हाथी मृत अवस्था में पाया गया. घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव की जांच शुरू की. पीटीआर के उप निदेशक प्रजेश जेना ने बताया कि मृत हाथी की उम्र लगभग 21 वर्ष है. उन्होंने कहा कि मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है. प्रारंभिक निरीक्षण में हाथी के शरीर पर किसी बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं, जिससे मौत हाथियों के आपसी संघर्ष का परिणाम हो सकती है. वन विभाग ने पुष्टि की कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा. पोस्टमार्टम के लिए डॉ. हरिहर प्रसाद, डॉ. सुरेश कुमार और मीरा कुमारी की टीम घटना स्थल पर पहुंच चुकी है.

गारु में कुष्ठ रोग उन्मूलन को लेकर एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण शिविर

गारू (लातेहार) । रेफरल अस्पताल गारू में बुधवार को कुष्ठ रोग उन्मूलन को लेकर एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में सहिया, एएनएम, एमपीडब्ल्यू समेत कई स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया. शिविर में प्रतिभागियों को कुष्ठ रोग के लक्षण, पहचान, उपचार और समय पर इलाज के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई. विशेषज्ञों ने बताया कि समय पर पहचान और नियमित दवा लेने से रोग का पूर्ण उपचार संभव है. मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कुष्ठ रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना, प्रारंभिक अवस्था में रोग की पहचान को प्रोत्साहित करना और स्वास्थ्यकर्मियों को समुदाय स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए प्रशिक्षित करना था. मौके पर रेफरल अस्पताल गारू के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. जुबैर अहमद, जिला के आशीष पाठक, वेद प्रकाश, उदय सरण, सुधीर कुमार और संजीव कुमार दुबे उपस्थित रहे. डॉ. जुबैर अहमद ने कहा कि कुष्ठ रोग पूरी तरह इलाज योग्य है, बस जरूरत है समय पर पहचान और जागरूकता की. समाज को इस रोग से जुड़ी गलत धारणाओं को दूर करना चाहिए.

कार्तिक पूर्णिमा पर शिव मंदिर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन संपन्न, श्रद्धालुओं में दिखी भक्ति की लहर

लातेहार । कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बिजली ऑफिस परिसर स्थित शिव मंदिर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन आयोजित किया गया. यह भक्तिमय कार्यक्रम मंगलवार दोपहर 12:30 बजे से प्रारंभ होकर बुधवार दोपहर 12:30 बजे तक लगातार चलता रहा. कार्यक्रम में पूरे मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और भजन-कीर्तन की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा. क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल हुए और भगवान शिव की आराधना करते हुए भक्ति भाव से कीर्तन में भाग लिया. श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से कीर्तन किया, जिससे पूरा परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया. अखंड कीर्तन के समापन पर भोग एवं आरती का आयोजन किया गया, जिसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया. मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन समाज में भक्ति, एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के लिए किया गया.

अंतरविद्यालयीन बैंड प्रतियोगिता में ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

मेदिनीनगर । ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने अन्तरविद्यालयीन बैंड प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया. प्रतियोगिता में पाईप और ब्रासबैंड के अलग-अलग वर्गों में बालक और बालिका वर्ग की सर्वश्रेष्ठ टीमों का चयन किया गया, जिन्हें राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भेजा जाएगा. स्थानीय जिला स्कूल में आयोजित इस प्रतियोगिता में ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल का दल नामांकित हुआ और प्रथम दौर में ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बालक वर्ग में प्रथम तथा सभी दलों में तृतीय स्थान प्राप्त किया. विद्यालय के प्राचार्य आर. प्रसाद ने टीम को हार्दिक बधाई दी और बैंड शिक्षिका लिली मॉग्रेट को उनके प्रयासों के लिए विशेष शुभकामनाएँ दी.

चैनपुर पार्क में लगेगी स्वर कोकिला शारदा सिन्हा की प्रतिमा : प्रथम महापौर अरुणा शंकर

मेदिनीनगर । पद्म भूषण स्वर कोकिला शारदा सिन्हा की पुण्यतिथि पर प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने उन्हें याद करते हुए कहा कि उनकी आवाज आज भी छठ पर्व में गूंजती है. शारदा सिन्हा का जन्म सुपौल जिले के उल्लास गांव में हुआ था और उन्हें बिहार कोकिला के नाम से जाना जाता है. उन्होंने लोक एवं शास्त्रीय गायिकी में अपार योगदान दिया और उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण एवं राष्ट्रीय अहिल्या देवी अवार्ड से सम्मानित किया गया. अरुणा शंकर ने बताया कि शारदा सिन्हा का अंतिम गीत मुंबई के अस्पताल में गाया गया था, जो आज भी श्रद्धालुओं के बीच अमर है. यदि उन्हें पुनः महापौर बनने का अवसर मिला, तो चैनपुर सूर्य मंदिर पार्क, जो छठ के लिए प्रसिद्ध है, में उनकी प्रतिमा लगवाई जाएगी.

संत मरियम में गुरुनानक देवजी की जयंती मनी

मेदिनीनगर । संत मरियम स्कूल में सिखों के प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई. कार्यक्रम में प्राचार्य कुमार आदर्श, शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने गुरु नानक देव जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया. पूरे विद्यालय परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा. प्राचार्य ने गुरु नानक देव जी के जीवन और संदेश पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका संदेश एकता, सेवा और सहिष्णुता आज भी प्रासंगिक है. उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे गुरु नानक देव जी के विचारों को अपने जीवन में अपनाएँ और समाज के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएँ. लातेहार आजसू पार्टी 13 नवंबर को जिले में धरना प्रदर्शन आयोजित करेगी.

बालूमाथ के कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों को आईपीएम तकनीक की जानकारी दी गई

बालूमाथ (लातेहार) । केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र (सीआईपीएमसी) रांची द्वारा बालूमाथ स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में दो दिवसीय खरीफ प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. राजीव कुमार, सीआईपीएमसी रांची कार्यालय प्रमुख एवं वनस्पति संरक्षण अधिकारी अशोक कुमार एचपी, और पौध संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. गोपाल कृष्ण ने संयुक्त रूप से किया. प्रशिक्षण के पहले दिन किसानों को एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन (आईपीएम) की आधुनिक तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई. विशेषज्ञों ने बीजोपचार, व्यावहारिक, यांत्रिक, जैविक विधियों, रसायन चयन के मानक और रासायनिक उपचार के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में चर्चा की. किसानों को कीट प्रबंधन में एनपीएसएस मोबाइल ऐप के प्रयोग और उपयोगिता के बारे में भी मार्गदर्शन दिया गया. कार्यक्रम में सीआईपीएमसी रांची की सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी सुनीता लकड़ा, प्यारी संगा, तकनीकी सहायक नीतीश कुमार सुमन, कृषि विज्ञान केंद्र बालूमाथ के मुनी सिंह और आसपास के विभिन्न गांवों के किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सतत और सुरक्षित खेती के लिए आवश्यक तकनीकी ज्ञान देना है.

आजसू पार्टी 13 नवंबर को करेगी धरना- प्रदर्शन भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं पर जताई चिंता

लातेहार । आजसू पार्टी 13 नवंबर को जिले में धरना प्रदर्शन आयोजित करेगी. पार्टी के जिला अध्यक्ष अमित पांडेय ने प्रेस वार्ता में कहा कि जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं के खिलाफ पार्टी आंदोलन करेगी. उन्होंने बताया कि मनरेगा योजना में व्यापक भ्रष्टाचार फैला हुआ है, जिसमें नाबालिग बच्चों के फर्जी आईडी कार्ड बनाकर अवैध निकासी की जा रही है. इसके अलावा वेडर और नौकरीपेशा लोग मजदूर बनकर फर्जी भुगतान ले रहे हैं. अमित पांडेय ने सदर अस्पताल की स्थिति पर भी चिंता जताई. रात्रिकालीन दवा दुकान बंद रहने से मरीजों को परेशानी होती है और ऑक्सीजन प्लांट होने के बावजूद वह खराब पड़े हैं. नगर पंचायत में बिना बुनियादी सुविधाओं के टैक्स वसूला जा रहा है, सफाई कार्य के लिए दो एजेंसियां काम कर रही हैं, फिर भी शहर के कई चौक चौराहों पर गंदगी का अंबार लगा रहता है. उन्होंने फोरलेन निर्माण कार्यों में एलपीसी के नाम पर धन के बंटवारे, कोयला कंपनियों की गाड़ियों से बच्चों की स्वास्थ्य समस्याएं और भूमि संरक्षण विभाग में बिचौलियों की सक्रियता पर भी चिंता व्यक्त की. अमित पांडेय ने कहा कि धरना प्रदर्शन के दौरान राज्यपाल के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा. इसके बाद 18 नवंबर को पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो के साथ लातेहार में मंथन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा.

लातेहार की ब्यूटी कुमारी ने चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) परीक्षा में हासिल की सफलता

लातेहार । पथ निर्माण विभाग में कार्यरत संजय कुमार की पुत्री ब्यूटी कुमारी ने भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा आयोजित सीए परीक्षा उर्तीण कर अपने मेहनती प्रयासों का फल पाया है. ब्यूटी की इस उपलब्धि पर उसके माता-पिता संजय कुमार और सविता देवी, परिवारजन और शुभचिंतक बेहद प्रसन्न हैं और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं. ब्यूटी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लातेहार के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय से और इंटरमीडियट रांची के डीएवी, गांधीनगर से पूरी की. उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरूजनों और शुभचिंतकों को दिया है. ब्यूटी ने कहा कि प्रारंभ से ही उनका सपना सीए बनने का था और यदि किसी लक्ष्य को दृढ़ता से निर्धारित कर मेहनत की जाए, तो सफलता अवश्य मिलती है. ज्ञात हो कि सीए परीक्षा 12वीं के बाद की सबसे कठिन परीक्षाओं में गिनी जाती है. यह तीन चरणों में होती है – फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल. इस परीक्षा में सफलता पाने के लिए समर्पण, लगातार प्रयास और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है. ब्यूटी की उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है.

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हुसैनाबाद नगर पंचायत को सौगात

जमुहरी माई छठ घाट पर भूमि पूजन समारोह संपन्न

शुभम संदेश । हुसैनाबाद, पलामू

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के जमुहरी माई छठ घाट परिसर में श्री शनिदेव भगवान के भव्य मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन समारोह बड़े श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ. राँची बरियातू स्थित श्री शनिदेव मंदिर के मुख्य पुजारी विकास कुमार भार्गव एवं राहुल तिवारी के सानिध्य में विधिविधानुसार पूजा-अर्चना की गई.कार्यक्रम के मुख्य यजमान नगर पंचायत के निवर्तमान अध्यक्ष शशि कुमार एवं उनकी धर्मपत्नी प्रियंका कुमारी रहे. पूजा में पूर्व वार्ड पार्षद अजय प्रसाद गुप्ता एवं सुषमा गुप्ता ने भी सहयोग किया. इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री लक्ष्मण राम सहित कई गणमान्य व्यक्ति और नगरवासी उपस्थित रहे. नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार ने बताया कि मंदिर न केवल श्रद्धालुओं के लिए उपासना का केंद्र बनेगा, बल्कि क्षेत्र के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक वातावरण को भी नई दिशा देगा. भूमि पूजन के साथ ही मंदिर निर्माण कार्य का शुभारंभ कर दिया गया. क्षेत्रवासियों ने इसे भगवान शनिदेव की कृपा का प्रतीक बताया और मंदिर के शीघ्र निर्माण की मंगलकामनाएं दीं.

मेदिनीनगर में श्री राम का राज्याभिषेक, 73वां महायज्ञ धूमधाम से संपन्न : मेदिनीनगर । साहित्य समाज चौक में आयोजित श्री राम चरित्र मानस नवाह्न पाठ पारायण महायज्ञ के अंतिम दिन मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री रामचंद्र जी का भव्य राज्याभिषेक किया गया. मुख्य अतिथि एनपीवीवि के कुलपति दिनेश कुमार सिंह उपस्थित रहे. यज्ञ समिति के सचिव मनीष भिवानिया ने बताया कि बनारस से आए जगतगुरु श्याम नारायण जी महाराज ने शाम को प्रवचन दिया.इस अवसर पर श्रीराम दरबार में श्रीराम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान और गुरू वशिष्ठ की आकर्षक मूर्तियां स्थापित कर सुंदर सजावट की गई. विशेष रूप से बाल स्वरूप हनुमान जी की मूर्ति 1925 की है. 1953 से यह महायज्ञ निरंतर आयोजित होता आ रहा है और इस बार 73वां अधिवेशन बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया. इस आयोजन में यज्ञ समिति के आजीवन ट्रस्टी, अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्होंने कार्यक्रम की सफलता और भव्य आयोजन सुनिश्चित करने में अहम योगदान दिया.

दीपों से जगमगाया हुसैनाबाद मुख्य छठ घाट

हुसैनाबाद । हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य छठ पोखरा घाट और जमुहारी माई छठ घाट पर सोमवार को देव दीपावली का भव्य आयोजन किया गया. इस अवसर पर घाटों और मंदिर परिसर को दीपों की रोशनी से सजाया गया तथा मां गंगा की भव्य आरती संपन्न हुई. महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में दीप जलाकर घाटों को आलोकित कर रही थीं. निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा वर्ष का सबसे पवित्र दिन होता है, जिसे देवताओं की दीपावली के रूप में मनाया जाता है. कार्यक्रम में राजेंद्र पाल, चंदन सिंह, अरविंद ओझा, अभय कुमार सिंह, अजय प्रसाद गुप्ता, जयप्रकाश उपाध्याय सहित कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित रहे. पूरा माहौल श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से ओतप्रोत रहा.

नेतरहाट में झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान और न्याय पर सम्मेलन : महुआडांड़ (लातेहार) । झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल के तत्वावधान में 6 नवंबर 2025 को नेतरहाट आवासीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में झारखंड आंदोलनकारियों को न्याय और समाज में स्वाभिमान के साथ जीने के अधिकार पर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा. इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी अमर पुरोधा अजीत तिग्गा की पुण्यतिथि सभा भी मनाई जाएगी. मुख्य अतिथि के रूप में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, अनुसूचित जनजाति मंत्री चमरा लिंडा, विधायक रामचंद्र सिंह, संगीत नाटक अकादमी के सदस्य नंदलाल नायक, पदमश्री मधु मंसूरी हंसमुख, अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष राजन क्षीरसागर और पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण, आंदोलनकारियों का सम्मान और वृद्ध जनों में कंबल वितरण भी होगा. लगभग 3000 आंदोलनकारी इसमें शामिल होंगे. अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया जाएगा. पदमश्री मधु मंसूरी के गीत "झारखंड कर कोरा" और "गांव छोड़ब नहीं, लड़ाई छोड़ब नहीं" प्रस्तुत किए जाएंगे. आंदोलनकारी लाल-हरे पगड़ी पहनेंगे और स्थानीय 300 पारंपरिक वेशभूषा पहने आंदोलनकारी गीत, संगीत और नृत्य के माध्यम से स्वागत करेंगे. दूर-दराज के आंदोलनकारियों के लिए रात्रि विश्राम की विशेष व्यवस्था की गई है.

मेदिनीनगर में भगवान श्री परशुराम प्राण प्रतिष्ठा एवं शिवमहापुराण कथा का आयोजन : मेदिनीनगर । रांची रोड स्थित रेडमा उद्योग विभाग परिसर में भगवान श्री परशुराम जी के मंदिर में 2 फरवरी 2026 से श्री परशुराम प्राण प्रतिष्ठा सह 12 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं श्री शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा. इस धार्मिक आयोजन से पूर्व 15 जनवरी को हनुमंत पूजा और 2 फरवरी को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी. आयोजन को ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप देने के लिए मंदिर परिसर में कार्यकारिणी की विस्तार बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से विस्तारित समिति का गठन किया गया और विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेवारी दी गई. प्रमुख पदाधिकारी में मुख्य यजमान कमलेश शुक्ला, अध्यक्ष मधुकर शुक्ला, कार्यक्रम प्रभारी अजय तिवारी, उपाध्यक्ष दयानंद तिवारी, सचिव उपेंद्र तिवारी, कोषाध्यक्ष ललन तिवारी, कलश यात्रा प्रभारी दिलीप तिवारी, मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र तिवारी, पूजा प्रभारी रामाकांत पाठक और प्रबंध समिति अप्पू तिवारी शामिल हैं. बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि यह आयोजन पूरे क्षेत्र के लिए आस्था और गौरव का विषय है.

प्रा क्लीनिक में बच्चे की इलाज के दौरान मौत

मेदिनीनगर । पांकी थाना क्षेत्र के सगालिम परसिया निवासी अख्तर आलम का 14 माह का बच्चा शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय पाठक की प्राइवेट क्लीनिक में इलाज के दौरान मृत हो गया. बच्चे को हल्की उल्टी की शिकायत पर क्लीनिक में भर्ती किया गया था. परिजनों का आरोप है कि गलत इंजेक्शन देने के तुरंत बाद ही बच्चे की मौत हो गई.

कार्तिक पूर्णिमा पर मां दुर्गा का अवशेष लाया गया

बालूमाथ (लातेहार) । आरा गांव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मां दुर्गा का अवशेष कार्तिक पूर्णिमा के दिन बुढ़िया बांध तालाब से धूमधाम से लाया गया. पूजा समिति के अध्यक्ष शंभू प्रसाद ने बताया कि एकादशी के दिन मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया था, जिसके अवशेष को परंपरा के अनुसार आज श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ लाया गया.

चैनपुर पूरनचंद की जयंती पर मेदिनीनगर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी

दलित समाज के अधिकारों के लिए भी किया संघर्ष

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

झारखंड के "गांधी" कहे जाने वाले स्वतंत्रता सेनानी पुरनचंद की जयंती पर मेदिनीनगर शहर के पचमुहान एवं चैनपुर में पुरनचंद चैक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया. इस अवसर पर शहरवासियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे.

मेदिनीनगर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने अपने संबोधन में कहा कि पुरनचंद ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में कुशल योद्धा के रूप में भाग लिया. उन्होंने बताया कि उनके प्रयासों और साहस के कारण उन्हें झारखंड-बिहार का गांधी कहा गया. पुरनचंद

ने केवल स्वतंत्रता संग्राम में ही नहीं, बल्कि गरीब, दलित और समाज के बेजुबानों के अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया.

दुर्गा प्रसाद ने कहा कि पुरनचंद झारखंड के लिए आंधी के समान थे. सत्य प्रकाश ने व्यक्त किया कि वे गरीबों और वंचितों की आवाज थे. प्रोफेसर युगल किशोर प्रसाद ने कहा कि पुरनचंद केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार थे, जो समाज के उत्थान और समानता के लिए प्रेरित करते थे. नंदलाल सिंह ने भी उनकी सामाजिक सेवाओं और संघर्षशील जीवन पर प्रकाश डाला.

कार्यक्रम में विभिन्न समाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे. तेली साहू समाज के जिला अध्यक्ष ललन साहू, उपाध्यक्ष अनिल साहू, सचिव अजय साहू, कोषाध्यक्ष राजेश साहू, राजा गुप्ता, नितिन गुप्ता, सुरेश साहू और हजारी साहू ने कार्यक्रम में भाग लिया. चैनपुर में नागेश्वर साहू, जितेंद्र साहू और गोपाल प्रसाद समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे.

माल्यार्पण कार्यक्रम के बाद सभी उपस्थित लोगों ने पुरनचंद के जीवन, उनके संघर्ष और उनके द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा की. उन्होंने यह भी व्यक्त किया कि पुरनचंद ने केवल स्वतंत्रता संग्राम में ही योगदान नहीं दिया, बल्कि समाज में समानता, न्याय और गरीबों के अधिकारों के लिए भी हमेशा लड़ते रहे.

कार्यक्रम का आयोजन शांतिपूर्ण और अनुशासित रूप से किया गया. उपस्थित लोगों ने पुरनचंद की जीवनी और उनके आदर्शों को याद करते हुए उनकी शिक्षाओं और विचारों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की शपथ ली. यह आयोजन न केवल पुरनचंद को याद करने का अवसर था, बल्कि समाज में उनके आदर्शों को जीवित रखने और नई पीढ़ी को प्रेरित करने का माध्यम भी बना.

पूरा कार्यक्रम श्रद्धा, सम्मान और प्रेरणा के भाव से सम्पन्न हुआ, जिसमें पुरनचंद की विरासत और उनके विचारों का सम्मान करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों ने उन्हें याद किया.

चोरी का उद्भेदन अभियुक्त गिरफ्तार

कोडरमा । जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने उद्भेदन कर दिया है और एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है. एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि अगस्त माह में सीडी कॉलोनी निवासी अभिषेक कुमार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि बाईपास रोड स्थित उनके यामाहा शो रूम एआर इंटरप्राइजेज का अल्बेस्टर काटकर लाखों रुपए का सामान, नगद और मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया.एसपी ने विशेष दल का गठन कर जांच का जिम्मा एसडीपीओ अनिल सिंह को सौंपा. तत्पश्चात तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार, एसआई महादेव पांडेय और पैंथर जवानों ने छापेमारी कर प्रदीप कुमार (23 वर्ष) को कोडरमा थाना क्षेत्र के करमा से गिरफ्तार किया. पूछताछ में अभियुक्त ने चोरी की सारी वारदातें स्वीकार की और चोरी किए गए मोबाइल और सामान से खरीदा गया एंड्रॉयड फोन पुलिस को सौंपा.

चतरा में अफीम और मादक पदार्थ के विरुद्ध पुलिस का जागरूकता अभियान

हंटरगंज में युवाओं ने नशे से दूर रहने की ली शपथ

शुभम संदेश । चतरा

जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती तिलहेत पंचायत के कोलवा, एकतारा और कुब्बा गांवों में बुधवार को हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार के नेतृत्व में अफीम की खेती और मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया. इस दौरान ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया और अफीम की खेती न करने की सलाह दी गई.

थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने कहा कि अफीम की खेती किसी भी दृष्टि से लाभदायक नहीं है. तस्कर ग्रामीणों से अफीम को सस्ते दामों में खरीदकर मुनाफा कमाते हैं, जबकि किसान जेल और कानूनी कार्रवाई का सामना करते हैं. उन्होंने किसानों को अफीम की जगह सब्जी, फल और वैकल्पिक फसलों की खेती करने की सलाह दी, जिससे वे बिना डर के मुनाफा कमा सकें.

प्रभात कुमार ने कहा कि अफीम और ब्राउन शुगर का अवैध कारोबार युवाओं को बर्बाद कर रहा है. कई युवा इस नशे की लत में पड़कर मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर हो रहे हैं. इन नशों के कारण कैंसर, अवसाद और हृदय रोग जैसी बीमारियों में वृद्धि हो रही है. उन्होंने कहा कि नशे की लत के कारण कुछ युवा चोरी, लूट और छीनतई जैसे अपराधों में लिप्त हो जाते हैं, जिससे उनका जीवन अंधकारमय हो जाता है. थाना प्रभारी ने कहा, "नशे को ना, जिंदगी को हां कहना ही असली बहादुरी है." उन्होंने ग्रामीणों से

अपील की कि वे अपने बच्चों पर निगरानी रखें और उन्हें किसी भी प्रकार के नशे से दूर रखें. इस दौरान उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों और युवाओं को शपथ दिलाई कि वे किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे.

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के बीच बिस्कुट, नमकीन और मिठाइयां भी बांटी गईं. प्रभात कुमार ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराध रोकना ही नहीं, बल्कि समाज को नशामुक्त और स्वस्थ बनाना भी है. उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस की ओर से ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे, ताकि गांव-गांव तक "नशे से मुक्ति, जीवन से दोस्ती" का संदेश पहुंचे.

अभियान में पुलिस पदाधिकारियों के साथ ग्रामीणों, युवाओं और बच्चों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया. अंत में सभी ने एक स्वर में कहा — **"नशे को ना, जिंदगी को हां!"**

एक नजर

बिहार विधानसभा चुनाव में सक्रिय भूमिका निभा रहे हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल

हजारीबाग । भाजपा सांसद मनीष जायसवाल ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के पक्ष में पिछले एक महीने से सक्रिय भागीदारी निभाई है. व्यक्तिगत पारिवारिक हानि के बावजूद उन्होंने कर्तव्य-निष्ठा का परिचय देते हुए मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र के छह विस क्षेत्रों में प्रचार और संगठनात्मक कार्यों का नेतृत्व किया. 03 नवंबर को उनके बड़े चाचा का आकस्मिक निधन हुआ, लेकिन उन्होंने पीएम की सहरसा में आयोजित जनसभा को ऐतिहासिक बनाने में अहम भूमिका निभाई.अपने संसदीय क्षेत्र हजारीबाग के प्रति जिम्मेदारी को बनाए रखते हुए उन्होंने छठ महापर्व, गौशाला मेला और कार्तिक पूर्णिमा सहित विकास और सामाजिक गतिविधियों का निरीक्षण किया. सांसद मनीष जायसवाल ने प्रभार क्षेत्र में बूथ मजबूती और एनडीए प्रत्याशियों के लिए जनता में सकारात्मक रुझान पैदा किया. उनकी यह सक्रियता कुशल प्रबंधन, नेतृत्व और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है. इससे पहले भी उन्होंने कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और दिल्ली विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए उत्कृष्ट कार्य किया है. उनके प्रयासों से उम्मीद है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के प्रत्याशी प्रभार क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करेंगे और विजयी होंगे.

अजय प्रजापति बने कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिला अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

हजारीबाग । झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ओबीसी विभाग ने अजय प्रजापति को हजारीबाग जिला कांग्रेस ओबीसी विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया है. प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन अभिलाष साहू ने कहा कि प्रजापति की कांग्रेस के प्रति आस्था और समर्पण को देखते हुए यह जिम्मेदारी दी जा रही है. उन्होंने उम्मीद जताई कि अजय प्रजापति निष्ठा और सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और कांग्रेस की नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने के साथ संगठन को मजबूत करेंगे. अजय प्रजापति की नियुक्ति पर जिले भर में खुशी की लहर है. उन्हें बधाई देने वालों में साजिद अली खान, आधार प्रकाश कुमार, सुरजीत नगवाल, शैलेंद्र यादव, मनोज नारायण भगत, संजय तिवारी, परवेज अहमद, दिलीप कुमार समेत सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल थे. सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी और भरोसा जताया कि उनके नेतृत्व में हजारीबाग जिले में कांग्रेस ओबीसी विभाग नई ऊर्जा के साथ सक्रिय भूमिका निभाएगा.

बरारी में कांग्रेस का जनसंपर्क अभियान तेज

चौपारण (हजारीबाग) । बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी अभियान को जोरशोर से जारी रखा है. दूसरे चरण के मतदान (11 नवंबर) से पहले बरारी विधानसभा क्षेत्र में ऑब्जर्वर एवं हजारीबाग जिला कांग्रेस एससी मोर्चा अध्यक्ष रेवाली पासवान ने डोर–टू–डोर जनसंपर्क अभियान चलाया. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी तौकीर आलम के पक्ष में लोगों से वोट देने की अपील की और दावा किया कि बरारी में इस बार कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत निश्चित है. पासवान ने कहा कि देश और प्रदेश में कांग्रेस की जनोन्मुखी नीतियों की आवश्यकता पहले से अधिक है. उन्होंने सभी वर्गों के उत्थान, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास पर जोर देते हुए मतदाताओं से चुनाव चिह्न "हाथ" पर बटन दबाकर पार्टी को विजयी बनाने की अपील की. जनसंपर्क अभियान में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे और घर–घर जाकर मतदाताओं से संवाद किया, जिससे चुनावी माहौल उत्साहपूर्ण बना.

प्लांट में हादसा, कर्मी की इलाज के दौरान मौत

जयनगर (कोडरमा) । जयनगर थाना क्षेत्र स्थित केटीपीएस बांझेडीह पावर प्लांट में बुधवार सुबह एक गंभीर हादसा हुआ, जिसमें 35 वर्षीय कर्मी प्रकाश यादव गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई. सिंगारडीह गांव निवासी प्रकाश यादव कोयला रैक पॉइंट पर मालगाड़ी की बोगियों अलग कर रहे थे, तभी एक होज पाइप उनके चेहरे से टकरा गया. घटना के बाद साथी कर्मियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन एम्बुलेंस आधे घंटे से अधिक देर में आई. प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रिम्स, रांची रेफर किया गया, जहां उनकी मौत हो गई. कर्मियों ने एम्बुलेंस सेवा की देरी और प्लांट प्रशासन की लापरवाही पर नाराजगी जताई. उनका कहना है कि पावर प्लांट जैसी जगह पर आपातकालीन व्यवस्था सुचारु नहीं होने के कारण किसी की जान भी जा सकती है. परिजन हादसे से शोक में हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं.

आजसू ने मनाया पूर्व विधायक का जन्मदिन

रामगढ़ । आजसू कार्यकर्ताओं ने बुधवार को गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी की धर्मपत्नी एवं रामगढ़ विधानसभा की पूर्व विधायक सुनीता चौधरी का जन्मदिन उनके रांची स्थित आवास पर केक काटकर मनाया. इस अवसर पर पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं ने सुनीता चौधरी को जन्मदिन की बधाई देते हुए लंबी आयु और स्वास्थ्य की कामना की. कार्यक्रम में रामगढ़ पार्षद धनेश्वर महतो, कुंदरूकलां मुखिया किशुनराम मुंडा, संजय बनारसी, नीरज मंडल सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे. सभी ने इस अवसर पर उनके स्वस्थ और सफल जीवन की शुभकामनाएं दी.

विद्यार्थियों ने किया पांचेत व मैथन डैम का भ्रमण

विष्णुगढ़ । टेकलाल महतो डिग्री महाविद्यालय, विष्णुगढ़ के भूगोल विभाग द्वारा स्नातक सेमेस्टर–VI के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया. भ्रमण दल ने पांचेत और मैथन डैम (डीवीसी परियोजना) का निरीक्षण कर जल संसाधन प्रबंधन, जल विद्युत उत्पादन, भूमि उपयोग और पर्यावरणीय प्रभावों का अध्ययन किया.
भ्रमण में सहायक प्राध्यापक ललित कुमार, जयनंदन कुमार महतो, सुमति कुमारी, सुशील कुमारी, किशन राज और पवन प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया. प्राचार्य राम चंद्र राम ने कहा कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं और उन्हें भूगोल के वास्तविक प्रयोग को समझने में मदद करते हैं. भ्रमण का समापन उत्साहपूर्वक किया गया.

कोल वाहन की चपेट में आने से एक की हालत गंभीर, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

टंडवा। आम्रपाली कोल परियोजना क्षेत्र में मंगलवार शाम 6:30 बजे अज्ञात कोल वाहन की चपेट में आने से सुरेश भुइयां गंभीर रूप से घायल हो गए. दुर्घटना स्थल पर ही उनकी हालत गंभीर हो गई और उनका मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गया. स्थानीय ग्रामीणों ने पीड़ित के उचित इलाज और मुआवजा राशि के साथ मोटरसाइकिल की क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर टंडवा-सिमरिया मुख्य सड़क पर 24 घंटे से कोल वाहनों का परिचालन पूरी तरह ठप कर दिया. घटना की जानकारी चतरा लोकसभा के सीसीएल सांसद प्रतिनिधि प्रेम विकास सिंह को मिली. उन्होंने घटनास्थल पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिलकर सहानुभूति व्यक्त की. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पब्लिक सड़कों पर सुरक्षित आवागमन मुश्किल हो गया है और आए दिन इस प्रकार की दुर्घटनाओं से लोग घायल हो रहे हैं. उन्होंने सीसीएल और एनटीपीसी से अनुरोध किया कि कोयला और फ्लाई ऐश ढुलाई के लिए अलग सड़क की व्यवस्था की जाए, जिससे दुर्घटनाओं को रोका जा सके. इस दौरान उत्तरी क्षेत्र जिला परिषद देवंती देवी, पूर्व जिला परिषद दुलारचंद साहू, नवाडीह-तेलियाडीह मुखिया महावीर साव, पोकला-कसियाडीह पंचायत समिति सदस्य राजेश चौधरी, राजेन्द्र प्रसाद, आमलेश विजय साहू, संतोष यादव, सुरेश साहू, बजरंगी सिंह, चुनु सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे और उन्होंने मुआवजे की मांग का समर्थन किया.

पंचतत्व सेवा संगठन का प्रथम वार्षिक उत्सव संपन्न राज्यपाल ने आयुर्वेद अपनाने की दी प्रेरणा

हजारीबाग । पंचतत्व सेवा संगठन के प्रथम वार्षिक उत्सव का आयोजन स्थानीय पैराडाइज रिसॉर्ट में किया गया. मुख्य अतिथि राज्यपाल महामहिम संतोष कुमार गंगवार ने लोगों से आयुर्वेद को अपनाने और समाज सेवा में भागीदारी बढ़ाने की अपील की. कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने कहा कि आयुर्वेद हमारी अमूल्य परंपरा है और इसके माध्यम से गंभीर से गंभीर बीमारियों का इलाज संभव है, जबकि एलोपैथी के कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं. संस्था ने पिछले एक साल में 12 से अधिक आयुर्वेदिक अस्पताल खोले और 7000 से अधिक लोगों का निःशुल्क इलाज किया. सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि आयुर्वेद को बढ़ावा देने से लोगों को सस्ता और सुरक्षित इलाज मिलेगा. राज्यपाल ने कहा कि पंचतत्व संगठन शिक्षा और आयुर्वेदिक चिकित्सा के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है. उन्होंने संस्था से जुड़े समाजसेवियों को सम्मानित किया. कार्यक्रम में पत्रकारिता, शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 18 लोगों को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान किए गए. संस्था का यह प्रयास समाज के सर्वांगीण विकास और जन-जन तक आयुर्वेद की पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा.

हजारीबाग में रफ्तार घटाओ, सुरक्षा बढ़ाओ अभियान के तहत 14 माइल में जांच शिविर

हजारीबाग । सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत 05 नवंबर 2025 को जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में चरही घाटी के 14 माइल में तेज रफ्तार वाहन चालकों के खिलाफ व्यापक जांच अभियान चलाया गया. अभियान में बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट और ट्रिपल राइडिंग जैसी सुरक्षा उल्लंघनों पर चालान किया गया. दोषी चालकों को ऑनलाइन चालान के माध्यम से दंडित किया गया. इस दौरान वाहन चालकों की मौके पर काउंसलिंग की गई और सड़क सुरक्षा संबंधी पम्पलेट एवं पुस्तिकाएँ वितरित की गईं. अभियान में मोटरयान निरीक्षक विजय गौतम, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक संतोष कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट शारीक इकबाल और आईटी सहायक अरविंद कुमार शामिल रहे. कुल 176 वाहनों की जांच की गई, जिनमें 38 वाहन चालकों का चालान किया गया और 1,08,650 रुपये राजस्व वसूली गई. यह अभियान सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ.

रामगढ़ में डाक व रेलवे विभाग परिवार के बीच क्रिकेट मैच

रामगढ़ । बरकाकाना रेलवे स्टेशन मैदान में भारतीय डाक विभाग परिवार और रेलवे विभाग परिवार के बीच मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया. इस रोमांचक मुकाबले में रेलवे परिवार विजयी रहा. मैच के बाद सहायक पोस्टमास्टर रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर रविशंकर राय ने विजयी और उपविजेताओं को सम्मानित किया. उन्होंने कहा कि हम सरकार की सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने के साथ अपने परिवार का दायित्व निभाते हैं, लेकिन तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए खेल आवश्यक है. खेल हमें प्रेरणा, सहयोग और मार्गदर्शन के साथ-साथ स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है. इस अवसर पर डाक और रेलवे विभाग के शम्भू दत्त सिंह, चंदन कुमार महतो, शंभु कुमार, विवेक कुमार, मिस्टी कुर्मी, अरविंद कुमार, प्रभु कुमार, रणजीत रजवार सहित कई लोग उपस्थित रहे. सभी ने आयोजनकर्ता को इस सुचारु आयोजन के लिए बधाई दी.

बिरहोर कॉलोनी में स्वास्थ्य व सुविधा शिविर आयोजित

मरकच्चो (कोडरमा) । उपायुक्त ऋतुराज के निदेशानुसार बुधवार को मूर्कमनाय पंचायत के बिरहोर कॉलोनी बरियारडीह में विशेष शिविर आयोजित किया गया. यह शिविर मुख्य रूप से बिरहोर आदिम जनजाति के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण को ध्यान में रखकर किया गया. शिविर में 90 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण, 38 का बीपी एवं शुगर जांच, 56 का खून जांच, 64 का टीबी स्क्रीनिंग और 35 का सैंपल संग्रहित किया गया. कुल 75 स्वास्थ्य कार्ड बनाए गए. आपूर्ति विभाग की ओर से 32 बिरहोर परिवारों को चावल और नमक वितरण किया गया. प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो ने बच्चों से बातचीत की और आंगनबाड़ी सेविकाओं को आवश्यक निर्देश दिए. बीडीओ ने बिरहोर समुदाय को नशा और शराब से दूर रहने की शपथ दिलाई. इस शिविर में मरकच्चो चिकित्सा प्रभारी डॉ. मोनिका मिश्रा, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी लक्ष्मीनाथ लोहारा, कनीय अभियंता निखिल चंद्र महतो, डॉ. दिनेश कुमार, आकांक्षी फेलो अशोक कुमार समेत कई कर्मचारी और ग्रामीण उपस्थित थे.

प्रकाश उत्सव, कार्तिक पूर्णिमा और गंगा आरती का आयोजन

शुभम संदेश । रामगढ़

सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश उत्सव के अवसर पर बुधवार को श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा विशेष दीवान का आयोजन किया गया. इस अवसर पर भाई सरबजीत सिंह और भाई लवप्रीत सिंह ने कीर्तन दरबार में मधुर गुरुवाणी का गायन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया. शाम को गुरुद्वारा साहिब में भव्य दीवान सजाया गया, जिसके बाद अटूट लंगर का आयोजन किया गया.कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्य परमदीप सिंह कालरा, स्कूल प्रबंधन समिति के चेयरमैन सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, वाइस चेयरमैन सरदार सुरेंद्र पाल सिंह चंडोक, सरदार कुलजीत सिंह कालरा, डिप्टी चेयरमैन सरदार वीरेंद्र सिंह चंडोक, सरदार गुरप्रीत सिंह जोली, सरदार नरिन्द्र पाल सिंह गुजराल, सरदार पुश्विंदर पाल सिंह, सरदार कुलजीत सिंह छाबड़ा, सरदार गुरदीप सिंह सैनी, सरदार सतिन्दर सिंह होरा, सरदार विक्रमजीत सिंह कोहली, सरदार गुरदीप सिंह चाना, सरदार रमन बेदी और सरदार करमजीत सिंह जग्गी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का समापन अरदास और आशीर्वाद के साथ हुआ.

चौपारण । कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर चौपारण क्षेत्र में भक्तों की अपार भीड़ घाटों और जलाशयों पर स्नान और पूजा-अर्चना के लिए उमड़ी. श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर भगवान विष्णु और माँ लक्ष्मी की आराधना की और अपने परिवार एवं समाज की मंगलकामना की. यह पर्व विष्णु जागरण और चातुर्मास समापन का प्रतीक माना जाता है. महिलाएं तुलसी माता की पूजा कर सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना करती रहीं. स्थानीय पंडितों ने कहा कि यह पर्व मानवता को कर्तव्य, संयम और करुणा का संदेश देता है. युवाओं और सामाजिक संगठनों ने घाटों की सफाई और श्रद्धालुओं की सहायता की. पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरण किया गया. पूरे दिन क्षेत्र में आध्यात्मिक माहौल और सांस्कृतिक सौहार्द बना रहा. इस अवसर ने न केवल धार्मिक आस्था को जीवंत किया, बल्कि समाज में प्रेम, सहयोग और दिव्यता की ज्योति भी प्रज्वलित की.

हजारीबाग । हजारीबाग के ऐतिहासिक नरसिंह स्थान में आयोजित पारम्परिक कार्तिक पूर्णिमा मेला बुधवार को हर्षोल्लास और श्रद्धा के वातावरण में सम्पन्न हुआ. मेले में जिले और आसपास के इलाकों से लाखों श्रद्धालु पहुंचे और भगवान नरसिंह के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया. भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर और सरोवर तट पर उमड़ पड़ी. श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान, पूजा-अर्चना और दीपदान कर मंगलकामनाएँ की. इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद, धार्मिक न्यास अध्यक्ष जयशंकर पाठक, पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, अंचलाधिकारी जयनारायण पासवान सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और स्वच्छता की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की. नरसिंह स्थान पूजा समिति और कार्यकारिणी सदस्यों के मार्गदर्शन में मेला सुचारू रूप से संपन्न हुआ. अध्यक्ष भवेश कुमार मिश्र एवं अन्य सदस्यों ने श्रद्धालुओं और नगरवासियों का धन्यवाद करते हुए अनुशासन बनाए रखने की सराहना की.

पत्थलगड़ा (चतरा) । प्रखंड के बकुलिया गंगा घाट पर बुधवार को देव दीपावली और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पहली बार भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया. घाट परिसर को दीपों से सजाया गया और श्रद्धालुओं ने विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीपदान एवं आरती में हिस्सा लिया. इस ऐतिहासिक अवसर पर सिमरिया के विधायक उज्जवल दास एवं जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि विजय दांगी, सांसद प्रतिनिधि आशीष कुमार दांगी, अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी ऊदल राम, भाजपा महामंत्री तिलेश्वर राणा, स्थानीय पंचायत मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु मौजूद रहे. पूरे आयोजन के दौरान "हर हर गंगे" के जयघोष गूंजते रहे और दीपों की रोशनी से घाट परिसर का वातावरण अत्यंत आध्यात्मिक और भव्य बना. स्थानीय लोगों ने इसे पत्थलगड़ा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक और यादगार क्षण बताया. आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा मिल सके और श्रद्धालुओं के लिए भव्य अनुभव सुनिश्चित किया जा सके.

कटकमदाग । पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने नरसिंह स्थान मेला सह कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर परिसर में खिचड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया. सैकड़ों श्रद्धालु और ग्रामीण कार्यक्रम में उपस्थित हुए. मुन्ना सिंह ने प्रसाद वितरण के साथ ग्रामीणों के बीच भाईचारा, सहयोग और सांस्कृतिक एकता की भावना मजबूत करने पर जोर दिया. उन्होंने लोगों से आशीर्वाद लिया और उनकी समस्याओं के समाधान का संकल्प लिया. कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

हंटरगंज (चतरा)। बुधवार को केदलीकला में प्रथम सिख गुरु, गुरु नानक देव जी का जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा, हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया. तीन दिनों तक प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें स्त्री, पुरुष और बच्चों ने "जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल" के जयघोष से वातावरण गुंजायमान कर दिया. बुधवार संध्या को विशेष दीवान का आयोजन हुआ, जिसमें कीर्तनी जत्थों ने गुरुबाणी का गायन किया. अखंड पाठ साहिब का भोग कर रात्रि में अटूट लंगर का आयोजन किया गया. वक्ताओं ने गुरु नानक देव जी के उपदेशों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया. समापन पर भव्य आतिशबाजी की गई. आयोजन को सफल बनाने में गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के प्रधान सरदार बलजीत सिंह बंटी, सचिव नंदकिशोर सिंह, कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह सहित समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

फाइलेरिया नियंत्रण शिविर आयोजित

जयनगर (कोडरमा) । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयनगर के अंतर्गत चेहाल उप स्वास्थ्य केंद्र में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम एवं फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मंगलवार की रात रात्रि रक्त पट संग्रह जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन मुखिया शुवंती देवी ने किया और ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने आसपास जल जमाव न होने दें, ताकि मच्छरों का लार्वा न पनप सके. विशेषज्ञों ने बताया कि फाइलेरिया माइक्रोफाइलेरिया संक्रमित कुलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है और इसका रात्रि में ही परीक्षण किया जाता है क्योंकि इस समय परजीवी रक्त में सक्रिय रहते हैं. जांच के आधार पर माइक्रोफाइलेरिया दर निर्धारित की जाती है और इसके बाद एमडीए कार्यक्रम संचालित किया जाता है. कार्यक्रम में बीईई शैलेन्द्र कुमार तिवारी, वीबीडी कंसल्टेंट कृष्णकांत मनी, पिरामल फाउंडेशन के प्रमोद कुमार सिंह एवं रविंद्र गिरी आदि उपस्थित रहे.

निर्माण

जंगल क्षेत्र में निर्माण भविष्य में बालिकाओं की सुरक्षा के लिए खतरा

हाथियों के कॉरिडोर में बन रहा आवासीय बालिका विद्यालय

शुभम संदेश । हजारीबाग

जिले के सदर प्रखंड के सखिया पंचायत अंतर्गत गुडुवा जंगल में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय का निर्माण कार्य इन दिनों तेजी से चल रहा है. हालांकि इस निर्माण को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने गहरी नाराजगी और विरोध जताया है. ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय का निर्माण ऐसे क्षेत्र में किया जा रहा है, जो हाथियों के पारंपरिक कॉरिडोर के रूप में जाना जाता है. गुडुवा जंगल और आसपास के इलाकों में हाथियों का झुंड अक्सर आवाजाही करता है और पास के तालाबों में पानी पीने आता है. ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से यह इलाका हाथियों की नियमित गतिविधि का हिस्सा रहा है. ऐसे में इसी क्षेत्र में बालिकाओं के लिए आवासीय विद्यालय बनाना बालिकाओं की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है.

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रखंड क्षेत्र में कई एकड़ गैर-मजरूआ भूमि उपलब्ध है, जहां विद्यालय का निर्माण किया जा सकता था, लेकिन विभाग ने बिना स्थानीय सर्वेक्षण के जंगल क्षेत्र में ही निर्माण आरंभ कर दिया. उनका कहना है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य नहीं रोका गया, तो भविष्य में न केवल बालिकाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा. उप प्रमुख रविकांत सिंह ने कहा, "हम विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन नियमों की अनदेखी कर किया जा रहा यह निर्माण अनुचित है. यह स्थल न तो पर्यावरण की दृष्टि से उपयुक्त है और न ही सुरक्षा की दृष्टि से. विभाग

को चाहिए कि वैकल्पिक स्थल पर निर्माण की पहल करे." उन्होंने बताया कि इस मामले की शिकायत जिला प्रशासन, उपायुक्त और वन विभाग के अधिकारियों को लिखित रूप में भेजी गई है. वहीं प्रमुख प्रतिनिधि गणेश मेहता ने कहा, "वन भूमि में निर्माण पूरी तरह से नियम विरुद्ध है. बिना पर्यावरणीय मंजूरी और ग्रामसभा की सहमति के निर्माण कार्य शुरू किया जाना विभागीय मनमानी का उदाहरण है." उन्होंने कहा कि यदि विभाग निर्माण कार्य जारी रखता है, तो ग्रामीण धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे.

स्थानीय ग्रामीण राजकिशोर रविदास ने कहा कि यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया है. "गांव में स्कूल की आवश्यकता हम सबको है, लेकिन इसकी कीमत जंगल और सुरक्षा के साथ नहीं चुकाई जा सकती," उन्होंने कहा. ग्रामीणों ने एक स्वर में मांग की है कि विभाग जल्द से जल्द इस निर्माण कार्य को रोककर गैर-मजरूआ भूमि पर विद्यालय के निर्माण का निर्णय ले, ताकि विकास और पर्यावरण दोनों में संतुलन बना रहे.

इस बीच, जब शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों से इस विवाद पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब देने से परहेज किया. विभाग की चुप्पी ने ग्रामीणों के संदेह को और गहरा कर दिया है.

गांव के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे सामूहिक रूप से निर्माण स्थल पर प्रदर्शन करेंगे. फिलहाल, गुडुवा जंगल में हाथियों के कॉरिडोर पर विद्यालय निर्माण का मुद्दा पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है.

ब्रीफ न्यूज

फांसी लगाकर महिला ने आत्महत्या कर ली

गुमला। कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामतोलया पहानटोली में बुधवार की सुबह मानसिक रुप से विक्षिप्त एक महिला मंजरी तोपनो उम्र 23 वर्ष अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सूत्रों के अनुसार घटना के समय घर के सभी सदस्य बाहर अपना काम कर रहे थे. घर के लोगों ने जब घर के अंदर गये तो देखा की मंजरी फांसी के फंदे से झूल रही है. परिजनों ने कामडारा पुलिस को घटना की सूचना दी. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर गुमला सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया और शव परिवार जनों को सौंप दिया. पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है.

कार्तिक पूर्णिमा जतरा में दिखी आदिवासी परंपरा व संस्कृति

शुभम संदेश। गुमला

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को पुग्गु पंचायत के बड़का टोली गांव के मैदान में सांस्कृतिक जतरा का आयोजन किया गया. जिसमें आसपास के गांवों के ग्रामीण शामिल हुए. गांव से आए खोड़हा दल ने पारंपरिक गीत संगीत और नृत्य का प्रदर्शन कर अपनी कला क्षमता, परंपरा और प्रतिभा का प्रदर्शन किया. आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया मेला में उत्सव का माहौल बना रहा. ग्रामीणों ने मिट्टी के बर्तन, खिलौने, लकड़ी के सामान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और स्थानीय हस्तशिल्प की जमकर खरीदारी की. मेला में झूले, दुकानें, मिठाइयां और बच्चों के मनोरंजन के कई साधन मौजूद रहे. मेला के साथ-साथ आयोजित कार्तिक जतरा में आदिवासी संस्कृति की झलक देखने को मिली। लगभग 90 से अधिक खोड़हा दलों की महिला और पुरुष नर्तकियों ने मांदर, नगाड़ा और बोत की थाप पर पारंपरिक गीतों और नृत्यों की शानदार प्रस्तुति दी.

पूरे मैदान में मांदर, ढोल की झंकार और उत्सव की गूंज देर रात तक बनी रही।कार्यक्रम की शुरुआत पुग्गु आयोजन समिति के संयोजक एवं पंचायत के पूर्व मुखिया बुधु टोप्पो, कुमारिया पंचायत के पूर्व मुखिया पतराज टोप्पो, जेने विभा लकड़ा, तेजपाल उरांव, जितिया उरांव, प्रमुख प्रमिला उरांव, पंचायत समिति सदस्य सुनीता उरांव, छोट्या उरांव,डॉक्टर तेतरु उरांव, अशोक यादव, नंद किशोर उरांव, कमल उरांव, प्रदुम्न उरांव,तेजपाल उरांव, मनीष उरांव, राजकुमार टोप्पो, मंगल किशोर उरांव, प्रद्युम्न भगत, इंदा उरांव, सुकरु उरांव, चूमनू उरांव, विनय उरांव, बिरसाई उरांव, अनिल बड़ाइक,रूपेश बडा, लालू उरांव, कृष्णा तिर्की, प्रेम चंद बड़ा, विकास बड़ाइक, गोविंद बड़ाइक सहित कई गणमान्य अतिथियों ने बिरसा मुंडा और कार्तिक उरांव के चित्र पर माल्यार्पण कर किया. मुख्य अतिथि बुधु टोप्पो ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा राज्य और समाज दोनों के लिए सौभाग्य का दिन है.1985 से यहां कार्तिक जतरा का आयोजन किया जा रहा है, जो अब लोक उत्सव का रूप ले चुका है. सभी खोड़हा दलों को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया.

एक नजर

बाबा नाम केवलम कीर्तन कार्यक्रम का समापन

सोनाहातू। प्रखंड क्षेत्र के मानकीडीह गांव में कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आनंद मार्गी प्रहलाद महतो के आवास पर 6 घंटे का अखंड कीर्तन आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक चला. विशिष्ट प्रहलाद महतो ने बताया कि हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के दिन बाबा नाम केवलम कीर्तन का आयोजन किया जाता है. उन्होंने कहा कि अष्टाक्षरी सिद्ध महामंत्र बाबा नाम केवलम के कीर्तन से मन निर्मल होता है और साधना में उन्नति होती है. साथ ही, विकट परिस्थितियों से निजात पाने में सामूहिक कीर्तन अत्यंत प्रभावकारी सिद्ध होता है.

एलपीएल टूर्नामेंट: टाउन टाइटन को मिली जीत

लोहरदगा। जिला फुटबॉल संघ के तत्वाधान में आयोजित लोहरदगा प्रीमियर लीग का तीसरा दिन आयोजित हुआ. दिन का पहला मैच टाउन टाइटन और किस्को किंग्स के बीच खेला गया, जिसमें टाउन टाइटन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत हासिल की. इस मैच के मुख्य अतिथि डीएसपी मुख्यालय श्री समीर तिर्की और विशिष्ट अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुजम्मिल अहमद थे. उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर आयोजन की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजनों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भाग लेकर स्थानीय खिलाड़ियों को सीखने का मौका देते हैं.

चावर चंडी पूजा हर्षोल्लास के साथ संपन्न

गुमला। बिशुनपुर प्रखंड के कुंबाटोली में परंपरागत चावर चंडी पूजा बुधवार को हर्षोल्लास के साथ किया गया. उप प्रमुख चन्दन कुमार सिंह, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी गणेश राम महतो, मुखिया सुशील मुंडा, जतन साहू एवं अजित ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मेला का उदघाटन किया. महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में मां चंडी की पूजा-अर्चना की और गांव की सुख-समृद्धि की कामना की. पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला. मेला और रंगारंग कार्यक्रम मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा.

मुखिया के फर्जी मुहर व पैड का मामला उजागर

इटकी। इटकी पश्चिमी पंचायत की मुखिया निर्मला भेंगरा ने अपने फर्जी मुहर और पैड का अवैध उपयोग किए जाने का मामला उजागर किया है. मुखिया ने इटकी थाना में जालसाजी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है. मुखिया के अनुसार, नगड़ी थाना क्षेत्र के नगड़ी निवासी दिनेश केशरी (पिता-गोपाल केशरी), प्रेम कुमार केशरी (पिता-रामचन्द्र साहु), और रमेश केशरी (पिता-गोपाल केशरी) ने इटकी पश्चिमी पंचायत का फर्जी मुहर और पैड बनाकर उनका जाली हस्ताक्षर किया. इन जाली दस्तावेजों का उपयोग कर उन्होंने अवैध रूप से वंशावली तैयार की.

इंस्टाग्राम में पिस्टल लहराना युवकों को पड़ा महंगा

गुमला। पिस्टल पकड़कर रील बनाने और इंस्टाग्राम में वायरल करने के मामले में गुमला पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. जानकारी के अनुसार इंस्टाग्राम आईडी के आधार पर पुलिस ने उर्मी डुमरडीह निवासी रौनक प्रसाद को अपने हिरासत में लिया है. पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके निशानदेही पर आलोक सिंह और सिलम से पवन सिंह को हीरासत में लिया है. जानकारी के अनुसार पवन सिंह ने रौनक को पिस्टल दिया था. जिसे किसी ने एक पंजाबी गाना के साथ पिस्टल लहराते हुए रिल्स बनाया है और रौनक के इंस्टाग्राम आइडी से वायरल हुआ है.

भाजपाईयों का भारत अभियान कार्यकर्ता सम्मेलन

लोहरदगा। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नगर मंडल के नगर अध्यक्ष सचिन कुमार साहू की अध्यक्षता में नगर अटल भवन में आत्मनिर्भर भारत और "हर घर स्वदेशी" विषय पर कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के सक्रिय सदस्य चंदन गोयल उपस्थित थे. अपने संबोधन में चंदन गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत मिशन के माध्यम से विश्व में एक प्रमुख निर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है.

कार्तिक उरांव जयंती पर जतरा का आयोजन

इटकी। इटकी के तरगड़ी गांव स्थित जुमरा मैदान में बुधवार को स्व. कार्तिक उरांव जयंती समारोह एवं कार्तिक पूर्णिमा जतरा का आयोजन किया गया. समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं. उन्होंने स्व. कार्तिक उरांव के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. समारोह में गीताश्री उरांव ने कार्तिक उरांव के जीवन और उनके योगदान के बारे में विस्तार से बताया. उन्होंने कहा कि कार्तिक उरांव एक साधारण परिवार से आने के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर विदेश में सफल इंजीनियर बने और बाद में राजनीति में समाज कल्याण के कार्य किए. उनका सपना, समाज के लोगों को शिक्षित करना और "शक्ति निकेतन" की स्थापना आज भी अधूरा है.

दीपक ब्रदर्श व अंश क्लब कांके ने जीता पहला मैच

अनगड़ा। 20वां चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट बुधवार को अनगड़ा स्टेडियम लुपुंग में शुरू हुआ. पहले मैच में अंश क्लब कांके ने बांधगाड़ी एफसी को पेनाल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया. अंश क्लब के 10 नंबर की जर्सी वाले रोहित तिग्गा ने शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार मुख्य अतिथि वेदांत कौस्तव किंकू, प्रदेश अध्यक्ष ग्रोबॉल एसोसिएशन झारखंड ने प्रदान किया. खेल के दौरान अंश क्लब के खिलाड़ी रोहित, चेतन और रेमोश को रफ खेल के कारण येलो कार्ड दिखाया गया. दूसरे मैच में दीपक ब्रदर्श रांची ने अमित ब्रदर्श बंडामुंडा को 3-0 से हराया. दीपक ब्रदर्श की ओर से रंजीत मार्डी, लक्ष्मण लोहार और विजय हेम्ब्रम ने गोल किए. टीम के आइवरी कोस्ट के खिलाड़ी इजराइल को प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार रामकुमार दीपक, सचिव अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ रांची ने प्रदान किया. 6 नवंबर को टूर्नामेंट के अगले मैचों में केपीए पेरतोल और हाथुकोदा सत्यारी टोली तथा जशपुरिया बीएड कॉलेज बीसा और भगत इलेक्ट्रोनिक्स पारेपाट के बीच मुकाबले होंगे.

गुमला में श्रद्धा व विश्वास के साथ मना गुरुनानक देव प्रकाश पर्व

संगत ने गुरु-वाणी का श्रवण कर गुरु प्रसाद ग्रहण किया

शुभम संदेश। गुमला

गुरु नानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व पर गुमला शहर में पूरे सप्ताह भक्ति, श्रद्धा विश्वासऔर उल्लास के साथ बुधवार को सेवा व भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो गया. पांच दिनों तक प्रभातफेरी और नगर कीर्तन से शहर "वाहे गुरु" के जयकारों से गूंजता रहा. गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को जशपुर रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, गुमला में विशेष पाठ, शब्द-कीर्तन दरबार और गुरु का लंगर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में सभी वर्ग के श्रद्धालु शामिल हुए. ज्ञात हो कि भारत पाकिस्तान विभाजन उपरांत जनजातीय बहुल क्षेत्र गुमला में आए कुछ सिख परिवार यहां के लोगों के सरल और आत्मीय व्यवहार से यहीं के होकर रह गए और स्थानीय समाज के साथ मिलजुलकर रहते हुए आज भी अपनी धार्मिक परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं.

भाई जरनैल सिंह के नेतृत्व में बुधवार को गुरुद्वारे में पुरुष, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी ढोलक की थाप पर भक्ति-भाव से शब्द-कीर्तन गाते नजर आए. संगत ने गुरु-वाणी का श्रवण किया और लंगर में गुरु प्रसाद ग्रहण किया. गुरुद्वारे में आयोजित सामूहिक गुरु के लंगर में सभी जाति और धर्म के लोगों ने एक साथ एक पंक्ति में बैठकर लंगर ग्रहण किया तथा समानता और सामाजिक समरसता का सुंदर संदेश दिया. गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अनुसार, पांच दिनों तक प्रभात फेरी शहर के विभिन्न मार्गों से निकाली गईं. इसके बाद जशपुर रोड गुरुद्वारा से पालकोट रोड गुरुद्वारा तक विशाल नगर कीर्तन निकाला गया, जिसमें सजाई गई पालकी साहिब के साथ कीर्तन जत्था में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए. गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार जगजीत सिंह ने बताया कि प्रकाश पर्व का मुख्य आयोजन आज पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ. गुरुद्वारा के संरक्षक सरदार महेंद्र सिंह सचदेव, सचिव सरदार रंजीत सिंह, गुरु गोबिंद सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष जसबीर सिंह (प्रिंस), गगनदीप सिंह (रज्जी) आदि ने प्रभातफेरी और नगर कीर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

गुरुद्वारे के पाठी जरनैल सिंह ने बताया कि सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल 1469 को पंजाब के तलवंडी (अब ननकाना साहिब, पाकिस्तान) में हुआ था. उन्होंने समाज में फैली कुरीतियां, अंधविश्वास और ऊंच-नीच की भावना का विरोध करते हुए समानता, सेवा, सत्य और प्रेम का संदेश दिया. दिलदार सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने सिखाया कि ईश्वर एक है और वह सभी में विद्यमान है. मेहनत, ईमानदारी और जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची पूजा है. उनके विचार आज भी समाज को एकता, मानवता और शांति का मार्ग दिखाते हैं. गुरु पूर्णिमा महोत्सव में सरदार महेंद्र सिंह, सरदार रंजीत सिंह, जसबीर सिंह प्रिंस, गगनदीप सिंह रज्जी, सरदार गुरविंदर सिंह, सरदार मनोहर सिंह, सरदार दिलदार सिंह, प्रीतपाल सिंह, प्रीतम सिंह, अमरजीत सिंह, सिमर जीत सिंह, तथा कमलेश कौर, रविंद्र कौर, जसवंत कौर, कमलजीत कौर, कंवलजीत कौर, चरणजीत कौर, तरनजोत कौर मौजूद थे.

सिमडेगा में पहले राजकीय रामरेखा महोत्सव का शुभारंभ

सिमडेगा। प्रसिद्ध स्थल श्रीरामरेखा धाम में प्रथम राजकीय रामरेखा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ. महोत्सव का दीप प्रज्वलन धाम के अध्यक्ष अखंड दास जी महाराज, सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा, कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, उपायुक्त कंचन सिंह, पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी और उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी ने संयुक्त रूप से किया. इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत शॉल और मोमेंटो देकर किया गया तथा महोत्सव की पुस्तिका का विमोचन भी हुआ. कार्यक्रम में सरायकेला के छऊ नृत्य दल और स्थानीय नागपुरी कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से समां बाँधा. देर शाम इंडियन आइडल की शालिनी दुबे और पूजा चटर्जी ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे रामरेखा धाम भक्ति रस में डूब गया. उद्घाटन समारोह में पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, पूर्व विधायक व पूर्व उपायुक्त विजय कुमार सिंह, डीएसपी रणवीर सिंह, एसडीपीओ बैजू उरांव सहित जिले के अधिकारीगण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि धाम को राजकीय महोत्सव का दर्जा देकर सरकार ने जनभावनाओं का सम्मान किया है.

खतरनाक साबित हो सकती है परियोजना कार्यालय परिसर में टूट कर लटकी पेड़ की डाली

गुमला। स्कूली बच्चों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाने व विद्यालय परिसर को साफ व सुंदर रखने की नसीहत देने वाले अधिकारियों के कार्यालय परिसर स्वयं स्वच्छता का बाट जोह रहा है. हम बात कर रहे हैं झारखंड शिक्षा परियोजना गुमला कार्यालय का. यह कार्यालय सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय के परिसर में है. प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय के अंतर्गत उत्पादन सह प्रशिक्षण केंद्र के आवासीय भवन में झारखंड शिक्षा परियोजना का कार्यालय संचालित हो रहा है. परियोजना कार्यालय का मुख्य द्वार उतर दिशा में साफ सफाई किया जाता है लेकिन कार्यालय परिसर में पूर्व दिशा में बड़ी-बड़ी झाड़ी उग आए हैं. जो सरकारी कार्यालय भवन के खूबसूरती को बिगाड़ने और स्वच्छता अभियान का पोल खोलने के लिए काफी है. परियोजना कार्यालय के छत पर एक विशाल पेड़ की डाली टूट कर अटक गई है. अधिकारियों की यह अनदेखी बीडीओ कार्यालय या फिर सीडीपीओ कार्यालय में आने जाने वाले लोगों को भारी नुकसान पहुंचा सकता है. क्योंकि परियोजना कार्यालय से जुड़े लोग अपने कार्यालय के पीछे की ओर देखने भी नहीं जाते हैं.

महिला हैंडबॉल टीम टूर्नामेंट में भाग लेने आज दुमका रवाना होगी

लोहरदगा। झारखंड स्टेट महिला हैंडबॉल (सिनियर) प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लोहरदगा जिला की 15 सदस्यीय टीम 6 नवंबर को दुमका के लिए रवाना होगी. यह प्रतियोगिता दुमका जिला महिला हैंडबॉल संगठन की देखरेख में गांधी मैदान, दुमका में 8 एवं 9 नवंबर को आयोजित की जाएगी. टीम का नेतृत्व कोच अमरजीत उरांव और टीम मैनेजर झीला उरांव करेंगे. टीम की कप्तानी अनुराधा लकड़ा करेंगी. टीम में सुमिता उरांव, संस्कृति टोप्पो, पूजा उरांव, सुनैना कुजूर, सुष्मिता मिंज, प्रिया टोप्पो, अनुष्का रूपा मिंज, अर्पिता कुमारी, अनोखी, सीमा टोप्पो, अंशु भगत, अर्पिता और साक्षी कुमारी शामिल हैं. उल्लेखनीय है कि इस 15 सदस्यीय टीम में 13 खिलाड़ी ग्रेटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल, लोहरदगा की छात्राएं हैं. प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए विद्यालय प्रशासन और शिक्षकगण खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दे रहे हैं. विद्यालय के अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह, प्रबंधक अजातशत्रु, शिक्षण निदेशक जाह्नवी सिंह और प्राचार्य एसके झा सहित सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और अभिभावकों ने टीम को हौसला बढ़ाते हुए अच्छे परिणाम की उम्मीद जताई है.

शराब के नशे में युवक ने लगाई फांसी, मौत

गुमला। घाघरा थाना क्षेत्र के सरांगो ग्राम निवासी मनोज उरांव ने गांव स्थित डैम किनारे करंज पेड़ में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया. घटना की सूचना मिलने पर गांव वाले घटना स्थल पहुंचे. इसके बाद घटना की सूचना ग्रामीणों द्वारा पंचायत के मुखिया राजेश बड़ाइक और आदिवासी ममता जीवन दर्पण संस्था के कोषाध्यक्ष चंद्रदेव उरांव को दिया. जिसके बाद घाघरा पुलिस को जानकारी दी गई. पुलिस घटना स्थल से शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु गुमला भेज दिया. घटना के बाबत मिली जानकारी के अनुसार मनोज शराब के नशे में था और सुबह में रस्सी लेकर घूम रहा था. जिसके बाद उसकी पत्नी द्वारा रस्सी को छीना गया था।जिसके बाद पत्नी अंजली देवी अपना काम करने खेत की ओर गई।जिसके बाद थोड़े देर में मनोज घास काटने की बात अपनी मां से कह कर आज दिन के 10 बजे निकला। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा. ग्रामीणों द्वारा डैम किनारे एक व्यक्ति को पेड़ पर रस्सी के सहारे फांसी पर लटका हुआ देखा.

नामकुम प्रखंड के बंधुआ पंचायत में विधिक जागरूकता सह सहायता शिविर आयोजित

नामकुम। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची के तत्वावधान में बुधवार को पंचायत बंधुआ में विधिक जागरूकता सह सहायता शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पंचायत की मुखिया आरती देवी, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य, पीएलवी लता कुमारी, युधिष्ठिर महतो, तारा मिंज, बिनोद कच्छप, आशा कार्यकर्ता एवं एनजीओ टीम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे. शिविर में पीएलवी लता कुमारी ने ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों और निःशुल्क न्याय प्राप्ति के उपायों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से गरीब, असहाय और जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि "न्याय सबके लिए है. आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति भी अपने अधिकारों की रक्षा के लिए निःशुल्क कानूनी मदद प्राप्त कर सकते हैं."

शिविर में उपस्थित ग्रामीणों ने व्यक्तिगत और पारिवारिक समस्याओं को रखा. इनमें मुख्य रूप से जमीन विवाद, घरेलू हिंसा और नशा मुक्ति संबंधी मामले शामिल थे. मौके पर ही इन समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई की शुरुआत की गई, जबकि जमीन विवाद संबंधी आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची के सचिव के नाम भेजा गया. ग्रामीणों ने शिविर के आयोजन की सराहना की और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से जुड़कर न्याय प्राप्त करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता जताई. इस प्रकार शिविर ने ग्रामीणों में कानूनी जागरूकता बढ़ाने और अधिकारों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

क्रिकेट

ए डिविजन क्रिकेट लीग शुरू, एसपी सादिक ने खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

डायमंड क्रिकेट क्लब ने उद्घाटन मैच में दर्ज की जीत

शुभम संदेश। लोहरदगा

लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित ए डिविजन क्रिकेट लीग का शुभारंभ आज बीएस कॉलेज क्रिकेट स्टेडियम में संपन्न हुआ. उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें उत्साहवर्धन किया. उन्होंने खिलाड़ियों को निर्देश दिए कि वे पूरी लगन और मनोयोग से खेलें, क्योंकि इस लीग के प्रदर्शन के आधार पर जिला टीम में चयन संभव है और भविष्य में राज्य टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी मिल सकता है. उन्होंने स्टेडियम और स्थानीय क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर की भी सराहना की. ए डिविजन क्रिकेट लीग में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं. लीग के प्रारूप के अनुसार प्रत्येक ग्रुप से दो टीमों को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा, जबकि फाइनल मैच 22 नवंबर को खेला जाएगा.

उद्घाटन मैच डायमंड क्रिकेट क्लब और कुड़ू राइडर के बीच खेला गया. टॉस जीतकर कुड़ू राइडर ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया. निर्धारित 40 ओवर के मैच में कुड़ू राइडर की टीम 35.4 ओवर में 186 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. टीम की ओर से शुभम कुमार ने 40, विशेष कुमार ने 18 और राहुल लोहरा ने 39 रनों का योगदान दिया. गेंदबाजी में डायमंड क्रिकेट क्लब के अमन कुमार ने 3, आशुतोष ने 2 और जलेश्वर मुंडा ने 4 विकेट हासिल किए. जवाबी पारी में डायमंड क्रिकेट क्लब ने 37.4 ओवर में 3 विकेट खोकर 189 रन बनाकर 7 विकेट से जीत हासिल की. टीम की ओर से आशुतोष शर्मा ने 50, गौरव कुमार चौहान ने 54 और कृष्णा साइन ने 33 रन बनाए. कुड़ू राइडर की ओर से सुदर्शन ने 2 और राहुल लोहरा ने 1 विकेट लिया. आज के मैच के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार आशुतोष शर्मा को दिया गया. उद्घाटन समारोह में भास्कर दास गुप्ता, आलोक राय, राथीन्द्र नाथ राय, दुर्गा प्रजापति, सरोज प्रजापति, अमित कुमार और जयजीत चौबे समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे. मैच के अंपायर विराट और हिमांशु रंजन रहे. इस अवसर पर खिलाड़ियों और दर्शकों ने उत्साहपूर्वक लीग का आनंद लिया, जिससे लोहरदगा क्रिकेट के विकास की उम्मीद और बढ़ गई.

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर अखंड रामायण पाठ से बह रही है भक्ति की धारा

शुभम संदेश। गुमला

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को जवाहर नगर में आरंभ अखंड रामायण पाठ से वातावरण भक्तिमय हो गया है. आचार्य बीएन पांडेय के नेतृत्व में अपराह्न एक बजे भगवान के सभी रूपों की विधि विधान से पूजा की गई और आरती के बाद 24 घंटे का रामायण पाठ शुरु की गई. मंगल भवन अंगमल हारी, द्रवहु सुदसरथ अजिर बिहारी... चौपाई के धारा प्रवाह रामायण पाठ से वातावरण में अध्यात्म की गंगा प्रवाहित हो रहा है. इस रामायण पाठ के आयोजन में मुख्य रूप से अर्जुन पांडेय, नीलांबर साहु, धीरेंन्द्र वर्मा, सुभाष चंद्र राय, द्वारिका मिश्रा, महावीर मिश्रा, मुन्ना सारंगी, अजीत त्रिपाठी, अशोक त्रिपाठी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. आचार्य बीएन पांडेय ने बताया कि जवाहर नगर में रामायण पाठ का शुरुआत 1974 में आरंभ किया गया है और नगरवासियों के सहयोग से यह रामायण पाठ निरंतर चल रहा है. अजित ने बताया कि हवन और आरती के बाद भंडारा का आयोजन किया जाएगा.

मंथन

जीएसटी: राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता पर बड़ा आघात

अक्टूबर माह झारखंड सरकार के लिए राजस्व के लिहाज से निराशाजनक साबित हुआ है. जीएसटी काउंसिल के ताजा आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार द्वारा की गई जीएसटी दरों में कटौती का प्रतिकूल असर राज्यों की आय पर पड़ा है. अक्टूबर में झारखंड को मात्र 2,518 करोड़ की जीएसटी प्राप्त हुई, जबकि पिछले वर्ष इसी माह यह आंकड़ा 2,974 करोड़ रुपये था. यानी राज्य की कमाई में 456 करोड़ रुपये यानी 15% की भारी गिरावट दर्ज की गई है. यह स्थिति केवल झारखंड की नहीं, बल्कि देश के 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की है, जिनकी टैक्स वसूली में कमी आई है. वित्तीय दृष्टि से यह चिंताजनक संकेत है. पुडुचेरी में 24%, हिमाचल में 17% और झारखंड में 15% की कमी ने यह सवाल खड़ा किया है कि केंद्र की राजकोषीय नीतियों का बोझ आखिर क्यों राज्यों पर डाला जा रहा है? विडंबना यह है कि जहां राज्यों की आय में गिरावट दर्ज की गई, वहीं केंद्र सरकार की जीएसटी हिस्सेदारी में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई है. इससे यह धारणा और मजबूत होती है कि केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों में असंतुलन बढ़ रहा है।राज्य सरकारें अपने संसाधनों से सामाजिक कल्याण, अधोसंरचना विकास और रोजगार सृजन जैसे दायित्वों को निभाती हैं. ऐसे में राजस्व में लगातार कमी उनके विकास कार्यक्रमों को प्रभावित करेगी. जरूरत इस बात की है कि जीएसटी नीति निर्माण में राज्यों की राय को वास्तविक महत्व दिया जाए और कर-वसूली के बंटवारे को अधिक न्यायसंगत बनाया जाए. केंद्र और राज्य के बीच वित्तीय संतुलन ही सच्चे अर्थों में सहकारी संघवाद का आधार है — और यही भारतीय संघीय व्यवस्था की आत्मा भी.

नजरिया

झारखंड के सभी किसानों के जीवन में बदलाव का संकल्प

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय रबी कार्यशाला 2025-26 ने झारखंड में कृषि विकास की दिशा तय करने का मौका प्रदान किया. कृषि, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने जिस तरह अधिकारियों से कहा कि वे कम से कम 200 किसानों के जीवन में निजी प्रयास से सकारात्मक बदलाव लाएं, वह एक प्रशंसनीय पहल है. यह केवल आदेश नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन की झलक है-जहां अधिकारी मात्र योजनाओं के क्रियान्वयनकर्ता नहीं, बल्कि उनके जीवन में बदलाव लाने वाले सहयोगी बनें. ऐसे में अधिकारियों से संवेदनशीलता और तत्परता की अपेक्षा उचित है. किसानों के सामने केवल फसल का नुकसान नहीं, बल्कि आजीविका, परिवार और भविष्य की चिंता भी है. यह कार्यशाला इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इससे रबी फसल से जुड़ी नई तकनीक, बीज चयन, जल प्रबंधन और फसल सुरक्षा की जानकारी किसानों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त होगा. मंत्री द्वारा फसल बीमा और आपदा राहत को लेकर दिए गए निर्देश व्यावहारिक और समयानुकूल हैं. बीमा योजना से आच्छादित किसानों को शीघ्र मुआवजा और अन्य किसानों को आपदा प्रबंधन से राहत मिलना, सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है. उम्मीद की जा सकती है कि यह केवल योजनाओं की समीक्षा तक सीमित न रहकर, किसानों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने का माध्यम बनेगी. यदि अधिकारी और वैज्ञानिक मिलकर मंत्री के निर्देशों को मिशन मोड में लागू करें, तो झारखंड का कृषि परिदृश्य निश्चित रूप से नई ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होगा.

आदिवासी लोक के लालित्य का आलोक

डॉ मयंक मुरारी

आदिवासी लोक की मूल प्रवृत्ति ही आनंद है. आनंद का आरंभ शांति में होता है. स्थिरता में वह आरोहण करता है और सामाजिकता के संग आनंद का उत्कर्ष प्राप्त होता है. आदिवासी जीवन में लोक मंगल को अपनाया गया, उसी के अनुरूप वहां जीवन शैली विकसित होती गयी. इस आदिवासी लोक में लीन लालित्य का आलोक उनके जीवन में दर्शन होता है. आदिवासी लोक का अनुभव संसार जितना व्यापक है, उतना गहरा भी है. उनका लोक दृष्टिबोध जितना आदिम है, उतना ही नवीन भी है. वह आनंद में समूह की लय में नाचता है, गाता है और दुख में साथ-साथ रोता है. पेड़ों के गीतों में आदिवासी समाज संगीत सीखते हैं, जंगल टहनियों के जल-रक्त उनके हृदय की धड़कन के साथ धड़कता है. यही नहीं सूरज से प्रसन्न शाखाओं पर, धूप व छावं के साथ उनकी ध्वनियों की गुनगुनाहट में उतार-चढ़ाव आता है. आदिवासी विश्वदृष्टि का संदर्भ वह भौतिक संसार है, जिसमें वे रहते हैं. यही कारण है कि मैं कौन हूं? का जवाब उनकी प्रकृति से आता है.

आदिवासी लोक की मूल प्रवृत्ति ही आनंद है. इसका आरंभ शांति से होता है.

आदिवासी की पहचान का दर्शन वनस्पतियों और जीवों के हिस्से के रूप में पाते हैं. आदिवासी जीवन का लालित्य बोध में यह स्मरण किया जाता है कि अंधेरे जंगल में हर धुंध, हर उजाला और गुनगुनाता कीट आदिवासी लोगों की स्मृति और अनुभव में पवित्र है. बिना जानवर और प्रकृति के मनुष्य क्या है? आदिवासी लोक में गांव के नाम, गोत्र के नाम और जीवन की परिभाषा में पेडों, फूलों और जीव-जंतुओं के नाम की प्रमुखता होती है. आदिवासी के आधार केंद्र पहाड़ (मरांडबुरू), लुगु बुरू, सरनास्थल, जाहेर थान, नदी होते है. आदिवासी समाज में एक गीत है, जो करमा पूजा के अनुष्ठान पर गाया जाता है- सबको हम जोहार करते हैं, सबको हम गुजार करते हैं, तुम छोटा मन नहीं करना, तुम आनंदित रहना, पेड़-पौधे, घास-फूल, बांध-पोखर, नदी-नाले, सभी जीव छोटे-बड़े, मानव संतान, मानव संतति.आदिवासी नैसर्गिक उल्लास की अनुभूति करता रहा है जहां यत्र-तत्र गीत, नृत्य और संगीत दृश्यगत है. भोर हो या सांझ, पक्षियों का कलरव हो या नदियों की तरलता. आदिवासी जीवन उसमें सुखद वाद खोज लेता है. आदिवासी की गति में नृत्य और वाणी में गीत का प्रस्फुटन सहज रूप में होता रहा है. यही आदिवासियों

की वह मस्ती है जिसके रहते वे सैकड़ों किस्म के भौतिक अभावों के बावजूद जिंदगी से कभी नहीं हारते. इस अल्हड़ मस्ती में एक व्यवस्था है. इस व्यवस्था का एक लालित्य है. जंगल व पहाड़ों के बगैर आदिवासी की कल्पना नहीं की जा सकती. लालित्य के लोक की बहुआयामी मानसिकता के मूल में आदिमता की उपस्थित होती है. आदिम समाज के सामूहिक उल्लास को उनके परंपरा के संगीत में देखने को मिलता है.

आदिवासी जीवन में बांसुरी की स्वरलहरियां एक सहज स्वभाव एवं सरल पहचान का प्रतीक है. भारतीय जीवन में कला अपने लोक में लीन होती है जो कभी लोक से, कभी-कभी धरती की गंध से खिलती बारिश की बौछार से, कभी मेघों के मौसमी मुस्कान से, तो कभी जिंदगी के चेहरे पर उत्सव के रंगत से- लालित्य समूचे वितान पर फैल जाता है. आदिवासी जीवन में नदिया केवल दो किनारों के बीच बहता पानी नहीं है. यह आदिवासी लोक की पवित्रता की पुकार है, जहां अस्तित्व का उसके अद्वितीय लालित्य के साथ दर्शन होता है.

अस्तित्व के ऐसे ही स्वाभाविक लालित्य की लीलाओं में मन लगाने से अंतःप्रेरणा में आदिवासी लोक की अपूर्व दुनिया का परिचय मिलता है. आदिवासी लोक में जल संरक्षण के साथ परंपरा, आस्था और व्यवहार का लालित्यबोध होता है जो जीवन की धारा एवं स्मृति के साथ एकाकार होता है. आदिवासी की कहानी, नदी, पहाड़, जंगल और धरती की संस्कृति के साथ जुगलबंदी की कथाएं हैं. इनकी सभ्यता को

आदिवासी लोक का दृष्टि बोध जितना आदिम है, उतनी ही उसमें नवीनता है. आदिवासी लोक जब आनंद में होता है, तो समूह की लय में नाचता है. दुख में साथ रोता है. पीढ़ी दर पीढ़ी गुजरते युगों का सार उनके साथ चलता है, आरोह-अवरोह में शाश्वत सुख होता है.

जानना है तो नदी के समीप जाकर उसमें उनके अक्स को देखना होगा. मानवीय सभ्यता के वर्तमान दौर में धरती का मानचित्र बदल गये हैं, आधुनिक विकास की यात्रा ने जंगल, पहाड़ और नदियों की पहचान को सिकोड़ दिया है. इसके बावजूद इसके हृदय में एक लालित्यबोध है, जिनकी अनौपचारिक शिक्षा उनके पुरखों और प्रकृति के विविध तत्वों से मिली है. उनके देवता उनके पुरखे हैं, उनकी प्रकृति हैं, उनके जंगल, उनके पहाड़ और उनकी नदियां ही देवता है.

इनके देवता इन्हीं के जैसा निवास करते हैं, इनके जैसा ही खाते-पीते हैं और इनके ही तरह कपड़ा पहनते हैं. यहीं कारण है कि जहां आदिवासी है, वहां जंगल है, नदियां हैं, पेड़-पौधें हैं, पशु-पक्षी का बसेरा हैं और ये सब भरपूर मात्रा में है. आदिवासी सदैव ही मनुष्य, प्रकृति और सृष्टि को एकात्मता के साथ जोड़ता है, बांधता है और उनके बीच एक अंतर्संबंध देाता है. धरती हो या प्रकृति कोई उपभोग की वस्तु नहीं है. इस कारण उनके जीवन के स्पंदन और प्रकृति के लय और ताल के बीच एक सामंजस्य दिखता है. एकरूपता का दर्शन होता है. यही कारण है कि आदिवासी लोक का अनुभव जितना व्यापक है, उतना गहरा भी है.

आदिवासी लोक का दृष्टि बोध जितना आदिम है, उतनी ही उसमें नवीनता है. आदिवासी लोक जब आनंद में होता है, तो समूह की लय में नाचता है. दुख में साथ-साथ रोता है. पीढ़ी दर पीढ़ी गुजरते युगों का सार उनके साथ चलता है, जीवन के सभी आरोह-अवरोह में एक लालित्य का शाश्वत सुख होता है.

आदिवासी लोक के पास हरएक व्यक्ति के शोक को सोख लेने की स्याहसोखता है. उसके पास वह ऊष्मा है, जो निराशा और अवसाद को भी हरा देता है. प्रकृति को जीवन में, जीवन को चेतना में, चेतना को धर्म में, धर्म को उनके कर्म में, कर्म को उनकी निष्ठा में और निष्ठा को उनकी आस्था में स्थापित करने वाला लालित्य का आलोक ही आदिवासी जीवन की विशेषता है. यही उनकी मूल खासियत है.

आज का इतिहास

1763: ब्रिटिश फौज ने मीरकासिम को हरा कर पटना पर कब्जा किया.
1860 : अमेरिका के लोगों ने अब्राहम लिंकन को देश का राष्ट्रपति चुना.
1913 : दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ गांधी ने 'द ग्रेट मार्च' का नेतृत्व किया.
1917 : रूसी क्रांति के दूसरे दौर की शुरुआत.
1937 : देश के नौकरशाह और राजनीतिज्ञ यशवंत सिन्हा का पटना में जन्म.
1956 : मित्र देशों का स्वेज नहर पर कब्जा. ब्रिटेन और फ्रांस ने मिस्र के खिलाफ स्वेज नहर युद्ध में जीत दर्ज की.
1985 : अभिनेता संजीव कुमार का निधन. खिलौना, आंधी, मौसम व अंगूर फिल्मों में उनके अभिनय की सराहना हुई.
1990 : नवाज शरीफ़ पाकिस्तान के पीएम बने. वह 1993 तक इस पद पर रहे.
2014 : सचिन तेंदुलकर की आत्मकथा 'प्लेइंग इट माई वे' का विमोचन.

शिकायत तो सभी करते हैं, समाधान ढूंढ़ लीजिए

चिंतन

जंगल के गांव में दुखिया और सुखिया नाम के दो लकड़हारे रहते थे. एक दिन जब वे जंगल में लकड़ियां काटने गए तो देखा, तस्कर बहुत सारे पेड़ काट कर बड़े-बड़े ट्रकों में लकड़ियां भर रहे थे. दुखिया क्रोधित हो गया, देख सुखिया इन तस्करों ने मैं छोड़ूंगा नहीं. मैं गांव में इसकी शिकायत करूंगा क्या तुम भी मेरे साथ चलोगे. तुम चलो मैं आता हूं. दुखिया बोला-जो मन करे वो करो. मैं तो चला. फ़ौरन दुखिया गांव के प्रधान के पास जा कर बोला, उन दुष्टों ने सैकड़ों पेड़ काट डाले. उन्हें सजा मिलनी चाहिए. उनका पता लगाइए. उन्हें पुलिस के हवाले करिए. गांव वाले भी क्या करते उसकी बात सुनते और अपने काम में लग जाते. ये सब करते शाम हो गयी और दुखिया अपने घर लौट आया. अगली सुबह वह फिर सुखिया के पास गया और कहा, आज मैं इसकी शिकायत करने थाने जा रहा हूं. क्या तुम नहीं चलोगे? मैं चलना तो चाहता हूं पर नहीं चल सकता? सुखिया बोला.समझ गया. मैं अकेले ही चला जाता हू. और दुखिया वहां से निकल गया. अगली सुबह दुखिया ने सोचा कि इसको लेकर धरना दिया जाए. और वह सुखिया के घर पहुचा. दुखिया ने सुखिया को आवाज़ दी. बापू जंगल गए हैं. अंदर से आवाज़ आई. दुखिया सोचने लगा कि अब जब हमारे मतलब के पेड़ ही नहीं रहे तो सुखिया जंगल में क्या करने गया है. वह सुखिया को बुलाने जंगल की ओर बढ़ गया.वहां उसने देखा कि सुखिया उस जगह को साफ़ कर उसमें नए पेड़ लगा रहा है. दुखिया बोला, ये क्या कर रहे हो? तुम नए पेड़ लगा रहे हो? क्योंकि बस शिकायत करने से पेड़ वापस नहीं आ जाएंगे. सुखिया बोला.

दोस्तों, कुछ बुरा होने के बाद जो काम सबसे आसान होता है वो है शिकायत करना. और शायद इसीलिए हर कोई इस आसान काम को करने में ही लगा रहता है. कुछ हद तक ऐसा करना सही भी लगता है पर समस्या ये है कि हम बस यही करने में अपनी पूरी ताकत, अपना पूरा फोकस लगा देते हैं. हम ये नहीं सोचते की जो समस्या पैदा हुई है उसके समाधान में हम खुद क्या कर सकते हैं. क्या गली में कचरा फैलने पर हम खुद एक डस्टबिन लगा सकते हैं? क्या ट्रैफिक जाम कम करने के लिए हम कार की जगह मेट्रो से जा सकते हैं? क्या जंगल कटने पर हम पेड़ लगा सकते हैं?

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #GuruNanakJayanti
2. कार्तिक पूर्णिमा
3. #ZohranMamdani
4. गुरु नानक देव
5. New York
6. #KartikPurnima
7. #ChikiriChikiri
8. सिख धर्म
9. #दिव्य_धर्मयज्ञ_दिवस
10. Sant RampalJi YtLive

बहुरंग

'बाहुबली द एपिक' की कमाई गिरी, 'द ताज स्टोरी' की हालत भी खराब

31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज हुईं दो बड़ी फिल्में प्रभास और एसएस राजामौली की जोड़ी वाली 'बाहुबली द एपिक' और परेश रावल की 'द ताज स्टोरी' अब बॉक्स ऑफिस पर अपने-अपने प्रदर्शन को लेकर चर्चा में हैं. शुरुआती वीकेंड में जहां 'बाहुबली द एपिक' ने जबरदस्त ओपनिंग की थी, वहीं पांचवें दिन आते-आते इसकी कमाई में भारी गिरावट देखने को मिली है. गिरावट की ओर 'बाहुबली द एपिक'रिलीज के पांच दिन बाद 'बाहुबली द एपिक' का बॉक्स ऑफिस ग्राफ नीचे जाता दिखाई दे रहा है. सोमवार को फिल्म ने करीब 1.75 करोड़ की कमाई की थी, जबकि मंगलवार को यह घटकर 1.65 करोड़ रह गई. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक लगभग 27.75 करोड़ तक पहुंचा है. यह आंकड़ा उम्मीदों के मुकाबले काफी कम माना जा रहा है. करीब 3 घंटे 45 मिनट लंबी इस फिल्म में 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' के अनदेखे दृश्यों को जोड़ा गया है, लेकिन दर्शकों का उत्साह अब ठंडा पड़ता दिख रहा है. दूसरी तरफ परेश रावल की 'द ताज स्टोरी' ने भी बॉक्स ऑफिस पर अब तक मामूली प्रदर्शन किया है. फिल्म ने पहले दिन एक करोड़ कमाए थे, जबकि रविवार को छुट्टी के कारण तीसरे दिन इसका कलेक्शन 2.75 करोड़ तक पहुंच गया. हालांकि, चौथे दिन यह घटकर 1.06 करोड़ और पांचवें दिन 1.35 करोड़ रह गया. अब तक कुल कारोबार 8.16 करोड़ के करीब है, जबकि इसका बजट 25-30 करोड़ बताया गया है. दोनों फिल्मों के लिए चुनौती भरे दिन आगेइन आंकड़ों से साफ है कि 'बाहुबली द एपिक' की चमक धीरे-धीरे फीकी पड़ रही है और 'द ताज स्टोरी' भी दर्शकों का खास ध्यान खींचने में असफल साबित हो रही है. अब देखना होगा कि वीकडेज के बाद वीकेंड पर क्या दोनों फिल्मों को दर्शकों का फिर से साथ मिलेगा या नहीं.

'बॉर्डर 2' से वरुण का फर्स्ट लुक आया सामने

देशभक्ति की भावना से लबरेज 'बॉर्डर' जब 1997 में आई थी, तो उसने हर भारतीय के दिल में देश के लिए गर्व और भावनाओं की लहर जगा दी थी. अब उसी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाने के लिए 'बॉर्डर 2' की तैयारी जोर-शोर से चल रही है. सनी देओल की वापसी के बाद अब फिल्म से वरुण धवन का पहला लुक सामने आया है, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है. वरुण धवन का जोश भरा लुकजारी पोस्टर में वरुण धवन सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं. गंभीर चेहरे के साथ हाथ में हथियार थामे उनका फौजी अवतार दर्शकों को रोमांचित कर रहा है. इस बार वरुण सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि एक सैनिक के साहस, जज्बे और जंग के जुनून को जीते दिखाई देंगे. सोशल मीडिया पर उनके इस पोस्टर को लेकर जबरदस्त चर्चा है और फैन्स फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म में कई कलाकार'बॉर्डर 2' में सनी देओल और वरुण धवन के साथ दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम बाजवा जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. फिल्म को भूषण कुमार और जे.पी. दत्ता ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि निर्देशन की कमान 'केसरी' फेम अनुराग सिंह ने संभाली है. देशभक्ति के रंग में डूबी यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस वीकेंड पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी. जे.पी. दत्ता की बेटी निधि दत्ता ने इसकी कहानी लिखी है. बॉर्डर को जे.पी. दत्ता ने ही निर्देशित किया था, जिसमें सनी देओल, सुनील शेट्टी, अक्षय खन्ना और जैकी श्रॉफ जैसे कलाकारों ने यादगार प्रदर्शन दिया था.

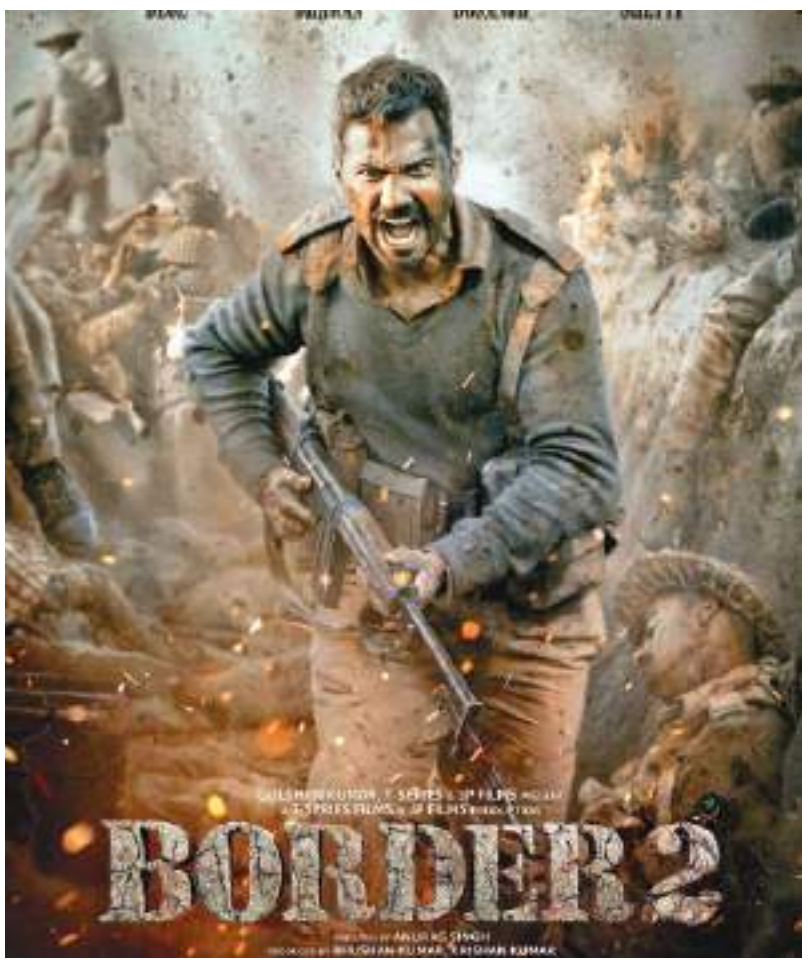

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे. शुभांक-2-4-6

वृष : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. शुभांक-2-4-5

मिथुन : राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. नैतिक दायरे में रहें. मेहमानों का आगमन होगा. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. शुभांक-6-8-9

कर्क : आय के अच्छे योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग हैं. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. आत्मङ्क्षचतन करें. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे. शुभांक-3-6-8

सिंह : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्घ होंगे. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. माता पक्ष से विशेष लाभ. पुराने मित्र से मिलन होगा. विवाद को टालें. शुभांक-3-5-7

कन्या : आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे. बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी. शुभांक-1-4-6

तुला : आलस्य का त्याग करें. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. शुभांक-4-7-8

वृश्चिक : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शुभांक-2-5-7

धनु : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा. शुभांक-3-6-8

मकर : जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है. श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे. आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी. कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है. नियोजित धन से लाभ होने लगेगा. घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी. शुभांक-3-5-7

कुंभ : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शुभांक-3-5-7

मीन : संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. व्यापार में वृद्घि व उत्तम लाभ मिलेगा. बुद्घि, बल व पराक्रम सफल होगा. नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी. यश-प्रतिष्ठा में वृद्घि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है. इच्छित कार्य सफल होंगे. शुभांक-3-5-7

'इंस्पेक्शन बंगलो' डर, रहस्य और हंसी का अनोखा संगम

14 नवंबर से जी 5 पर प्रीमियर

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री इस साल के अंत में दर्शकों के लिए एक नई और रोमांचक वेब सीरीज लेकर आ रही है, जिसका नाम है 'इंस्पेक्शन बंगलो'. यह हॉरर और कॉमेडी का अनोखा मिश्रण है, जो दर्शकों को डराने के साथ-साथ हंसाने का भी वादा करता है. मशहूर एक्टर दिलीप ने मंगलवार को इस सीरीज का ट्रेलर लॉन्च किया, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को दोगुना कर दिया है. इस सीरीज का निर्देशन सैजू एस एस ने किया है, जो मलयालम सिनेमा के जाने-माने निर्देशक हैं. वहीं, इसमें लीड रोल में नजर आएंगे प्रतिभाशाली एक्टर शबरीश वर्मा, जो सब-इंस्पेक्टर विष्णु का किरदार निभा रहे हैं. सीरीज का निर्माण वीना नायर के प्रोडक्शन हाउस 'ए वीना नायर प्रोडक्शंस' के तहत हुआ है, जबकि इसकी कहानी सुनीश वरनाद ने लिखी है.

निर्माताओं का दावा है कि 'इंस्पेक्शन बंगलो' केरल की पहली पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर सीरीज है. कहानी एक पुलिस स्टेशन से शुरू होती है, जहां रहस्यमय और डरावनी घटनाएं घटती हैं. इन घटनाओं के चलते वास्तविकता और भय की दुनिया के बीच की सीमा धुंधली होने लगती है. सीरीज का घटनास्थल अरवंगड गांव है, जहां सब-इंस्पेक्टर विष्णु को अपने पुलिस स्टेशन को एक पुराने सरकारी बंगले, जिसे स्थानीय लोग 'इंस्पेक्शन बंगलो' कहते हैं, में शिफ्ट करने का जिम्मा मिलता है. शुरुआत में यह काम साधारण लगता है, लेकिन जल्द ही वहां अजीब घटनाएं और मौतें होने लगती हैं. विष्णु अपने डर से जूझते हुए पैरानॉर्मल रिसर्चर मैथिली के साथ मिलकर रहस्य की परतें खोलने निकल पड़ता है.

बॉक्स ऑफिस रिव्यू

दिल्ली क्राइम सीजन 3' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

हुमा कुरैशी के खौफनाक किरदार ने मचाई सनसनी

ओटीटी की दुनिया की चर्चित क्राइम वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी करने जा रही है. मंगलवार को इसका ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मच गया. इस बार कहानी और भी गहरी, डरावनी और रोमांचक नजर आ रही है. जहां पिछले दो सीजन में शेफाली शाह, राजेश तैलंग और रसिका दुग्गल ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता था, वहीं इस बार ट्रेलर पूरी तरह हुमा कुरैशी के नाम है. ट्रेलर की शुरुआत में हुमा कुरैशी एक मासूम बच्ची के साथ खेलती दिखती हैं, लेकिन जल्द ही यह मासूमियत डर में बदल जाती है. इस बार कहानी ह्यूमन ट्रैफिकिंग के भयानक रैकेट पर आधारित है. डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी (शेफाली शाह) और उनकी टीम को हथियारों की ट्रैकिंग के दौरान एक शिपमेंट मिलता है, जिसमें 30 नाबालिग लड़कियां कैद होती हैं. जांच आगे बढ़ने पर पता चलता है कि यह नेटवर्क न केवल दिल्ली, बल्कि देश की सीमाओं के पार तक फैला हुआ है. इन सबके पीछे है एक खौफनाक नाम – 'बड़ी दीदी', जिसे हुमा कुरैशी ने निभाया है. 'दिल्ली क्राइम सीजन 3' का निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है, जबकि इसे गोल्डन कारवां और एसके ग्लोबल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है. नेटफ्लिक्स ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, "एक ऐसा केस जो तर्क से परे है. एक ऐसा अपराधी जिसकी कोई सीमा नहीं.

कमरों के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा होटल 7 हजार कमरे और इनडोर थीम पार्क भी

कुआलालाम्पुर 7 दुनियाभर में कई भव्य और लग्जरियस होटल बने हैं। ऐसा ही एक भव्य होटल मलेशिया में स्थित है। इस होटल का नाम फर्स्ट वर्ल्ड होटल है। इस होटल की खासियतों की बात करें तो यह कमरों की संख्या के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा होटल माना जाता है। इस होटल में 7 हजार से भी ज्यादा कमरे बनाए गए हैं। अगर सभी कमरों की बुकिंग ले जाए तो इस होटल में एक साथ 14 हजार से ज्यादा यात्री रह सकते हैं।

पहाड़ी पर बना है यह होटल

यह होटल मलेशिया की तितिवांग्सा पाड़ी पर घने वर्षावनों के बीच स्थित है। इस होटल से शानदार प्राकृतिक नजारे भी देखे जा सकते हैं। फर्स्ट वर्ल्ड होटल एक थ्री-स्टार दर्जा प्राप्त होटल है। मूल रूप से यह होटल 28 फ्लोर वाले दो टावरों में फैला हुआ है और इसे इंद्रधनुष के रंगों की तरह रंगा गया है। इस होटल को एशिया के लॉस वेगास नाम से भी जाना जाता है। इस होटल का पहला चरण 2001 में पर्यटकों के लिए खोला गया था। वहीं साल 2016 में इसके दूसरे चरण का काम पूरा हो गया था। कुआलालांपुर एयरपोर्ट से यह होटल 100 किमी दूर स्थित है।

खाने व एंटरटेनमेंट की मिलती है अच्छी खासी वैरायटी

इस होटल की खास बात यह भी है कि पर्यटकों के लिए इसके अंदर एक इनडोर थीम पार्क स्काईट्रोपोलिस फनलैंड भी बनाया गया है।

इस थीम पार्क में आकाश झूले, सुपर ग्लाईडर रोलर कोस्टर सहित 20 से ज्यादा राइड्स है। पर्यटक इसके साथ ही यूरोपियन स्टाइल स्नो वर्ल्ड, इग्लू और कल्चरल एक्टिविटीज का मजा भी ले सकते हैं। होटल में पर्यटकों के खाने ब्रेकफास्ट के लिए एक फुड फैक्ट्री चलाई जाती है। कई इनडोर स्विमिंग पूल्स के साथ ही यहां एक जंगल थीम लॉबी, शॉपिंग मॉल्स और 50 से ज्यादा रेस्तरां व कैफे भी स्थित हैं। गोल्फ कोर्स, टेनिस कोर्ट, सिनेमा, जिम आदि सुविधाओं से भी यह होटल सुसज्जित है। केक, पेस्ट्री और आइसक्रीम के लिए होटल में द जंक्शन नामक खास आकर्षण विकसित किया गया है, जहां सैकड़ों तरह की पेस्ट्रीज और आइसक्रीम मिलती है। एक पर्यटक ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह होटल बहुत ही कूल है और यहां एक मिलियन से भी ज्यादा खाने और एंटरटेनमेंट के विकल्प मौजूद हैं। इस होटल में स्टैंडर्ड, डीलक्स और वर्ल्ड क्लब रूम बनाए गए हैं। गेस्ट होटल में घूमने के साथ ही यहां पास में बने फर्स्ट वर्ल्ड कॉम्प्लेक्स में भी घूम सकते हैं।

सऊदी अरब के मक्का में स्थित है दुनिया की सबसे बड़ी घड़ी

मक्का सऊदी अरब में दुनिया की सबसे बड़ी घड़ी लगी है जिसे बनाने में 10 वर्ष लगे थे। यह घड़ी अबराज अल बैत टॉवर पर लगी है जिसे अबराज अल बैत क्लॉक और मक्का रॉयल क्लॉक टॉवर कहा जाता है और यह घड़ी 25 किलोमीटर की दूरी से भी देखी जा सकती है। इसे 24 कैरेट गोल्ड से सजाया गया है।

सऊदी अरब के मक्का शहर में दुनिया की सबसे बड़ी घड़ी बनाई गई है। इस घड़ी का नाम अबराज अल बैत क्लॉक है। इस घड़ी को बनाने की शुरुआत साल 2002 में हुई थी और यह 10 साल बाद 2012 में बनकर तैयार हुई थी।

यह दुनिया का सबसे बड़ा क्लॉक टावर है। इसे बनाने में 123 करोड़ रुपए का खर्च आया था। इसके अलावा अबराज अल बैत क्लॉक टावर दुनिया में बुर्ज खलीफा और शंघाई टॉवर के बाद तीसरी सबसे ऊंची बिल्डिंग है। इस पर लगी घड़ी जमीन से 451 मीटर की ऊंचाई पर है, जो इसे दुनिया की सबसे ऊंची घड़ी बनाता है। यह लंदन में स्थित बिग बैन क्लॉक टावर में लगी घड़ी से 4 गुना बड़ी है। घड़ी को 24 कैरेट गोल्ड और 20 लाख एलईडी लाईट्स से सजाया गया है।

टेढ़े-मेढ़े पेड़ों के लिए जाना जाता है पोलैंड का क्रूक्ड जंगल

विश्व का लगभग हर कोना किसी ना किसी रहस्यमयी कहानियों के लिए जरूर फेमस है। जैसे-पेरू में मौजूद नाज़का लाइन्स, स्कॉटलैंड में मौजूद लॉक नेस और बरमूडा ट्रायंगल आदि कई जगह इस लिस्ट में शामिल हैं। विश्व में मौजूद कुछ रहस्यमयी जगहों के बारे में पढ़ने और सुनने के बाद व्यक्ति कुछ समय के लिए सोच में पड़ जाता है। मध्य यूरोपीय देश पोलैंड में मौजूद ग्रेकाइनो का जंगल किसी रहस्यमयी कहानी से कम नहीं है। पोलैंड में मौजूद पोलैंड का क्रूक्ड जंगल यानी टेढ़े-मेढ़े पेड़ों के लिए जाना जाता है।

पोलैंड का क्रूक्ड जंगल

पोलैंड में मौजूद जिन टेढ़े-मेढ़े पेड़ों के बारे में बात कर रहे हैं वो ग्रेकाइनो के जंगल में मौजूद है। इस जंगल में लगभग 400 ऐसे पेड़ हैं जो अपनी अद्भुत आकृति के लिए पूरी दुनिया में फेमस हैं। क्रूक्ड जंगल में जो पेड़ टेढ़े-मेढ़े हैं उनमें से अधिकतर पेड़ चीड़ के हैं। कहा जाता है कि ये सारे पेड़ एक खास तरह से मुड़े हुए हैं। इनमें से कई पेड़ 90 डिग्री तक मुड़े हुए हैं।

क्रूक्ड जंगल में इन पेड़ों को कब लगाया था?

क्रूक्ड जंगल में इन पेड़ों को कब लगाया गया था यह भी एक रहस्यमयी कहानी से कम नहीं है। माना जाता है कि इन पेड़ों को द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत से पहले लगाया गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर आज तक इस जंगल में मौजूद सभी पेड़ एक अलग ही आकृति में मौजूद हैं।

पेड़ों के 90 डिग्री मुड़ने की कहानी

क्रूक्ड जंगल में मौजूद पेड़ कब और कैसे मुड़े, इसके पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। कई लोगों का मानना है कि इस जंगल में मौजूद पेड़ गुरुत्वाकर्षण बल की वजह से ऐसे हो जाते हैं। इस जंगल में मौजूद टेढ़े-मेढ़े पेड़ों को लेकर एक अन्य कहानी है कि पेड़ों को झुकाने में दूसरे ग्रहों से आए लोगों की भूमिका हो सकती है। हालांकि, अभी तक सही वजह किसी को मालूम नहीं चला है।

बेहद खूबसूरत लगते हैं

कहा जाता है कि इस जंगल में मौजूद पेड़ लगभग 3 से 9 फुट मुड़े रहने के बाद फिर ऊपर की तरफ बढ़ते हैं। यहां मौजूद सभी पेड़ देखने में भी काफी सुंदर तो लगते हैं, लेकिन कई सैलानी डर की वजह से इस जंगल में घूमने नहीं पहुंचते हैं।

पेड़ों के ऐसा होने की क्या वजह?

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि कोई नहीं जानता कि इन पेड़ों का इतना अनोखा आकार क्यों है और कैसे वे उगे है, हालांकि पेड़ों के ऐसे आकार के होने के पीछे कई थ्योरिज है, जिनमें से एक के अनुसार, ये है कि पेड़ अपनी प्रारंभिक अवस्था में भारी बर्फ के नीचे दब गए थे, जिसकी वजह से इनके नॉर्मल बढ़ने का तरीका प्रभावित हुआ. दूसरी थ्योरी कहती है कि इस जंगल में एक खास तरीके का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव पाया जाता है, उसकी वजह से ही ये पेड़ इस तरह से उगे हैं.

एक तीसरी थ्योरी कहती है कि यहां के पेड़ों में कुछ जेनेटिक बदलाव हुए हैं, हालांकि, एक स्पष्टीकरण से पता चलता है कि जंगल में रहने वाले लोगों ने 1925-1928 में पेड़ों को लगाने के बाद उन्हें आकार दिया, जाहिर है, वे मुड़ी हुई आकृतियों से फर्नीचर बनाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने इन पेड़ों को इस तरह से मोड़ दिया, जिस वजह से बाद में ये पेड़ इस तरह के अजीबगरीब आकार में बढ़े हुए हैं.

बाकी जंगलों से अलग

यह जंगल दुनिया के बाकी जंगलों से काफी अलग है। यह अपने भयानक पेड़ों की वजह से नहीं बल्कि झुकने वाले पेड़ों की वजह से जाना जाता है। इस जंगल में पेड़ों की खासियत यह है कि ये समकोण यानी कि 90 डिग्री तक झुके हुए हैं। ये तीन से नौ फुट तक बढ़ने के बाद मुड़ते हैं। जो देखने में काफी रोचक और रहस्यमयी लगते हैं। पोलैंड का ये क्रूक्ड जंगल अपने इस रहस्यमयी पेड़ों की वजह से काफी चर्चा में रहता है। इस जंगल के इन पेड़ों को लेकर कहा जाता है कि ये द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत से पहले लगाये थे।

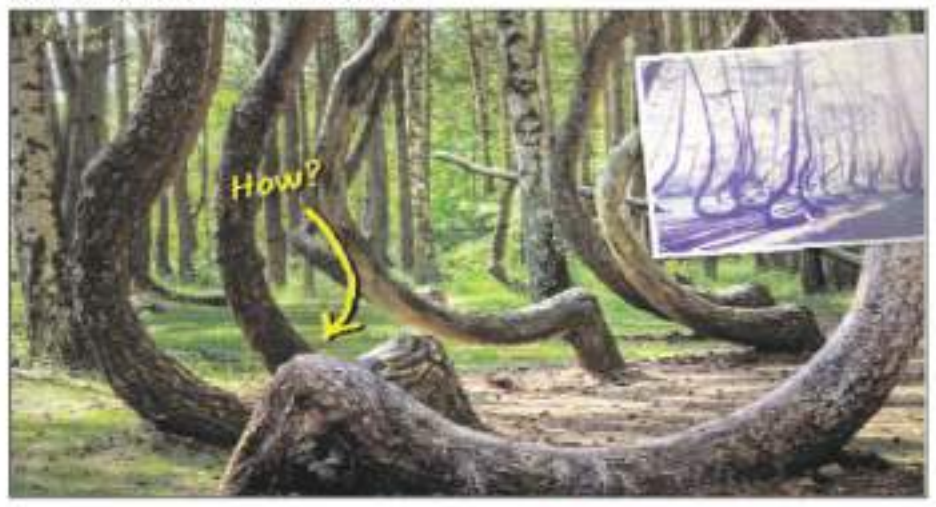

अजब-गजब की दुनिया काफी विचित्र है। इसमें जहां इंसानों में कई अटपटी चीजें देखने को मिलती है, वहीं कुछ मौकों पर कुदरत पेड़-पौधों को भी रहस्यमयी बना देती है। आज हम आपको बताने जा रहे है प्रकृति के ऐसे ही अद्भुत कमाल के बारे में। ये है पोलैंड का क्रूड जंगल। यहां करीब 400 पेड़ समकोण (90 डिग्री) पर मुड़े हुए हैं। यह जंगल नोवे सजारनोवो गांव के पास स्थित है। इन पेड़ों को द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत से पहले लगाया गया था। सभी पेड़ एक खास तरीके से मुड़े हुए हैं। ये आधार से 90 डिग्री पर मुड़ जाते हैं और तीन से नौ फुट तक ऐसे ही रहने के बाद फिर ऊपर की तरफ बढ़ते हैं। पेड़ों के ऐसे रूप के पीछे कई कारण बताए जाते हैं। कोई कहता है कि दूसरे ग्रहों से आए प्राणियों ने ऐसा किया है, तो कुछ का कहना है कि यहां गुरुत्वाकर्षण बल (ग्रेविटेशनल फोर्स) धरती की दूसरी जगहों से ज्यादा है। यह भी माना जाता है कि यहां कुछ लोगों ने पौधे लगाए थे, उसके कुछ समय बाद ही दूसरा विश्वयुद्ध शुरू हो गया था। इस दौरान वहां से गुजरने वाले टैंकों के प्रभाव से पेड़ मुड़ गए।

दुनिया का सबसे बड़ा ओपन एयर म्यूजियम

तरकर दुनिया के सबसे बड़े ओपन एयर म्यूजियम मुआंग बोरान की है। यह संग्रहालय थाईलैंड में स्थित है। इस संग्रहालय में थाई वास्तुकला की सबसे महत्वपूर्ण प्राचीन खंडहरों के मॉडल और प्रसिद्ध स्मारकों की प्रतिकृतियां रखी हुई हैं। यह म्यूजियम लगभग 300 एकड़ में फैला हुआ है। यह संग्रहालय इतना बड़ा है कि इसमें 250 से ज्यादा फुटबॉल के मैदान बनाए जा सकते हैं। यह संग्रहालय 116 मूर्तियों से सजा हुआ है। यहां 250 टन वजनी तीन सिर वाले हाथी की मूर्ति सबसे प्रसिद्ध है। पार्क का निर्माण 1972 में लेक थिरियाफन ने किया था, जो एक धनी कला-प्रेमी व्यवसायी थे। उनका इरादा कुछ सबसे पारंपरिक थाई इमारतों के लघु चित्रों से घिरा एक गोल्फ कोर्स बनाना था, लेकिन काम के दौरान उन्होंने परियोजना के दायरे को संशोधित करके एक ऐसा स्थान बनाया जो राष्ट्र की कलात्मक और सांस्कृतिक स्मृति को संरक्षित करता है।

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट फाइनल 8 नवंबर को

चौपारण (हजारीबाग)। डुमरी बच्छई में आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 अपने निर्णायक चरण में पहुँच गया है. गुरुवार, 6 नवंबर को चौथा राउंड खेला जाएगा, जिसमें दो महत्वपूर्ण मुकाबले होंगे. पहला मुकाबला ओबरा और बेलाही के बीच दोपहर 2:30 बजे, जबकि दूसरा लराही और हजारी के बीच 3:30 बजे निर्धारित किया गया है. आयोजन समिति ने सभी टीम प्रबंधकों और खिलाड़ियों से समय पर उपस्थित होने का अनुरोध किया है और स्पष्ट किया है कि केवल पंजीकृत खिलाड़ी ही मैदान में उतर सकेंगे. ग्राम पंचायत मुखिया वीरेंद्र रजक ने कहा कि टूर्नामेंट का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं में खेल भावना विकसित करना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे लाना है. समिति के अनुसार फाइनल मुकाबला 8 नवंबर को होगा.

शुभमन गिल की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम में उपकप्तान ऋषभ पंत की वापसी

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के लिए टीम इंडिया का ऐलान

एजेंसियां। मुंबई

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान बुधवार को कर दिया गया. शुभमन गिल की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम में उपकप्तान ऋषभ पंत की वापसी हुई है. पंत पहले वेस्टइंडीज दौरे पर चोट के कारण बाहर रहे थे. इंग्लैंड दौरे के दौरान मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट में पंत चोटिल हो गए थे, जिसके चलते उन्हें वेस्टइंडीज टेस्ट श्रृंखला में मौका नहीं मिला था. हालांकि अब पंत पूरी तरह फिट हैं और शानदार फॉर्म में लौटे हैं. पंत ने दक्षिण अफ्रीका ए टीम के खिलाफ जारी चार दिवसीय टेस्ट श्रृंखला में कप्तान के रूप में प्रदर्शन किया. पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 90 रन बनाकर उन्होंने टीम की जीत सुनिश्चित की थी. इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें मुख्य टीम में जगह दी गई. उनके साथ ध्रुव जुरेल भी टीम में शामिल हैं.

भारतीय टीम में तेज गेंदबाज आकाश दीप की भी वापसी हुई है. उन्हें वेस्टइंडीज दौरे के लिए नहीं चुना गया था, लेकिन घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद टीम में शामिल किया गया. इसके अलावा, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन, वाशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी ने अपनी जगह बनाए रखी है.

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट 14 नवंबर से कोलकाता में और दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा.

भारतीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर, उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप.

साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए भारत ए टीम का भी ऐलान किया गया है. तिलक वर्मा को कप्तानी और ऋतुराज गायकवाड़ को उपकप्तानी मिली है.

भारत ए टीमः तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन (विकेटकीपर), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, विप्रज निगम, मानव सुथार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर).

इस ऐलान के साथ ही टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चुनौतीपूर्ण टेस्ट श्रृंखला के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही है.

हांगकांग सिक्सेज के लिए टीम इंडिया का ऐलान

एजेंसियां। हांगकांग

क्रिकेट हांगकांग चाइना ने हांगकांग सिक्सेज़ 2025 टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया की घोषणा कर दी है. टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा. भारतीय टीम की कमान अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को सौंपी गई है, जो अपने शांत स्वभाव और कठिन परिस्थितियों में समझदारी भरे निर्णयों के लिए जाने जाते हैं. टीम में अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन संतुलन देखने को मिलेगा. रॉबिन उथप्पा, जिन्होंने पिछले वर्ष टीम इंडिया की कप्तानी की थी, इस बार भी स्क्वाड का हिस्सा हैं. 2007 के टी20 विश्व कप विजेता उथप्पा ने 2024 संस्करण में ओमान के खिलाफ मात्र 13 गेंदों पर 52 रन की विस्फोटक पारी खेली थी और पूरे टूर्नामेंट में सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों में शामिल रहे थे. उनका अनुभव और आक्रामक खेल भारतीय टीम की बल्लेबाजी को मजबूती देगा.

भरत चिपली, जो पिछले वर्ष भारत के शीर्ष स्कोरर रहे थे, टीम में अपनी जगह बनाए हुए हैं. 42 वर्षीय चिपली ने 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 गेंदों पर नाबाद 53 रन की शानदार पारी खेली थी और पूरे टूर्नामेंट में 156 रन बनाए थे. उनकी पावर हिटिंग और तजुर्बा टीम के लिए अमूल्य साबित होगा. स्टुअर्ट बिन्नी टीम के मुख्य ऑलराउंडर होंगे. भारत के लिए टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों प्रारूपों में खेलने वाले बिन्नी बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने में सक्षम हैं.

विश्व कप ट्रॉफी का टैटू बांह पर बनवाया हरमनप्रीत ने

एजेंसियां। नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने हाल ही में हुए महिला वनडे विश्व कप 2025 की ऐतिहासिक जीत को हमेशा के लिए यादगार बना लिया है. उन्होंने अपनी बांह पर विश्व कप ट्रॉफी का टैटू बनवाया है, जो इस गौरवशाली क्षण की याद को हमेशा उनके साथ रखेगा.

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने 2 नवंबर को इतिहास रचते हुए दक्षिण अफ्रीका को फाइनल मुकाबले में 52 रन से हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप खिताब जीता. यह जीत भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास का सुनहरा अध्याय बन गई. टीम और देश के लिए यह वह सपना था, जिसे लंबे समय से देखा जा रहा था, और अब खिलाड़ी उस गौरवपूर्ण क्षण को हर दिन महसूस कर रही हैं.

हरमनप्रीत कौर ने अपने टैटू में न केवल विश्व कप ट्रॉफी का डिज़ाइन बनवाया, बल्कि उसके नीचे '2025' और '52' भी गुदवाए हैं, जो इस ऐतिहासिक साल और फाइनल में मिली 52 रन की जीत का प्रतीक हैं. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर टैटू की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, "यह ट्रॉफी अब हमेशा मेरी त्वचा और दिल में बस गई है. पहले दिन से इसका इंतजार कर रही थी, और अब हर सुबह इसे देखकर आभारी महसूस करूंगी."

विश्व चैंपियन बनने के बाद हरमनप्रीत ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था कि सपनों को देखना कभी नहीं छोड़ना चाहिए. बीसीसीआई द्वारा साझा की गई एक वीडियो में उन्होंने कहा, "आपको नहीं पता कि कब और कहां आपका सपना सच हो जाए. मैंने बचपन में भारतीय जर्सी पहनने और विश्व कप जीतने का सपना देखा था, और आज वह सपना साकार हुआ."

भारत की यह ऐतिहासिक जीत महिला क्रिकेट इतिहास में एक नए युग की शुरुआत है. भारत वनडे विश्व कप जीतने वाली दुनिया की चौथी टीम बन गई है. इससे पहले ऑस्ट्रेलिया (7 बार), इंग्लैंड (4 बार) और न्यूजीलैंड (1 बार) ने यह खिताब जीता था. हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने अब भारत का नाम इस गौरवशाली सूची में दर्ज करा दिया है, जिससे पूरे देश को गर्व महसूस हुआ है.

टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में

एफआईएच हॉकी जू. विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण

एजेंसियां। चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को चेन्नई स्थित सचिवालय में एक भव्य समारोह के दौरान एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की प्रतिष्ठित ट्रॉफी का अनावरण किया. यह आयोजन भारतीय हॉकी के लिए गर्व का क्षण रहा, जिसमें राज्य सरकार और हॉकी इंडिया के शीर्ष अधिकारी मौजूद थे.

एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 का आयोजन 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होगा. यह पहली बार होगा जब टूर्नामेंट में 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे प्रतियोगिता का स्तर और भी रोमांचक बन जाएगा. मेजबान भारत, जिसने वर्ष 2001 और 2016 में यह खिताब जीता था, इस बार घरेलू दर्शकों के सामने तीसरी बार चैंपियन बनने के लक्ष्य के साथ उतरेगा. भारत को पूल बी में ओमान, चिली और स्विट्ज़रलैंड के साथ रखा गया है. टीम अपना पहला मुकाबला 28 नवंबर को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में चिली के खिलाफ खेलेगी.

इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, "मुख्यमंत्री द्वारा एफआईएच जूनियर विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण हमारे लिए गर्व का विषय है. तमिलनाडु ने हमेशा भारतीय हॉकी को मजबूती दी है. हमें गर्व है कि यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट चेन्नई और मदुरै जैसे ऐतिहासिक शहरों में हो रहा है. राज्य की विश्वस्तरीय सुविधाएं और खेल के प्रति उत्साह इस आयोजन को यादगार बनाएंगे. हम तमिलनाडु सरकार और खेल विकास प्राधिकरण तमिलनाडु (एसडीएटी) के निरंतर सहयोग के लिए आभारी हैं."

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी इस अवसर पर खुशी जताई. उन्होंने कहा, "एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप वैश्विक हॉकी के भविष्य का प्रतीक है. इसका भारत में आयोजन हमारे युवा खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर है. तमिलनाडु का विश्वस्तरीय खेल ढांचा, उत्साही दर्शक और राज्य सरकार का सहयोग

इस टूर्नामेंट को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा. हमें विश्वास है कि यह आयोजन देशभर के युवाओं को हॉकी अपनाने के लिए प्रेरित करेगा."

इस अवसर पर तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और युवा कल्याण एवं खेल विकास मंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन, राज्य के मुख्य सचिव एन. मुरुगनंदम (आईएएस), अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. अतुल्य मिश्रा (आईएएस), तथा एसडीएटी के सदस्य सचिव और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जे. मेघनाथ रेड्डी (आईएएस) भी उपस्थित रहे.

इसके अलावा हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह, और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु के अध्यक्ष एवं हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष थिरु सेकर जे. मनोहरन भी समारोह में शामिल हुए. मुख्यमंत्री द्वारा ट्रॉफी अनावरण के साथ ही भारत में एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की औपचारिक उलटी गिनती शुरू हो गई है.

आईसीसी वनडे रैंकिंग

रोहित शर्मा शीर्ष पर कायम गिल व बाबर आजम फिसले

एजेंसियां। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को वनडे बल्लेबाजों की नई रैंकिंग जारी की, जिसमें भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बरकरार रखी है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खेले गए तीसरे वनडे में शतक लगाने के बाद रोहित ने करियर में पहली बार वनडे रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था, और अब भी वह उसी पायदान पर कायम हैं. भारत के लिए यह रैंकिंग खास रही क्योंकि शीर्ष दस में तीन और भारतीय बल्लेबाज — शुभमन गिल, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर — भी शामिल हैं. हालांकि, गिल और बाबर आजम दोनों को एक-एक स्थान का नुकसान झेलना पड़ा है.

गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में बड़ी पारी नहीं खेल पाए, जिसके चलते वे एक स्थान गिरकर चौथे स्थान पर पहुंच गए. वहीं, पाकिस्तान के बाबर आजम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया मैच में विफल रहे, और अब वे पांचवें स्थान पर हैं. हालांकि, उनके पास बाकी दो वनडे मैचों में अच्छा प्रदर्शन कर रैंकिंग सुधारने का मौका है.

अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान ने निरंतर प्रदर्शन के दम पर दूसरा स्थान हासिल किया है. न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार सीरीज के बाद जबरदस्त छलांग लगाई है. उन्होंने सीरीज में 178 रन बनाकर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब जीता था, जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला और वे दो स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए.

शीर्ष दस में भारत के विराट कोहली छठे, श्रीलंका के चरिथ असालंका सातवें, आयरलैंड के हैरी टैक्टर आठवें, भारत के श्रेयस अय्यर नौवें और वेस्टइंडीज के शाई होप दसवें स्थान पर हैं.

वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा बना हुआ है, जो आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले टीम इंडिया के लिए सकारात्मक संकेत है.

सेंटनर का अकेला प्रयास असफल वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को 7 रन से हराया

एजेंसियां। ऑकलैंड

पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को एक रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली. ऑकलैंड के ईडेन पार्क में खेले गए इस मैच में वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप की शानदार अर्धशतकीय पारी और गेंदबाजों के सटीक प्रदर्शन ने टीम की जीत सुनिश्चित की. 165 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही. टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रहे. कप्तान मिशेल सेंटनर ने हालांकि एक छोर संभालकर टीम को जीत की उम्मीद दिलाई. आखिरी दो ओवरों में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 33 रन की जरूरत थी और सिर्फ एक विकेट शेष था. सेंटनर ने पूरी कोशिश की, लेकिन आखिरी 12 गेंदों में 25 रन ही बना सके और टीम 9 विकेट पर 157 रन ही जुटा पाई.

सेंटनर ने मात्र 28 गेंदों पर 55 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 2 छक्के शामिल थे. उन्होंने संघर्ष के बावजूद टीम को जीत नहीं दिला सके. अन्य बल्लेबाजों में टिम रॉबिंसन ने 21 गेंदों पर 27 रन, रचिन रवींद्र ने 19 गेंदों पर 21 रन, जबकि डेरिल मिचेल ने 13 रन बनाए. शीर्ष क्रम के किसी बल्लेबाज ने अगर थोड़ी देर टिककर खेला होता, तो नतीजा न्यूजीलैंड के पक्ष में जा सकता था.

वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने संयम और सटीकता से गेंदबाजी की. जायडन सिल्स और रोस्टन चेज टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे. सिल्स ने अपने 4 ओवरों में 32 रन देकर 3 विकेट, जबकि चेज ने 4 ओवरों में 26 रन देकर 3 विकेट हासिल किए. दोनों ने बीच के ओवरों में न्यूजीलैंड की पारी को झकझोर दिया. इससे पहले, न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था. वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान शाई होप ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 39 गेंदों पर 53 रन बनाए. उन्होंने अपनी पारी में 3 छक्के और 4 चौके लगाए. उनके अलावा रोस्टन चेज ने 27 गेंदों पर 28 रन, जबकि रोवमन पॉवेल ने 23 गेंदों पर 33 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली. एलिक अथांजे ने 16 रन का योगदान दिया. वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 164 रन बनाए.

न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी और जाकारी फॉल्कस ने 2-2 विकेट झटके, जबकि काइल जैमिसन और जेम्स निशम को 1-1 विकेट मिला. सेंटनर के प्रदर्शन के बावजूद न्यूजीलैंड को हार का सामना करना पड़ा.

जय शाह ने महिला क्रिकेट की सफलता के लिए प्रयासरत सभी को बधाई दी

एजेंसियां। नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने भारत में आयोजित महिला विश्व कप 2025 के सफल आयोजन पर उन सभी लोगों को बधाई दी है जिन्होंने वर्षों से महिला क्रिकेट के विकास और उन्नति के लिए काम किया है. शाह ने कहा कि यह सफलता उन तमाम प्रयासों का नतीजा है जो लंबे समय से महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए किए गए. जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, "मैं लंबे समय से महिला क्रिकेट के प्रति जुनूनी रहा हूं. हाल ही में संपन्न आईसीसी महिला विश्व कप की सफलता उन सभी लोगों की मेहनत का प्रमाण है जो खुले तौर पर और पर्दे के पीछे इस खेल को आगे बढ़ाने में लगे रहे."

बीसीसीआई सचिव के रूप में शाह ने महिला क्रिकेट को नई दिशा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए. उन्होंने पुरुष और महिला क्रिकेटरों की मैच फीस समान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया. साथ ही विमेंस प्रीमियर लीग की शुरुआत में भी उनकी अहम भूमिका रही, जिसने महिला खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मविश्वासी बनाया. इन प्रयासों का परिणाम विश्व कप में भारतीय महिला टीम की ऐतिहासिक जीत के रूप में सामने आया.

बीसीसीआई ने भारतीय टीम को चैंपियन बनने पर 51 करोड़ रुपये की इनामी राशि देने की घोषणा की. वहीं, आईसीसी ने भी इस बार महिला विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि को तीन गुना बढ़ाकर 13.88 मिलियन डॉलर कर दिया. भारत ने 4.48 मिलियन डॉलर (करीब 40 करोड़ रुपये) की रिकॉर्ड राशि जीती. जय शाह ने कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण ने महिला क्रिकेट में क्रांति ला दी है और इसके स्तर व लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है. उन्होंने आश्वासन दिया कि आईसीसी आगे भी वैश्विक स्तर पर महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर काम करता रहेगा.

बीसीसीआई अब आईसीसी की बैठक में एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा उठा सकती है

एजेंसियां। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप 2025 का खिताब अभी तक एशिया क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) द्वारा नहीं सौंपा गया है. सूत्रों के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) शुक्रवार को होने वाली आईसीसी बैठक में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठा सकता है. आईएएनएस को मिली जानकारी के अनुसार, "शुक्रवार को आईसीसी की बैठक में सभी प्रमुख क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे. बीसीसीआई इस बैठक में एशिया कप ट्रॉफी हस्तांतरण में देरी पर अपनी शिकायत दर्ज कराएगा." बीसीसीआई ने एसीसी को औपचारिक पत्र के माध्यम से ट्रॉफी हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध पहले ही भेजा था, लेकिन अब तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है. बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 1 नवंबर को संकेत दिए थे कि आईसीसी बैठक में इस मामले को उठाया जाएगा. भारतीय टीम ने एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था. भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार किया था. यह कदम भारत-पाकिस्तान संबंधों और नकवी के पाकिस्तान मूल होने के कारण उठाया गया. मोहसिन नकवी ट्रॉफी किसी अन्य एसीसी अधिकारी के माध्यम से भारतीय टीम को दे सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और ट्रॉफी को आयोजन स्थल से हटा दिया. इसके चलते एशिया कप के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा.

बीसीसीआई ने एसीसी को ई-मेल के माध्यम से ट्रॉफी भारत को लौटाने का अनुरोध किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. इसलिए बोर्ड ने आईसीसी बैठक में इस मुद्दे को उठाने का निर्णय लिया है.

गॉफ ने पाओलीनी को हराकर दर्ज की जीत

एजेंसियां। रियाद

डिफेंडिंग चैंपियन अमेरिका की कोको गॉफ ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए इटली की जैस्मिन पाओलीनी को 6-3, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की. इस जीत के साथ गॉफ ने टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं, जबकि पाओलीनी को बाहर का रास्ता दिखा दिया. 21 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ ने इस मुकाबले में बेहद नियंत्रित खेल दिखाया. अपने पिछले मैच में उन्होंने हमवतन जेसिका पेगुला के खिलाफ 17 डबल फॉल्ट किए थे, लेकिन इस बार केवल तीन ही डबल फॉल्ट हुए. उन्होंने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया. पहले सेट में गॉफ ने तेज़ शुरुआत करते हुए मात्र 10 मिनट में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली. पाओलीनी ने अगले गेम में नौ मिनट तक संघर्ष किया और तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए, लेकिन गॉफ ने शानदार रिटर्न खेलते हुए 5-3 की बढ़त बनाई और सेट 6-3 से जीत लिया.

दूसरे सेट में भी गॉफ ने अपना आक्रामक रवैया जारी रखा. उन्होंने लगातार पाओलीनी को कोर्ट के एक सिरे से दूसरे सिरे तक दौड़ाया और दो बार सर्विस ब्रेक कर 5-2 की बढ़त ली.

फुटबॉल

हर चीज का आरंभ और अंत होता है, मेरा करियर अब अंतिम पड़ाव पर है -

दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डो जल्द लेंगे संन्यास

- अपने करियर में 952 गोल दागे हैं.
- अपना जीवन परिवार और निजी रुचियों को समर्पित करना चाहते हैं.
- वह अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे हैं, लेकिन कोई चमत्कार नहीं कर सकता.

एजेंसियां। नई दिल्ली

पुर्तगाल और अल नास्र के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने संकेत दिया है कि वे जल्द ही फुटबॉल से संन्यास लेने की तैयारी में हैं. 40 वर्षीय रोनाल्डो ने कहा कि उनका शानदार करियर अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है और जब वह इस खेल को अलविदा कहेंगे, वह पल बेहद भावुक होगा. रोनाल्डो ने पीयर्स मॉर्गन के शो अनसेंसर्ड में अपने रिटायरमेंट और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की. उन्होंने कहा, "जल्द ही... लेकिन मैं इसके लिए तैयार रहूंगा. यह कठिन होगा, हां, शायद मैं रो भी दूं. मैं एक भावुक इंसान हूं. लेकिन मैंने 25-26 साल की उम्र से ही अपने भविष्य की तैयारी शुरू कर दी थी, इसलिए मुझे भरोसा है कि मैं इसे संभाल पाऊंगा."

दुनिया के सबसे सफल खिलाड़ियों में गिने जाने वाले रोनाल्डो ने अब तक अपने करियर में 952 गोल दागे हैं. उन्होंने कहा कि फुटबॉल के बाद वे अपना जीवन परिवार और निजी रुचियों को समर्पित करना चाहते हैं. "फुटबॉल में गोल करने का जो एड्रेनालिन होता है, उसकी बराबरी कोई चीज़ नहीं कर सकती. लेकिन हर चीज़ का एक आरंभ और एक अंत होता है. अब मैं अपने परिवार और बच्चों के साथ अधिक समय बिताना चाहता हूं. रोनाल्डो ने आगे बताया कि वे अपने बेटे क्रिस्टियानो जूनियर और माटेओ के साथ अधिक समय बिताने की योजना बना रहे हैं. उन्होंने कहा, "क्रिस्टियानो जूनियर अब उस उम्र में है जहां बच्चे कई बार गलतियां करते हैं, और मैं उसके साथ रहना चाहता हूं. माटेओ को भी फुटबॉल से बहुत लगाव है." इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वे इन दिनों अपने दोस्तों के साथ पैडल खेल का खूब आनंद ले रहे हैं.

अपने शानदार करियर की शुरुआत रोनाल्डो ने स्पोर्टिंग लिस्बन से की थी. इसके बाद उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड और जुवेंटस जैसी दिग्गज क्लबों के लिए खेला. यूनाइटेड के साथ उन्होंने तीन प्रीमियर लीग खिताब और एक चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीती, जबकि रियल मैड्रिड के साथ उन्होंने दो ला लीगा और चार चैंपियंस लीग खिताब अपने नाम किए.

साल 2022 में मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने के बाद वे सऊदी अरब के क्लब अल नास्र से जुड़े. हालांकि, वे आज भी मैनचेस्टर यूनाइटेड के प्रदर्शन पर नजर रखते हैं, क्योंकि उनके पूर्व पुर्तगाली साथी रुबेन अमोरीम अब क्लब के मैनेजर हैं. यूनाइटेड के मौजूदा हालात पर उन्होंने कहा, "वह अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे हैं, लेकिन कोई चमत्कार नहीं कर सकता. टीम में प्रतिभा है, पर खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि मैनचेस्टर यूनाइटेड क्या है. बदलाव की जरूरत सिर्फ कोच या खिलाड़ियों में नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम में है."

पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि जब भी वे संन्यास लेंगे, यह खेल जगत के लिए एक युग के अंत जैसा क्षण होगा.

एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित कोंस्टास बाहर, लाबुशेन की वापसी हुई

एजेंसियां। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है. इस बार टीम में बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को बाहर का रास्ता दिखाया गया है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन की टीम में वापसी हुई है.

टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाज जेक वेदराल्ड को नया चेहरा शामिल किया गया है. 31 वर्षीय वेदराल्ड ने हाल ही में घरेलू शेफील्ड शील्ड प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाए थे और मौजूदा सीजन में भी शानदार फॉर्म में हैं. ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहेंगे, ऐसे में पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे. शीर्ष क्रम में ट्रेविस हेड, कैमरून ग्रीन और ब्यू वेबस्टर के शामिल होने की संभावना है. मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि यह टीम अनुभव और युवा जोश का संतुलन प्रस्तुत करती है और सभी खिलाड़ी शेफील्ड शील्ड के अगले दौर में भाग लेंगे ताकि चयनकर्ताओं को सही संयोजन तय करने में मदद मिले.

लाबुशेन को घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद टीम में वापस बुलाया गया है. इस बीच, कोंस्टास को उनके निराशाजनक प्रदर्शन की वजह से बाहर किया गया है. उन्होंने इस साल की शुरुआत में कैरेबियन दौरे पर छह पारियों में क्रमशः 3, 5, 25, 0, 17 और 0 के स्कोर बनाए थे. चयनकर्ताओं ने उनके स्थान पर लाबुशेन और वेदराल्ड दोनों को उसमान ख्वाजा के साथ सलामी जोड़ी के लिए दावेदार के रूप में रखा है.

गेंदबाजी विभाग में भी कुछ बदलाव किए गए हैं. स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट और सीन एबॉट को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है. यह तीनों तेज गेंदबाज चोटिल कप्तान कमिंस की अनुपस्थिति में खेलने की होड़ में हैं. इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के मुख्य गेंदबाज मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और ऑफ स्पिनर नाथन लियोन टीम के प्रमुख हथियार रहेंगे.

न्यूज अपडेट

कार्तिक पूर्णिमा पर भीड़ से पटना की ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई

पटना। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को पटना में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. हजारों लोग गंगा स्नान के लिए घाटों की ओर निकले, जिससे शहर के कई प्रमुख मार्गों पर भीषण जाम की स्थिति बन गई. सुबह से ही जेपी गंगा पथ (मरीन ड्राइव), एम्स रोड, अशोक राजपथ और आसपास के इलाकों में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं. सबसे अधिक असर एम्स फ्लाईओवर और मरीन ड्राइव क्षेत्र में देखने को मिला, जहां गाड़ियों की रफ्तार घंटों तक थमी रही. प्रशासन ने पहले से ही ट्रैफिक डायवर्जन और एडवाइजरी जारी की थी. इसके तहत अशोक राजपथ पर सुबह 11 बजे तक वाहनों का परिचालन रोक दिया गया था और एम्स एलिवेटेड रोड पर भी विशेष डायवर्जन लागू किया गया था. बावजूद इसके, अनुमान से अधिक संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं के कारण ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई. जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस की टीमें लगातार मौके पर मौजूद रहकर जाम से राहत दिलाने में जुटी रहीं. कई स्थानों पर पुलिसकर्मी चरणबद्ध तरीके से वाहनों को निकालने का प्रयास करते नजर आए.

जन सुराज प्रत्याशी और भोजपुरी गायक रितेश पांडे पर मामला दर्ज

रोहतास। करगहर विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार और मशहूर भोजपुरी गायक रितेश पांडे के खिलाफ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई प्रशासन की सख्ती का बड़ा संकेत मानी जा रही है, खासकर तब जब चुनावी प्रचार अपने चरम पर है. पूरा मामला कोचस थाना क्षेत्र से जुड़ा है. जानकारी के अनुसार, वहां तैनात मजिस्ट्रेट ने रितेश पांडे के रोड शो के दौरान अनियमितता पाई और इसकी रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई. प्राथमिकी में कहा गया है कि उम्मीदवार ने जितनी गाड़ियों की अनुमति ली थी, रोड शो में उससे कहीं अधिक वाहन शामिल थे. इसे आचार संहिता का सीधा उल्लंघन माना गया. बताया गया कि इस रोड शो में भोजपुरी इंडस्ट्री के कई प्रसिद्ध कलाकार डिंपल सिंह, आर्यन बाबू और अन्य भी मौजूद थे. स्टार कलाकारों की मौजूदगी के चलते भीड़ उमड़ पड़ी और कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो गई.

सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सभा में धक्का-मुक्की से मचा हड़कंप

पटना। दिनारा विधानसभा क्षेत्र में को समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की चुनावी जनसभा में भारी भीड़ उमड़ पड़ी. अखिलेश यादव आरजेडी प्रत्याशी राजेश यादव के समर्थन में जगनारायण प्लस टू विद्यालय मैदान, कोआथ में आयोजित सभा को संबोधित करने पहुंचे थे. सभा शुरू होते ही मंच के पास जाने के लिए लोग एक-दूसरे को धक्का-मुक्की करने लगे, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया. भीड़ ने बसों से की गई बैरिकेडिंग तक तोड़ दी, जिससे सुरक्षाकर्मियों को लोगों को नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी. मौके पर तैनात अर्धसैनिक बलों ने भीड़ को पीछे हटाने की कोशिश की, लेकिन लोग पीछे हटने को तैयार नहीं थे और लगातार आगे बढ़ते रहे. हालांकि स्थिति कुछ देर बाद नियंत्रण में आ गई और अखिलेश यादव ने मंच से जनता को संबोधित किया. उन्होंने आरजेडी प्रत्याशी के समर्थन में लोगों से अपील करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना की.

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने गंगा में किया पवित्र स्नान

पटना। सारण जिले के सोनपुर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. गंगा और गंडक नदी के संगम तट पर श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर पूजा-अर्चना की. मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन संगम में स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है. रात से ही घाटों पर श्रद्धालुओं जमे रहे. महिलाएं, पुरुष और बुजुर्ग आस्था के साथ स्नान कर भगवान की आराधना की. प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे. एनडीआरएफ, गोताखोर दल और पुलिस बल को घाटों पर तैनात किया गया था ताकि कोई अप्रिय घटना न हो. सोनपुर मेला क्षेत्र में भी इस अवसर पर विशेष चहल-पहल रही. स्थानीय दुकानों और अस्थायी बाजारों में खरीदारी करने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी. कार्तिक पूर्णिमा के स्नान के साथ ही पारंपरिक रूप से सोनपुर मेला अपने चरम पर पहुंच गया है. जिलाधिकारी अमन समीर तथा वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ० कुमार आशीष द्वारा संयुक्त रूप से सोनपुर अनुमंडल अंतर्गत बाबा हरिहरनाथ मंदिर तथा काली घाट का स्थलीय निरीक्षण कर विधि व्यवस्था संधारण का जायजा लिया गया. साथ ही सभी क्षेत्रांतर्गत सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर लगे सीसीटीवी कैमरे तथा हरिहरनाथ मंदिर में लगे सभी कैमरों के मॉनिटर के माध्यम से हर पल पर रखी जा रही निगरानी का निरीक्षण किया गया तथा सम्बन्धित पदाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया गया.

फारबिसगंज में सम्राट चौधरी ने जनसभा को संबोधित किया, कहा

एनडीए की सरकार में तेजी से बिहार में बदलाव हुआ है

शुभम संदेश। अररिया

फारबिसगंज के सिरसिया में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बुधवार को भाजपा प्रत्याशी विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित किया.उन्होंने पूर्णिया एयरपोर्ट के बाद फारबिसगंज में भी एयरपोर्ट निर्माण की घोषणा की उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निशाने पर कांग्रेस और राजद रहा. उन्होंने अपने संबोधन में राहुल गांधी के साथ-साथ उनके पिता राजीव गांधी दादी इंदिरा गांधी और जवाहरलाल नेहरू को आरक्षण विरोधी करार दिया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश को लूटने का काम किया. जिसे स्वयं प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी स्वीकारते हुए कहा था कि दिल्ली से चला सौ रूपये में से 15 रूपये ही क्षेत्र में पहुंचते हैं. वहीं राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि लालू प्रसाद के पुत्र तेजस्वी प्रसाद आज वोट मांग रहे हैं लेकिन उनके मम्मी पापा को बिहार की जनता ने 15 साल मौका दिया और इस 15 साल में मम्मी पापा ने जानवर का चारा खाने के साथ ही सड़क निर्माण के काम में आने वाला अलकतरा तक को पी लिया.

उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी की बात करने वालों को पता नहीं उसके मम्मी पापा की कार्यकाल में 94 हजार को तो एनडीए की सरकार में साढ़े 18 लाख नौकरी दिया गया है.उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि एनडीए की सरकार ने क्या काम किया और पहले की सरकार ने क्या काम किया,साफ अंतर समझ में आ रहा होगा. उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार में तेजी से बिहार में बदलाव हुआ है. सड़क, बिजली और पानी तीनों में सुधार हुआ है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार में बदलाव के साथ विकास की गति को रफ्तार देने का काम किया है.

आज पूर्णिया एक्सप्रेस के साथ ही सिलीगुड़ी से गोरखपुर तक एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य चल रहा है. हमारी सरकार ने सड़कों का जाल बिछाने के साथ ही 8 हजार हाई स्कूल निर्माण की है. बच्चे और बच्चियों को साइकिल और पोशाक की राशि दी जा रही है. उन्होंने कहा कि अयोध्या के तर्ज पर भगवान श्री राम के बाद सीतामढ़ी में में मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा. डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि पूर्णिया एयरपोर्ट बनने के बाद दो घंटे में पूर्णिया से दिल्ली पहुंचना संभव हो पाया है.

अपने संबोधन में सम्राट चौधरी ने कहा कि तीन दिन पहले हुए आपदा वाले बारिश को लेकर किसानों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए सभी डीएम को फसल नुकसान का जांच कर मुआवजा दिए जाने का आदेश दिया गया है. उन्होंने कहा कि किसानों को मिलने वाली 6000 की राशि को लेकर एनडीए की सरकार ने निर्णय लिया है कि केंद्र की सरकार 6 हजार और राज्य सरकार 3 हजार रूपये अपनी ओर से मिलाकर किसानों को अब 9 हजार रूपये देगी. चुनावी सभा की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य नारायण ने की.

नीतीश ने गुरुनानक जयंती पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज गुरुनानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि गुरुनानक देव जी का जीवन संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है. उनके उपदेशों में समानता, सेवा, करुणा और मानवता का अद्भुत संदेश निहित है, जो आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करता है. मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि गुरुनानक जी के व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म संस्थापक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं विश्वबंधु के गुण मिलते हैं. उन्होंने शांति, दया एवं मानवता का पवित्र संदेश देने के लिए चारों दिशाओं में बड़े पैमाने पर यात्राएं की थीं. गुरूनानक देव जी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर हम सभी को समरस समाज बनाने हेतु मिलकर काम करने का संकल्प लेना चाहिए. उनके विचार सार्वभौमिक हैं और हर युग में प्रासंगिक बने रहेंगे. इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर भी प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि यह शुभ दिन श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिकता का प्रतीक है. कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान और दान का विशेष महत्व होता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व राज्य और देश में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए, यही उनकी कामना है. इस अवसर पर लोग स्नान, पूजा-अर्चना और दान के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं.

मुख्यमंत्री ने एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में मांगा वोट

अररिया। बिहार में अररिया जिले के रानीगंज लालजी हाई स्कूल के मैदान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार सरकार की उपलब्धियों को गिनाकर एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में वोट की अपील की. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के विकास में केंद्र सरकार की और से पूरी मदद मिल रही है और केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार तेजी से विकास कर रहा है. सीएम के निशाने पर लालू राबड़ी भी रहे. नीतीश कुमार ने कहा कि लालू राबड़ी के 15 साल के शासनकाल में बिहार में विकास का किसी तरह का कोई काम नहीं हुआ. सात साल में जब लालू प्रसाद को मुख्यमंत्री के पद से हटना पड़ा तो उन्होंने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया. उन्होंने कहा कि हमलोग बिहार की जनता के लिए काम कर रहे हैं, जबकि वे लोग अपने परिवार के लिए काम करते रहे. उन्होंने अपनी उपलब्धियां को गिनाते हुए कहा कि सड़क, शिक्षा, बिजली, स्वास्थ्य सभी के क्षेत्र में सुधार और विकास का काम हुआ है.

पूर्णिया में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

पूर्णिया। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत मंगलवार देर रात यूरोपियन कॉलोनी में हुई. पति, पत्नी और बेटी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है. पुलिस के मुताबिक यह पूरी घटना पूर्णिया जिले के खजांची हाट थाना के यूरोपियन कॉलोनी की बताई जाती है. घटना के संबंध में मृतक नवीन कुशवाहा के छोटे भाई व जदयू नेता निरंजन कुशवाहा ने बताया कि, "देर रात घर में ही बेटी का सीढ़ियों से पैर फिसला, जिसके बाद उसे बचाने गए पिता संभल नहीं पाए और गिर गए. इस हादसे को देख उनकी पत्नी भी सदमे में चली गई और अस्पताल में दम तोड़ दिया. स्थानीय लोगों ने बताया कि, मृतक नवीन कुशवाहा पूर्णिया जिले के बड़े व्यवसायी थे और बसपा पार्टी के पूर्व लोकसभा उम्मीदवार रह चुके थे. हादसे में उनकी पत्नी कंचन माला और बेटी तनु प्रिया की मौत हुई है. मृतक की बेटी मेडिकल की पढ़ाई कर रही थी और चौथे सत्र की छात्रा थी.

मिथिलांचल में महिला मतदाताओं पर सियासी उम्मीदें

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच महिला मतदाता इस बार सत्ता की कुंजी बन गई हैं. एनडीए ने जहां महिला सशक्तिकरण और आस्था दोनों को केंद्र में रखकर अपनी चुनावी रणनीति तैयार की है, वहीं माता सीता मंदिर निर्माण का वादा भाजपा-जदयू गठबंधन का सबसे बड़ा 'इमोशनल कार्ड' बनकर उभरा है. मिथिलांचल में सीतामढ़ी के पुनौराधाम को हिंदुत्व और विकास दोनों के प्रतीक के रूप में पेश किया जा रहा है. महिला मतदाता शारदा देवी कहती हैं कि एनडीए सरकार महिलाओं और बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा व स्वावलंबन की गारंटी है. साथ ही इस बार सीता मईया का भव्य मंदिर भी बनेगा. उनका मानना है कि सैकड़ों वर्षों से उपेक्षित माता सीता के सम्मान का बीड़ा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उठाया है.

कारोबार

शराब संकट की आहट : सरकार पर 3,000 करोड़ रु का बकाया

नयी दिल्ली। तेलंगाना में आने वाले त्योहारी सीजन से पहले शराब उद्योग संकट में है. एक तरफ क्रिसमस और न्यू ईयर जैसे फेस्टिव सीजन में शराब की मांग हर साल तेजी से बढ़ती है, वहीं दूसरी तरफ उद्योग सरकार के बकाये भुगतान को लेकर परेशान है. राज्य सरकार पर शराब कंपनियों का करीब 3,000 करोड़ रुपये का बकाया है, जिसे लेकर उद्योग ने अब सख्त रुख अपना लिया है. आईएसडब्ल्यूएआई तेलंगाना सरकार को चेतावनी दी है कि यदि 10 नवंबर तक बकाया भुगतान नहीं किया गया, तो वे शराब की आपूर्ति रोकने पर मजबूर होंगे. संघों का कहना है कि बकाया रकम न मिलने से शराब निर्माता कंपनियों की नकदी स्थिति बिगड़ गई है,

चीन से सीमलेस पाइप्स और ट्यूब्स का आयात तेजी से बढ़ा

नयी दिल्ली। चीन से सीमलेस पाइप्स और ट्यूब्स का आयात वित्त वर्ष 2024-25 में तेजी से बढ़कर 4.97 लाख मीट्रिक टन पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष 2.44 लाख मीट्रिक टन था. वहीं, वित्त वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 1.47 लाख टन और 2021-22 में केवल 82,528 मीट्रिक टन था. सीमलेस ट्यूब मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष शिव कुमार सिंघल ने बताया कि चीन से पाइप्स के आयात में वित्त वर्ष 2025 में वित्त वर्ष 2022 की तुलना में लगभग पांच गुना वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा घरेलू उद्योग की सुरक्षा के लिए उठाए गए मजबूत कदमों के बावजूद, चीनी आयात में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है. एसटीएमएआई ने चीनी कंपनियों पर भारतीय बाजार में डंपिंग और कस्टम शुल्कों में धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए हैं.

ट्रंप के नए प्रतिबंधों से रूस से भारत-चीन-तुर्की ने तेल खरीदी घटाई

रूस से कच्चे तेल की सप्लाई में भारी गिरावट

एजेंसी। नयी दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगाए गए नए प्रतिबंधों का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार में साफ दिखने लगा है. इन पाबंदियों के चलते रूस से समुद्र के रास्ते कच्चे तेल की सप्लाई में भारी गिरावट आई है. यह गिरावट जनवरी 2024 के बाद सबसे बड़ी बताई जा रही है. अमेरिका के इस कदम के बाद रूस के प्रमुख खरीदार—भारत, चीन और तुर्की—अब रूसी तेल खरीदने से परहेज कर रहे हैं. ब्लूमबर्ग के जहाज-ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, 2 नवंबर तक पिछले चार हफ्तों में रूस के बंदरगाहों से औसतन 35.8 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल निकला. यह 26 अक्टूबर तक के चार हफ्तों के संशोधित आंकड़े से करीब 1.9 लाख बैरल कम है. चार हफ्तों का औसत और साप्ताहिक आंकड़े दोनों में गिरावट दर्ज की गई है. इस गिरावट के चलते रूस की तेल बिक्री से होने वाली कमाई में भी कमी आई है, जो अगस्त के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है. अमेरिकी पाबंदियों के बावजूद रूसी एक्सपोर्टर टैंकरों में तेल भरते जा रहे हैं, लेकिन दुनिया भर के रिफाइनर अब इन कार्गो को अपने स्टोरेज टैंकों में लेने से बच रहे हैं. इसके चलते समुद्र में ही तेल का भंडार तेजी से बढ़ रहा है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, समुद्र में रूसी कच्चे तेल की मात्रा बढ़कर 38 करोड़ बैरल से अधिक हो गई है, जो सितंबर की शुरुआत की तुलना में 2.7 करोड़ बैरल (8%) ज्यादा है. अमेरिकी प्रतिबंधों का सबसे बड़ा असर रूस के तीन प्रमुख ग्राहकों—भारत, चीन और तुर्की—पर पड़ा है, जो मिलकर रूस के समुद्री मार्ग से होने वाले कुल तेल निर्यात का 95% से ज्यादा हिस्सा खरीदते हैं. भारत के प्रमुख तेल रिफाइनर, जो प्रतिदिन करीब 10 लाख बैरल रूसी तेल खरीद रहे थे, अब फिलहाल खरीद रोक चुके हैं. वे स्थिति साफ होने का इंतजार कर रहे हैं. चीन की सरकारी और निजी रिफाइनर कंपनियों ने भी कुछ कार्गो रद्द कर दिए हैं और वैकल्पिक स्रोत तलाशने शुरू कर दिए हैं. तुर्की, जो रूस का तीसरा बड़ा ग्राहक है, अब इराक, लीबिया, सऊदी अरब और कजाकिस्तान जैसे अन्य देशों से तेल खरीदने पर ध्यान दे रहा है. तेल निर्यात में इस गिरावट से रूस की कमाई पर भी सीधा असर पड़ा है. चार हफ्तों के औसत के हिसाब से रूस के निर्यात का कुल मूल्य 2 नवंबर तक के 28 दिनों में हर हफ्ते करीब 9 करोड़ डॉलर घटकर 1.36 अरब डॉलर रह गया. यह कमी मात्रा और कीमत दोनों में आई गिरावट के कारण हुई है.

भारत-रोमानिया ने निवेश के लिए किया समझौता

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बुधवार को ब्रासोव में आयोजित भारत-रोमानिया व्यापार मंच में एक भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया. इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई. इसके साथ ही एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक जितिन प्रसाद ने अपने संबोधन में भारत की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में स्थिति पर प्रकाश डाला और रोमानियाई उद्यमों को 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के तहत भारत के गतिशील विनिर्माण और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया. मंत्रालय ने कहा कि 'भारत में व्यापारिक अवसरों' पर दी गई प्रस्तुति में प्रमुख औद्योगिक गलियारों में हाल के नीतिगत सुधारों, व्यापार सुगमता उपायों और राज्य-स्तरीय प्रोत्साहनों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई. इस सत्र के दौरान समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए. साथ ही भारतीय एवं रोमानियाई कंपनियों के बीच संयुक्त उपक्रमों और प्रौद्योगिकी सहयोग की संभावनाओं को तलाशने के लिए व्यवसायिक मेलमिलाप वार्ता आयोजित किए गए.

दिल्ली-एनसीआर में 19% बढ़ी प्रॉपर्टी की कीमतें

नयी दिल्ली। देश के रियल एस्टेट बाजार में जुलाई से सितंबर 2025 (तीसरी तिमाही) के दौरान भी तेजी जारी रही. प्रॉपटाइगर डॉट कॉम की रिपोर्ट 'रियल इनसाइट रेजिडेंशियलः जुलाई–सितंबर 2025' के अनुसार, देश के टॉप 8 शहरों में प्रॉपर्टी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है. इस दौरान सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दिल्ली-एनसीआर में देखने को मिली, जहां आवासीय संपत्तियों की कीमतें साल-दर-साल 19 फीसदी और तिमाही-दर-तिमाही 9.8 फीसदी तक बढ़ीं. रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु और हैदराबाद क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे, जहां कीमतों में 15% और 13% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई. विशेषज्ञों का कहना है कि इस वृद्धि के पीछे मुख्य कारण प्रीमियम और लग्जरी सेगमेंट की मजबूत मांग है. साथ ही, रेडी-टू-मूव घरों की बढ़ती लोकप्रियता ने भी कीमतों को ऊंचा किया है. रिपोर्ट बताती है कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, कनेक्टिविटी में सुधार और निर्माण सामग्री की बढ़ती लागत ने भी इस तेजी को बल दिया. निवेशकों के साथ-साथ एंड-यूज़र्स (वास्तविक खरीदारों) का भरोसा बाजार में बढ़ा है, जिससे डिमांड और कीमतें दोनों में निरंतर उछाल देखा जा रहा है. रियल एस्टेट सेक्टर में यह ट्रेंड आने वाले महीनों में भी जारी रहने की उम्मीद है.

पोर्टर में 300 से अधिक कर्मचारियों पर गिरी गाज

नयी दिल्ली। बेंगलुरु स्थित ऑन-डिमांड लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म पोर्टर ने मंगलवार को बड़े पैमाने पर छंटनी की घोषणा की. कंपनी ने कहा कि यह फैसला लागत को तर्कसंगत बनाने और संगठन को अधिक चुस्त व आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से लिया गया है. हालांकि, कंपनी ने आधिकारिक रूप से यह नहीं बताया है कि कितने कर्मचारियों को प्रभावित किया गया है. मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के मुताबिक, पोर्टर ने लगभग 300 से 350 कर्मचारियों की छंटनी की है. यह कदम उस समय उठाया गया है जब कंपनी खुद को पब्लिक कंपनी बनाने की दिशा में तैयारी कर रही है. पोर्टर ने अपने बयान में कहा, "हम एक ऐसे बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं जिसके लिए एकमुश्त पुनर्गठन की जरूरत थी. इसका उद्देश्य आगे की राह के लिए एक मजबूत, अधिक चुस्त और आर्थिक रूप से लचीला संगठन बनाना है.

पीयूष गोयल ने एफटीए व निवेश अवसरों पर चर्चा की

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मंगलवार को न्यूजीलैंड पहुंचे, जहां उन्होंने अपने समकक्ष टॉड मैक्ले से प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा की. गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि न्यूजीलैंड पहुंचकर एफटीए वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा करना खुशी की बात है. उन्होंने बताया कि दोनों देश व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक साझेदारी को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. गोयल ने निवेशकों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ भी मुलाकात की, ताकि दोनों देशों के बीच सहयोग और निवेश के नए अवसरों की खोज की जा सके. इसके अलावा, उन्होंने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से ऑकलैंड में भेंट की.

महाराष्ट्र के पुणे जिले के शिरवटा में टाटा पावर लगाएगी 11,000 करोड़ का पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट

नयी दिल्ली। टाटा पावर कंपनी लिमिटेड (टीपीसीएल) महाराष्ट्र के पुणे जिले के शिरवटा क्षेत्र में एक बड़ा पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) स्थापित करने जा रही है. कंपनी इस परियोजना में लगभग 11,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. यह जानकारी टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा ने दी. सिन्हा ने बताया कि शिरवटा प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य अगले साल जुलाई 2026 में शुरू होगा और इसे पूरा होने में करीब पांच साल लगेंगे. परियोजना के लिए वित्तपोषण 70:30 के डेट-इक्विटी अनुपात में किया जाएगा. पिछले वर्ष टाटा पावर और महाराष्ट्र सरकार के बीच हुए समझौते के तहत राज्य में कुल 2800 मेगावॉट क्षमता के दो पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट्स विकसित किए जा रहे हैं. इनमें से शिरवटा का प्रोजेक्ट 1800 मेगावॉट का होगा, जबकि दूसरा प्रोजेक्ट रायगढ़ के भिवपुरी में 1000 मेगावॉट का होगा. इन दोनों परियोजनाओं का विकास टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) द्वारा किया जा रहा है, जो वर्तमान में इनकी स्वामी कंपनी भी है. कंपनी के अनुसार, भिवपुरी प्रोजेक्ट को लेकर फिलहाल कमर्शियल और इंडस्ट्रियल ग्राहकों से बातचीत जारी है और अगले छह महीनों में उन्हें इस परियोजना से जोड़ा जाएगा. पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट दरअसल एक ऊर्जा भंडारण प्रणाली की तरह काम करता है. जब बिजली की कीमत कम होती है, तो यह पानी को नीचे वाले जलाशय से ऊपर वाले टैंक में पंप करके स्टोर करता है. बाद में जब बिजली की मांग बढ़ती है, तो उसी पानी को टरबाइन से गिराकर बिजली उत्पन्न की जाती है. यह प्रणाली बिजली ग्रिड को स्थिर रखने में अहम भूमिका निभाती है. कंपनी की इस बड़ी घोषणा के बावजूद मंगलवार को टाटा पावर के शेयर में गिरावट दर्ज की गई. सोमवार को कंपनी का शेयर 408.40 पर बंद हुआ था, जबकि मंगलवार को यह 1.87% की गिरावट के साथ 400.75 पर बंद हुआ. बुधवार को गुरु नानक जयंती के कारण शेयर बाजार बंद रहा.

वाहन | मारुति सुजुकी ने घरेलू बाजार में बेचीं 3 करोड़वीं कार, ऑल्टो सबसे लोकप्रिय मॉडल

मारुति ने यह उपलब्धि सिर्फ 42 साल में हासिल की

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी 3 करोड़वीं पैसेंजर व्हीकल की बिक्री दर्ज की है. इस उपलब्धि के साथ मारुति सुजुकी भारत की पहली कार निर्माता कंपनी बन गई है, जिसने घरेलू बाजार में यह आंकड़ा पार कर लिया है. कंपनी ने बताया कि उसने यह उपलब्धि सिर्फ 42 साल में हासिल की है. मारुति सुजुकी इंडिया ने 14 दिसंबर, 1983 को भारत में अपनी पहली कार मारुति-800 ग्राहक को सौंपी थी. मारुति ने कहा कि उसने 28 साल दो महीने में पहली बार एक करोड़ संचयी बिक्री का आंकड़ा पार किया था. फिर एक करोड़ कारें सात साल 5 महीने में बेची गईं. इसके बाद घरेलू बाजार में एक करोड़ कारें छह वर्ष चार महीने के रिकॉर्ड समय में बेची गईं.

मारुति ने कहा कि भारत में बेची गई तीन करोड़ कारों में से ऑल्टो सबसे लोकप्रिय मॉडल बनकर उभरी, जिसकी 47 लाख से अधिक कारें बिकीं. इसके बाद 34 लाख कारों के साथ वैगन आर दूसरे स्थान और 32 लाख से अधिक कारों के साथ स्विफ्ट तीसरे स्थान पर रही. वाहन निर्माता ने बताया कि कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा और फ्रोंक्स भी कंपनी के खंड में सबसे अधिक बिकने वाले शीर्ष दस वाहनों में शामिल हैं. मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि प्रति एक हजार व्यक्तियों पर लगभग 33 वाहनों की कार उपलब्धता के साथ हम जानते हैं कि हमारी यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई है. उन्होंने कहा कि कंपनी अधिक से अधिक लोगों तक परिवहन का आनंद पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करती रहेगी. मारुति सुजुकी इंडिया ने वर्तमान में 19 मॉडल में 170 से अधिक संस्करण पेश करती है.

न्यूज़ अपडेट

मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम की सुरक्षा में बड़ी चूक

नयी दिल्ली । मैक्सिको की राष्ट्रपति की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है. मंगलवार को जब मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम मेक्सिको सिटी के ऐतिहासिक डाउनटाउन में सड़क पर नागरिकों से बात कर रही थीं, तो एक आदमी, जो नशे में लग रहा था, उनके पीछे आया और राष्ट्रपति को छू लिया. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे एक वीडियो में, वह आदमी किस करने के लिए आगे बढ़ता हुआ और राष्ट्रपति के शरीर को अपने हाथों से छूता हुआ दिख रहा है. उन्होंने धीरे से उसके हाथों को हटाया, और उसकी तरफ मुड़ते हुए हल्की मुस्कान बनाए रखी. शिनबाम, अपने पूर्ववर्ती और राजनीतिक गुरु, राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर की तरह लोगों से जुड़ाव बनाए रखने की कोशिश करती हैं.

अफ्रीकी देश बोस्निया में वृद्धाश्रम में आग लगने से 11 लोगों की मौत

बोस्निया । अफ्रीकी देश बोस्निया में मंगलवार शाम को एक रिटायरमेंट सुविधा केंद्र (वृद्धाश्रम भवन) में आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और

30 से ज़्यादा लोग घायल हो गए. मंगलवार शाम को बोस्निया के तुज़ला में बिल्डिंग की 7वीं मंजिल पर आग लगने का कारण साफ नहीं हो पाया है. बोस्नियाई मीडिया ने बताया कि कॉम्प्लेक्स की ऊपरी मंजिलों पर बुज़ुर्ग लोग रहते थे जो खुद से चल-फिर नहीं सकते थे या बीमार थे. तुज़ला के मेयर जियाद लुगाविच ने कहा कि घायल लोगों में फायर फाइटर और बचावकर्मी भी शामिल हैं.

सेना चुनाव के बाद बैरक लौटना चाहती है: जीओसी (आर्टडॉक)

ढाका। बांग्लादेश सेना के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि सेना देश में समय पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की उम्मीद कर रही है, जिसके बाद वह बैरक लौट जाएगी. आर्मी के ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड (आर्टडॉक) के जनरल- ऑफिसर- कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल एम.डी. मैनूर रहमान ने यहां सेना मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही. कहा कि आम जनता की तरह सेना भी देश में समय पर स्वतंत्र, निष्पक्ष और उत्सवपूर्ण चुनाव की उम्मीद कर रही है, जिसके बाद वह बैरक लौट जाएगी. उन्होंने जोर देकर कहा कि पिछले 15 महीनों से बैरक के बाहर रहने से सेना की प्रशिक्षण गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं.

नेपाल और भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सात-सूत्री योजना पर सहमति

काठमांडू । नेपाल और भारत ने द्विपक्षीय ऊर्जा सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सात बिंदुओं पर एक समझौता किया है, जिसमें बिजली के आदान-प्रदान और सीमा-पार ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार को शामिल किया गया है. यह समझौता 3 और 4 नवम्बर को पोखरा में आयोजित नेपाल-भारत ऊर्जा सहयोग पर संयुक्त तकनीकी टीम की 17वीं बैठक के दौरान अंतिम रूप से तय किया गया. बैठक में ऊर्जा, जलस्रोत और भारत के केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के मुख्य अभियंता भगवान सहाय भैरव ने की. मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने बिजली के आदान-प्रदान, ट्रांसमिशन प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा नई सीमा-पार ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण पर विस्तृत चर्चा के बाद सात प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनाई.

कालमेघी तूफान : फिलीपीन्स में मौतों का आंकड़ा 66 तक पहुंचा

मनीला । उष्णकटिबंधीय तूफान 'कालमेघी' के कारण फिलीपीन्स में भारी बारिश और बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 66 हो गई है. इस तूफान के मंगलवार को यहां पहुंचने के बाद तेज बारिश और बाढ़ से भारी तबाही मची हुई है, जिससे लाखों लोग प्रभावित हुए हैं. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमसी) के अनुसार, उत्तरी लुजॉन क्षेत्र इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां भूस्खलन और नदियों का उफान के चपेट में कई गांवों के आने की खबरे हैं. प्रारंभिक सरकारी आंकड़ों में 50 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी लेकिन राहत अभियानों के दौरान और शव मिलने से यह संख्या अब 66 हो गई है. खबरों के मुताबिक सैकड़ों लोग अभी भी लापता बताए गए हैं.

उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों को विमान से दिल्ली लाया गया

नई दिल्ली । मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों को बुधवार सुबह टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइंस के विमान से दिल्ली लाया गया. ये यात्री मंगोलिया की राजधानी में तब फंसे गए थे, जब सोमवार को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान का मार्ग परिवर्तित करके उसे मंगोलिया की राजधानी ले जाया गया था. उलानबटार से यात्रियों को लेकर एयर इंडिया का राहत विमान बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचा. राहत उड़ान एआई183 ने मंगलवार दोपहर उलानबटार के लिए उड़ान भरी थी. प्रवक्ता ने कहा कि उलानबटार (मंगोलिया) में फंसे यात्रियों को लेकर राहत उड़ान एहतियातन मार्ग परिवर्तन के बाद सुबह दिल्ली पहुंच गई है.

चैंपियन टीम इंडिया की बेटियों से मिले प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली । आईसीसी विमेंस वनडे वर्ल्ड कप की चैम्पियन टीम इंडिया ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. यह मुलाकात पीएम आवास पर हुई. रविवार को भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराकर पहली बार महिला वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया था. प्रधानमंत्री मोदी ने टीम को ऐतिहासिक जीत की बधाई दी और पूरे टूर्नामेंट के दौरान दिखाए गए उनके जज़्बे, संघर्ष और शानदार वापसी की सराहना की. उन्होंने कहा कि टीम ने शुरुआती हार और सोशल मीडिया पर आलोचनाओं के बावजूद जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया. यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है. टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस अवसर पर कहा कि उन्होंने 2017 में भी प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी, लेकिन उस समय टीम बिना ट्रॉफी गई थी. उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अब हम ट्रॉफी के साथ आए हैं, और हम चाहते हैं कि आगे भी बार-बार ऐसे मौकों पर पीएम से मुलाकात होती रहे.

उत्तर प्रदेश के चुनार रेलवे स्टेशन पर बड़ा रेल हादसा

ट्रेन की चपेट में आकर 6 महिलाओं सहित 8 श्रद्धालुओं की हो गयी मौत

एजेंसी । मीरजापुर

कार्तिक पूर्णिमा पर्व के चलते भीड़ अधिक हो गयी थी प्लेटफार्म पर

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में बुधवार सुबह चुनार रेलवे स्टेशन पर बड़ा रेल हादसा हो गया. नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें 6 महिलाएं हैं. हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. घटना सुबह करीब 9:30 बजे चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर हुई. बताया जा रहा है कि चोपन से आई पैसेंजर ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचने के बाद कार्तिक पूर्णिमा पर्व के चलते भीड़ अधिक होने से कुछ श्रद्धालु प्लेटफॉर्म की ओर न उतर कर दूसरी तरफ ट्रैक से नीचे उतरने लगे. तभी तेज रफ्तार से आई नेताजी एक्सप्रेस उसी ट्रैक से गुजर गई. श्रद्धालु कुछ समझ पाते, इससे पहले ही ट्रेन ने कई लोगों को चपेट में ले लिया.

रेलवे ट्रैक पर चारों ओर लोगों के शव बिखर गए : दुर्घटना के बाद मौके पर दिल दहला देने वाला मंजर था. रेलवे ट्रैक पर चारों ओर लोगों के शव बिखर गए. शवों के टुकड़ों को पुलिस ने बड़ी मशक्कत से समेट कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. घायल यात्रियों को तुरंत जिला अस्पताल व अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है. मृतकों में अधिकांश कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए गंगा घाट जा रहे श्रद्धालु बताए जा रहे हैं.

अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन मनीष मिश्रा ने बताया कि इस हादसे में 6 महिला मृतकों की पहचान कर ली गई है. इनमें सविता (28) पत्नी राजकुमार निवासी कमरिया थाना राजगढ़, साधना (16) पुत्री विजय शंकर बिंद, शिव कुमारी (12) पुत्री विजय शंकर, अप्पू देवी (20) पुत्री श्याम प्रसाद, सुशीला देवी (60) पत्नी स्व. मोतीलाल निवासी महुआरी थाना पड़री, कलावती देवी (50) पत्नी जनार्दन यादव निवासी बसवा थाना कर्मा जनपद सोनभद्र हैं. अन्य मृतकों की पहचान करने के साथ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है.

हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और राहत कार्य शुरू कराया.

उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हृदयविदारक घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार और राहत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं.

कर्नाटक के बीदर के पास सड़क दुर्घटना, तेलंगाना के 3 लोगों की मौत

बीदर । कर्नाटक के बीदर जिले के भालकी तालुक में नीलममनल्ली टांडा के पास बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई. एक कार और कूरियर वाहन की आमने-सामने की टक्कर में कार सवार तीनों लोगों की मौके पर मौत हो गई. घटना के बाद धन्नूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने घटनास्थल का दौरा कर जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जानकारी के अनुसार, मृतक तेलंगाना के रहने वाले थे और कलबुर्गी के गंगापुर स्थित श्री दत्तात्रेय मंदिर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ. मृतकों की पहचान राजप्पा, नवीन और नागराज के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि नागराज तेलंगाना के नारायणखेड़ स्थित एक पीयूसी कॉलेज में लेक्चरर के पद पर कार्यरत थे.

एसआईआर का मामला

बंगाल में पहले दिन 18 लाख मतदाताओं तक पहुंचा फॉर्म

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के प्रथम चरण के पहले दिन ही मंगलवार रात तक कुल 18 लाख मतदाताओं को घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म बांटे गए. मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हाउस टू हाउस विजिट के पहले दिन 18 लाख से अधिक मतदाताओं को डुप्लिकेट एन्यूमरेशन फॉर्म सौंपे गए हैं और सभी गतिविधियां तय कार्यक्रम के अनुसार सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं. राज्य में कुल 80 हजार 681 बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) तैनात हैं. वहीं, राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) की संख्या 63 हजार से अधिक है. जिला निर्वाचन अधिकारियों ने सभी दलों से हर बूथ पर अधिकतम एक-एक बीएलए नियुक्त करने की पुनः अपील की है.

जोहरान ममदानी ने जीता न्यूयॉर्क मेयर का चुनाव

- अपने पहले ही भाषण में किया पंडित नेहरू का जिक्र, आव्रजन पर ट्रंप को चुनौती दी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के सबसे अहम मेट्रो शहरों में से एक न्यूयॉर्क में डेमोक्रेटिक पार्टी के जोहरान ममदानी ने मेयर पद का चुनाव जीत लिया है. इसके बाद उन्होंने बुधवार को ही जनता को संबोधित किया. इस दौरान ममदानी ने न सिर्फ भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और भारत की आजादी के बाद उनके पहले भाषण- ट्रिस्ट विद डेस्टिनी का जिक्र किया, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर चुनौती भी दी.

नेहरू के जिक्र से तालियों से गूंज उठा समारोह स्थल : ममदानी ने अपनी ऐतिहासिक जीत को राजनीतिक वंश का अंत बताया और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू का भी जिक्र किया. उन्होंने पंडित नेहरू के ट्रिस्ट विद डेस्टिनी भाषण के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, आज मैं आपके सामने खड़ा हूं और मुझे जवाहरलाल नेहरू के शब्द याद आ रहे हैं. एक क्षण आता है, जो इतिहास में बहुत कम आता है, जब हम पुराने से नए में प्रवेश करते हैं. आज रात, हमने पुराने से नए में कदम रखा है. उनके इस बयान के बाद समारोह स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा.

नलबाड़ी रास महोत्सव में लगी जुबिन गर्ग के गिटार की 52 फुट ऊंची प्रतिकृति

नलबाड़ी के श्री श्री हरिमंदिर में शुरू हुआ 92वां ऐतिहासिक महोत्सव

एजेंसी । नलबाड़ी (असम)

नलबाड़ी के ऐतिहासिक श्री श्री हरिमंदिर में बुधवार से 13 दिवसीय रंगारंग कार्यक्रमों के साथ रास महोत्सव का शुभारंभ हुआ. इस वर्ष के रास महोत्सव में प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग को विशेष श्रद्धांजलि दी जाएगी, जिसके लिए हरिमंदिर समिति ने 52 फुट ऊंची गिटार की प्रतिकृति तैयार की है. महोत्सव में पुतला रास और जीवंत रास दोनों का आयोजन होगा. महोत्सव का उद्घाटन असम सरकार के मंत्री एवं हरिमंदिर समिति के अध्यक्ष जयंत मल्ल बरुवा ने ध्वजारोहण कर किया. इसके बाद 92वें रास महोत्सव के उपलक्ष्य में 92 झंडे फहराए गए. शाम को रंगारंग सांस्कृतिक शोभायात्रा के माध्यम से मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया. उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बरपेटा सत्र के बूढ़ा सत्राधिकार डॉ. बाबुल चंद्र दास उपस्थित रहेंगे. रास महोत्सव में पांच भ्रमणशील थिएटर समूह अपने-अपने नाट्य प्रदर्शन करेंगे. साथ ही ग्रंथ मेला, व्यापार मेला और नलबेइरा हाट भी आयोजित किया जाएगा. मिट्टी और विद्युत मूर्तियों से सजे 60 से अधिक स्थलों पर भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे यह रास महोत्सव क्षेत्र का सबसे आकर्षक आयोजन बन गया है.

किश्तवाड़ में आतंकियों से मुठभेड़ में सेना का जवान घायल हुआ

एजेंसी । किश्तवाड़

किश्तवाड़ जिले के छत्रू सब-डिवीजन के अंतर्गत नायदगाम के कलाबन वन क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ जारी मुठभेड़ के दौरान बुधवार को सेना का एक जवान घायल हो गया है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान एक जवान घायल हो गया और जवान को अस्पताल ले जाया गया है. क्षेत्र में सुरक्षाबलों का अभियान अभी जारी है. इससे पहले एक्स पर एक पोस्ट में व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने लिखा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त रूप से चलाए गए एक खुफिया-आधारित अभियान में व्हाइट नाइट कॉर्प्स के सतर्क सैनिकों ने छत्रू के सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों को घेरा. जिसके बाद आतंकवादियों के साथ गोलीबारी शुरू हुई है जो अभी जारी है.

अमेरिका में विमान दुर्घटना, 7 की मौत

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका के केंटकी प्रांत के लुइसविले में बुधवार को यूपीएस कंपनी के एक मालवाहक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई. यह हादसा विमान के मोहम्मद अली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अडडे से उड़ान भरने के दौरान इंजन में आग लगने के कारण हुआ. स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, बोइंग 747 मॉडल का यूपीएस कंपनी का यह विमान लुइसविले से हवाई द्वीप समूह में होनोलुलु जा रहा था. उड़ान भरने के तुरंत बाद ही विमान में विस्फोट होने के बाद वह आग के गोले में बदल गया. पायलट ने आपातकालीन संकेत भेजे थे, लेकिन विमान रनवे के पास ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया. रिपोर्टों में कहा गया है कि विमान में लगभग 3800 गैलन ईंधन भरा था. सोशल मीडिया में दुर्घटनास्थल के पास के कुछ वीडियो आये हैं जिनमें दिख रहा है कि दुर्घटना स्थल पर भारी धुआं और आग फैल गई, जिसपर दमकलकर्मियों ने कई घंटों के प्रयासो के बाद काबू पाया.

इस बीच संघीय विमानन प्रशासन

(एफएए) के प्रवक्ता ने बताया कि विमान में दो पायलट और एक इंजीनियर सहित तीन कर्मचारी सवार थे, लेकिन मलबे में सात शव मिले हैं. आशंका है कि इसमें से एक शव किसी 'ग्राउंड स्टाफ' कर्मचारी का है. खबरों के मुताबिक घायलों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अस्पतालों में कई लोग भर्ती हैं. यूपीएस कंपनी ने एक बयान जारी कर कहा, "हम इस दुखद हादसे के कारण गहरा सदमा महसूस कर रहे हैं. हम प्रभावित परिवारों के साथ हैं और जांच में पूरा सहयोग करेंगे." कंपनी ने एयरपोर्ट पर अपनी सभी उड़ानों को अस्थायी रूप से रोक दिया है. राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने इस बाबत जांच शुरू कर दी है. प्रारंभिक रिपोर्ट्स के मुताबिक, मौसम साफ था, लेकिन विमान में किसी तकनीकी या इंजन में खराबी की आशंका जताई जा रही है.

इस बीच लुइसविले के मेयर क्रेग ग्रीनबर्ग ने ट्वीट कर कहा, हमारा शहर आज दुख में डूबा है. बचाव कार्य जारी है और हम हर संभव मदद करेंगे. गौरतलब है कि अमेरिका में पांच अक्टूबर से शुरू शटडाउन ने विमानन क्षेत्र को बुरी तरह से प्रभावित किया है. एफएए के मुताबिक उसके कई कर्मचारियों को बिना वेतन के छुटटी पर भेजा गया है जिससे हवाई यातायात नियंत्रण, सुरक्षा जांच और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बाधा आ रही है. अमेरिकन एअरलाइंस के मुताबिक शटडाउन के पहले ही दिन उसकी 200 से अधिक उड़ाने विलंबित या रद्द हुईं हैं जिससे उसे भारी नुकसान होने के साथ ही यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ा है. कर्मचारियों की भारी कमी को भी विमान दुर्घटनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है.

सोफ्टा इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के सुपर ऐप जेक्टर को देश और दुनिया के सामने लाया

भारत ने बनाया अपना सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'जेक्टर'

- देश के डिजिटल आज़ादी का नया अध्याय शुरू हुआ
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 2047 को समर्पित है

शुभम संदेश । नयी दिल्ली

दुनियाभर में मौजूद सोशल मीडिया प्लेटफार्म को चुनौती देते हुए भारत के सॉफ्टवेयर धुरंधरों ने इतिहास रच दिया है. अमेरिकी बेड़ियों में जकड़े भारतीयों का चेहरा भारत भूला नहीं है, दुनियाभर में सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अमेरिकी दबदबे को चुनौती देते हुए भारत के सूचना प्रौद्योगिकी के रणबाकुरों ने देश का अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जेक्टर तैयार किया है. नयी दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के स्पीकर हॉल में सोफ्टा इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के इस सुपर ऐप ज़ेक्टर को देश और दुनिया के सामने लाकर इससे परिचय कराया. जेक्टर भारत में बना अपनी तरह का विशेष सोशल मीडिया प्लेटफार्म है. यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न 2047 को समर्पित है. यह जानकारी सोफ्टा के सीईओ सुनील कुमार सिंह ने मीडिया से बात करते हुए दी. मौके पर सोफ्टा के सीएफओ अंशु प्रिया, सीटीओ जुगल किशोर जगरात, स्पोकपर्सन डॉ. सोमनाथ आर्य और मीडिया प्रभारी अश्वनी कुमार निगम मौजूद रहे.

नागरिकों की डेटा सुरक्षा के सपनों को साकार करेगा जेक्टर : जेक्टर को भारत की डिजिटल आज़ादी के नए अध्याय का आगाज माना जा रहा है. सोफ्टा के स्पोकपर्सन डॉ. सोमनाथ आर्य ने ज़ेक्टर की विशेषताओं से अवगत कराते हुए बताया कि आज दुनिया में डेटा सुरक्षा एक गंभीर खतरे के रूप में उभर रहा है. अपने नागरिकों के डेटा को सुरक्षित रखने के लिए अमेरिका, रूस, चीन के साथ ही यूरोप के विकसित देश जहां एक तरफ अपने अलग डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर चुके हैं, वहीं विकासशील देश, जिनमें भारत भी शामिल है, अभी भी डेटा सुरक्षा को लेकर इन देशों पर निर्भर है. .

12 वर्षों के विशेषज्ञों के शोध से तैयार हुआ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म : सीईओ सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 12 वर्षों के विशेषज्ञों के शोध से जेक्टर नामक यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तैयार किया हुआ है. इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का लोकार्पण जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से होगा. इस संबंध में प्रधानमंत्री के कार्यालय को प्रस्ताव भेजा जा चुका है.

जेक्टर सिर्फ़ एक ऐप नहीं, बल्कि एक संकल्प है : जेक्टर सिर्फ़ एक ऐप नहीं, बल्कि एक संकल्प है, एक वादा आने वाली पीढ़ी से कि भारत का डेटा, पहचान और आत्मा अब किसी विदेशी सर्वर की गिरफ़्त में नहीं होगा. यह "निर्भरता से आत्मसम्मान" और "उपयोगकर्ता से निर्माता" बनने की ऐतिहासिक यात्रा है. हर मज़बूत राष्ट्र अपनी भाषा, संस्कृति और डेटा की रक्षा करता है. जेक्टर उसी सोच का परिणाम है. यह एक ऐसा भारतीय डिजिटल मंच है जो उतना ही विविध है, जितनी भारत की भाषाएं और उतना ही सुरक्षित है,जितना भारत का लोकतंत्र.

जेक्टर: मेड इन इंडिया नहीं, बल्कि मोड ऑफ इंडिया : जेक्टर केवल मेड इन इंडिया नहीं, बल्कि मोड ऑफ इंडिया है.

चीन के स्पेस स्टेशन से टकराया अंतरिक्ष मलबा

तीन अंतरिक्ष यात्री फंसे

एजेंसी । बीजिंग

चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में बड़ा झटका लगा है. चीन के स्पेस स्टेशन से सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे की टक्कर के कारण बुधवार को निर्धारित अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी को फिलहाल टाल दिया गया है. यह जानकारी चाइना मैनड स्पेस एजेंसी ने दी. एजेंसी ने कहा कि यह फैसला अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता को ध्यान में रखकर लिया गया है.

तीन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी टली : चीन हर छह महीने में अपने स्पेस स्टेशन के दल की अदला-बदली करता है. बीते शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 क्रू के साथ कक्षा में हैंडओवर प्रक्रिया पूरी की थी. अंतरिक्ष स्टेशन की चाबियां मंगलवार को औपचारिक रूप से सौंप दी गईं. शेनझोउ-20 के तीन अंतरिक्ष यात्री (चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जिए) अपने निर्धारित सभी कार्य पूरे कर चुके हैं और बुधवार को इनर मंगोलिया के डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर उतरने वाले थे.

हालांकि, मलबे की टक्कर के चलते उनकी वापसी अस्थायी रूप से रोक दी गई है. इस बीच, चीन ने हाल ही में शेनझोउ-21 अंतरिक्ष यान के जरिए तीन नए अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के मिशन पर अपने कक्षीय स्टेशन पर भेजा है. इससे पहले चीन ने एलान किया था कि वह वर्ष 2030 तक अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की दिशा में समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.